केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बोले लालू एंड कंपनी सत्ता में आयी तो बनाएगी घुसपैठ घुसाओ बोर्ड - 12

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा- देश को वैश्विक स्तर के बैंकों की जरूरत - 12

हमने अपनी संप्रभुता का एक हिस्सा खो दिया... ममदानी की जीत पर ट्रंप - 13

चौथे टी-20 मुकाबले में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 48 रनों से हराया - 14

आज का मौसम
26.0° अधिकतम तापमान
14.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.22
सूर्यास्त 05.22

अमृत विचार

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

| कानपुर नगर |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष द्वितीया 11:05 उपरांत तृतीया विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 7 नवंबर 2025, वर्ष 4, अंक 77, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

पहले चरण में रिकॉर्ड 64.66% मतदान, उप मुख्यमंत्री पर हमला

पटना के बख्तियारपुर में एक मतदान केंद्र पर वोट डालने के लिए कतार में प्रतीक्षा करते मतदाता। ● एजेंसी

● डिप्टी सीएम विजय सिन्हा की कार पर राजद समर्थकों ने चप्पल और पत्थर फेंके
चुनाव आयोग बोला सख्त एक्शन लेंगे

पटना/लखीसराय एजेंसी

बिहार संग्राम

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण में गुरुवार को 121 सीट पर मतदान संपन्न हो गया। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) विनोद सिंह गुंजियाल ने बताया कि शाम तक प्राप्त आंकड़ों के अनुसार 3.75 करोड़ मतदाताओं में करीब 64.66 प्रतिशत ने मतदान किया, जो राज्य के इतिहास में सर्वाधिक मतदान प्रतिशत है।

उन्होंने बताया कि यह आंकड़ा कुल 45,341 मतदान केंद्रों में से 41,943 केंद्रों से प्राप्त सूचनाओं पर आधारित है। वहीं, लखीसराय में उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने आरोप लगाया कि मतदान के दिन उनके वाहनों के काफिले पर मुख्य विपक्षी पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के समर्थकों ने हमला किया। ये लोग इलाके में मतदाताओं को डराने-धमकाने की कोशिश कर रहे थे। मामले में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने घटना पर संज्ञान लेते हुए पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी गुंजियाल ने कहा, यह अनंतिम आंकड़ा है, क्योंकि कुछ मतदान केंद्रों से सूचनाएं अभी आनी बाकी हैं। अंतिम मतदान प्रतिशत के आंकड़े के इससे अधिक रहने की संभावना है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतदान शांतिपूर्ण और निष्पक्ष माहौल में संपन्न हुआ। कुछ स्थानों पर छिटपुट घटनाओं के अलावा कहीं से कोई बड़ी गड़बड़ी की सूचना नहीं मिली।

सीएम नीतीश, तेजस्वी, सम्राट चौधरी समेत दिग्गजों ने डाले वोट

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उनके दोनों उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा, महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव, वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह व राजीव रंजन सिंह 'ललन' सहित कई प्रमुख नेताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने गृह नगर बख्तियारपुर में मतदान किया। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, "मतदान लोकतंत्र में नागरिकों का अधिकार ही नहीं, कर्तव्य भी है।

आरजेडी में सिखाया जाता है 'ए' से अपहरण और 'फ' से फिरौती : मोदी

भागलपुर में प्रधानमंत्री बोले- जंगलराज लाने वालों को जनता देगी जवाब

● कहा- इनकी पाठशाला में 'घ' से घोटाला और 'प' से परिवारवाद की ट्रेनिंग

भागलपुर/अररिया, एजेंसी

भागलपुर में रैली के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सम्मान देते भाजपा नेता। एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि बिहार की जनता, विशेषकर माताएं और बेटियां, बड़ी संख्या में मतदान कर रही हैं ताकि राजद के जंगलराज को वापस आने से रोका जा सके। उन्होंने कहा कि फिर एक बार बिहार में सुशासन की सरकार बननी चाहिए। बिहार के भागलपुर में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने राजद और कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि इन दलों ने बिहार के गरीबों और महिलाओं के हितों के बारे में कभी नहीं सोचा।

राजद पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, जंगलराज की पाठशाला में 'ए' का मतलब होता है अपहरण और 'फ' का मतलब फिरौती सिखाया जाता है। इनकी पाठशाला में 'घ' से घोटाला और 'प' से परिवारवाद की ट्रेनिंग भी दी जाती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भागलपुर दंगा और सिख नरसंहार कांग्रेस के काले अध्याय हैं जिन्होंने देश को शर्मसार किया था। उन्होंने कहा, राजद और कांग्रेस ने कभी महिलाओं के खाते खोलने के बारे में नहीं सोचा। आज वे पोस्टरों में साथ तो दिखते हैं, लेकिन एक-दूसरे का चेहरा देखने को भी तैयार नहीं हैं। राजद के पोस्टरों में कांग्रेस के नामदार का चेहरा तक गायब है। राहुल गांधी पर अप्रत्यक्ष कटाक्ष करते हुए मोदी ने कहा, राजद ने कांग्रेस से मुख्यमंत्री पद की उम्मीदवारी बंदूक की नोक पर छीन ली, और कांग्रेस को यह पसंद नहीं आया। दोनों दल सत्ता की लड़ाई में एक-दूसरे को खत्म करने पर उतारू हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार एक जिला, एक उत्पाद योजना के माध्यम से बिहार के हर जिले के स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित कर रही है।

टेक्नोलॉजी, टूरिज्म और टेक्सटाइल का हब बनाएंगे हम

बिहार के विकास के लिए राजग सरकार की योजनाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, हम बिहार को टेक्नोलॉजी, टूरिज्म और टेक्सटाइल का हब बनाना चाहते हैं। हमने रोजगार सृजन के लिए ठोस रोडमैप तैयार किया है और निवेशक बिहार में निवेश को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने कांग्रेस पर छठ महापर्व का अपमान करने का आरोप लगाते हुए कहा, कांग्रेस के नामदार ने छठ महापर्व का अपमान किया जो बिहार का अपमान है। वे तुष्टिकरण की राजनीति के चलते बिहार की आस्था का भी मजाक उड़ा रहे हैं। अब वही लोग घुसपैठियों की रक्षा करने में जुटे हैं। लोगों से अपील की कि वे बड़े पैमाने पर मतदान कर विकास, सुरक्षा और सुशासन की सरकार को फिर से सत्ता में लाएं।

ब्रीफ न्यूज

जुबिन की मौत के मामले में असम के सीआईसी का इस्तीफा

गुवाहाटी। असम के मुख्य सूचना आयुक्त (सीआईसी) भास्कर ज्योति महंत ने गुरुवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। भास्कर के भाई श्यामकानु को गायक जुबिन गर्ग की मौत के मामले में गिरफ्तार किया गया है। सोशल मीडिया मंच फेसबुक पर एक लंबी पोस्ट में असम के पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) भास्कर महंत ने अपने इस्तीफे की घोषणा की और कहा कि उन्होंने पहले ही राज्यपाल को इस संबंध में पत्र भेज दिया है।

दिल्ली की वायु गुणवत्ता फिर बहुत खराब

नई दिल्ली। दो दिनों तक मामूली सुधार के बाद गुरुवार को दिल्ली की वायु गुणवत्ता फिर खराब हो गई और यह 'बहुत खराब' श्रेणी में पहुंच गई। निकट भविष्य में इससे राहत मिलने की कोई उम्मीद नहीं है। वायु गुणवत्ता बिगड़ जाने का एक प्रमुख पराली जलाना बताया जा रहा है। सीपीसीबी की ओर से जारी किए गए आंकड़े के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी में अपरान्ह चार बजे 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 311 दर्ज किया गया। सीपीसीबी के अनुसार दिल्ली सबसे प्रदूषित शहरों में चौथे स्थान पर है।

रैना और धवन की 11.14 करोड़ की संपत्ति अटैच

नई दिल्ली, एजेंसी

● ईडी ने सट्टेबाजी एप मामले में की कार्रवाई
● कई अन्य पूर्व क्रिकेटरों और अभिनेताओं से भी की पूछताछ

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) 2002 के तहत पूर्व भारतीय क्रिकेटरों सुरेश रैना और शिखर धवन की 11.14 करोड़ रुपये की चल-अचल संपत्ति कुर्क की। कुर्की में सुरेश रैना के नाम पर 6.64 करोड़ रुपये मूल्य के म्यूचुअल फंड निवेश और शिखर धवन के नाम पर 4.5 करोड़ रुपये मूल्य की अचल संपत्ति शामिल है।

ईडी ने जांच के तहत इन दोनों क्रिकेटर के अलावा युवराज सिंह और रॉबिन उथप्पा जैसे अन्य पूर्व क्रिकेटरों, अभिनेता सोनू सूद, उर्वशी रौतेला, मिमी चक्रवर्ती (तृणमूल कांग्रेस की पूर्व सांसद) और अंकुश हाजरा (बंगाली अभिनेता) से भी पूछताछ की है। कैरेबियाई द्वीप कुराकाओ में पंजीकृत '1एक्सबेट' को पोर्टल द्वारा सट्टेबाजी उद्योग में 18 वर्षों के अनुभव के साथ विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त सट्टेबाज बताया गया है। ईडी ने दोनों क्रिकटरों की चल-अचल संपति की कुर्की की पुष्टि करते हुए कहा कि उसकी जांच विभिन्न राज्य पुलिस एजेंसियों द्वारा अवैध विदेशी सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म '1एक्सबेट' के खिलाफ दर्ज की गई कई प्राथमिकियों पर आधारित है।

'1एक्सबेट' एक ऑनलाइन जुआ कंपनी है। कंपनी की स्थापना 2007 में हुई थी और इसका मुख्यालय साइप्रस में है। ईडी की जांच से पता चला है कि वन एक्स बीईटी और उसके सरोगेट ब्रांड वन एक्स बीएटी और '1एक्सबेट' स्पोर्टिंग लाइन्स ने पूरे भारत में अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुए के संचालन को बढ़ावा दिया। एजेंसी की जांच से पुष्टि हुई कि दोनों क्रिकेटरों ने जानबूझकर वन एक्स बीईटी के प्रतिनिधियों के माध्यम से उसे बढ़ावा देने के लिए विदेशी संस्थाओं के साथ विज्ञापन समझौते किए।

ईडी ने चार राज्यों के 16 ठिकानों पर मारा छापा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● फर्जी मार्कशीट-डिग्री बनाने वाले गिरोह व संस्थाओं के खिलाफ बड़ी कार्रवाई
● मोनाड विवि, सरस्वती मेडिकल कॉलेज, फरीदाबाद, गुरुग्राम, सोनीपत, दिल्ली में दस्तावेज खंगाले

अमृत विचार: ईडी ने गुरुवार को फर्जी मार्कशीट-डिग्री बनाने वाले गिरोह व संस्थानों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई। ईडी की 10 टीमों ने उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा व पंजाब के 16 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। उन्नाव के सरस्वती मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल के गोमतीनगर स्थित आवास पर भी छापेमारी की गई।

टीम ने हापुड़ के मोनाड यूनिवर्सिटी, सरस्वती मेडिकल कॉलेज उन्नाव के अलावा फरीदाबाद, गुरुग्राम, सोनीपत व दिल्ली में दस्तावेज खंगाले। ईडी के हाथ कई अहम दस्तावेज लगे हैं। लखनऊ जोन की टीम ने एसटीएफ की जांच में सामने कई तथ्यों के आधार पर कार्रवाई शुरू की। जांच में पता चला था कि मोनाड यूनिवर्सिटी से मेडिकल, इंजीनियरिंग और एमबीए की फर्जी डिग्री बांटने का नेटवर्क चल रहा है। उसके साथ यूपी, दिल्ली और हरियाणा के कई और कालेज भी इस फर्जीवाड़े में शामिल हैं।

सरस्वती मेडिकल कॉलेज व प्रिंसिपल के घर छापा

ईडी की टीम उन्नाव के कानपुर-लखनऊ हाईवे पर सोहरामऊ स्थित सरस्वती मेडिकल कालेज में गुरुवार पहुंची। प्रशासनिक भवन के कर्मचारियों और प्रिंसिपल समेत सभी के मोबाइल जब्त कर लिए। कालेज के सभी कम्प्यूटरों की हार्ड डिस्क कब्जे में लेने के साथ ही सर्वर रूम को सील कर दिया। उन्नाव के सरस्वती मेडिकल कालेज से कई तथ्य हाथ लगने के बाद प्रिंसिपल अखिलेश मौर्य के गोमतीनगर विस्तार में बने घर में भी छापा मारा, यहां से कई दस्तावेज जब्त किए।

मोनाड यूनिवर्सिटी के चेयरमैन के ठिकानों की तलाशी

ईडी ने मोनाड यूनिवर्सिटी के चेयरपर्सन विजेन्द्र हुड्डा के कई ठिकानों पर भी दबिश दी। विजेन्द्र का नाम फर्जी डिग्री मामले में सरगना के तौर पर सामने आया था। उस समय एसटीएफ ने उसे गिरफ्तार भी किया था। उसके ठिकानों से कई इलेक्ट्रानिक वस्तुएं ईडी ने जब्त की है। एसटीएफ ने वर्ष 2023 में मोनाड यूनिवर्सिटी में फर्जी डिग्री व मार्कशीट के बड़े नेटवर्क का खुलासा किया था। उस समय सामने आया था कि किसी भी विश्वविद्यालय के फेल विद्यार्थियों को 50 हजार से दो लाख रुपये लेकर नकली डिग्री व मार्कशीट यहां से मिल जाती थी। यह भी पता चला था कि पांच साल में इस फर्जीवाड़े से करीब 20 करोड़ रुपये की वसूली की गई थी।

इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद पर 2027 तक छूट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● बोले परिवहन मंत्री, भविष्य में इलेक्ट्रिक वाहन ही परिवहन का मुख्य आधार

अमृत विचार : प्रदेश में प्रदूषण नियंत्रण और स्वच्छ परिवहन व्यवस्था को बढ़ावा देने की दिशा में उत्तर प्रदेश सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह के प्रयासों से अब इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद पर पंजीकरण शुल्क और रोड टैक्स में अक्टूबर 2027 तक शत-प्रतिशत छूट दी जाएगी।

परिवहन मंत्री ने बताया कि सतत एवं स्वच्छ गतिशीलता सुनिश्चित करने के लिए वर्ष 2022 में लागू उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण एवं गतिशीलता नीति-2022 में संशोधन किया गया है। इस संशोधन को पांच नवंबर 2025 की अधिसूचना के तहत प्रभावी किया गया है। इसके अनुसार 14 अक्टूबर 2025 से 13 अक्टूबर 2027 के बीच खरीदे गए और पंजीकृत शुद्ध विद्युत वाहनों को पंजीकरण शुल्क और रोड टैक्स से पूर्णतः मुक्त किया गया है। यह छूट प्रदेश में दोपहिया, तीनपहिया, चारपहिया वाहनों, ई-बसों और ई-गुड्स कैरियर पर लागू होगी। मंत्री ने बताया कि शुद्ध विद्युत वाहनों की बिक्री को और प्रोत्साहित करने के लिए एग्रीगेटर या फ्लिट ऑपरेटरों को भी सब्सिडी का लाभ दिया गया है। अब वे अधिकतम दो, तीन या चार पहिया वाहनों के 10 यूनिट, तथा ई-बस अथवा ई-गुड्स कैरियर के 25 यूनिट तक पर सब्सिडी प्राप्त कर सकेंगे। दयाशंकर सिंह ने कहा कि सरकार इलेक्ट्रिक वाहनों के उत्पादन और उपयोग को बड़े पैमाने पर बढ़ावा दे रही है ताकि पर्यावरण संरक्षण के साथ परिवहन व्यवस्था को भी सुचारु बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में जीवाश्म ईंधन की उपलब्धता कम होती जाएगी।

सम्मान

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में आईसीसी महिला वनडे विश्व कप जीतने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम से मुलाकात की। जिसमें कप्तान हरमनप्रीत कौर ने उन्हें सभी खिलाड़ियों के हस्ताक्षर वाली टीम जर्सी भेंट की। (विस्तृत खेल पेज पर)

फांसी घर विवाद में केजरीवाल व सिसोदिया तलब

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा ने 'फांसी घर' विवाद मामले में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, तत्कालीन उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष राम निवास गोयल को तलब किया है।

आम आदमी पार्टी के तीनों नेताओं को 13 नवंबर को विशेषाधिकार समिति के समक्ष पेश होना होगा। यह समिति पिछली सरकार के 'फांसी घर' संबंधी दावों की जांच कर रही है। विस अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने अगस्त में मानसून सत्र के दौरान सदन को बताया था कि जिस तथाकथित ब्रिटिशकालीन 'फांसी घर' का उद्घाटन केजरीवाल ने 2022 में नवीनीकरण के बाद बड़े धूमधाम से विधानसभा परिसर में किया था, वह मूल रूप से एक 'टिफिन' रूम था।

जनसभा

मुख्यमंत्री ने बिहार के लौरिया, बेतिया और परिहार विधानसभा क्षेत्र में भरी हुंकार

जो राम का नहीं, वह किसी काम का नहीं : योगी

बेतिया, एजेंसी

● सीएम ने कहा, यूपी की तरह बिहार में भी खानदानी माफिया की उलटी गिनती शुरू

बिहार के बेतिया में एनडीए प्रत्याशी के पक्ष में चुनाव प्रचार करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को बिहार के लौरिया, बेतिया और परिहार विधानसभा क्षेत्र में एनडीए प्रत्याशियों के समर्थन में ताबड़तोड़ सभाएं कर विपक्ष पर जमकर प्रहार किया। उन्होंने कहा कि जो राम का नहीं, वह हमारे किसी काम का नहीं। अब बिहार में भी यूपी की तरह माफिया राज समाप्त होगा। जो खानदानी माफिया हैं, उनकी उलटी गिनती शुरू हो चुकी है।

जनसभाओं में योगी ने चेतावनी दी कि जैसे यूपी में माफिया पस्त हुआ, वैसे ही बिहार में भी एनडीए की सरकार बनते ही माफिया का अंत निश्चित है। उन्होंने कहा कि पहले चरण के मतदान में रुझान बता रहे हैं कि 14 नवंबर को परिणाम आने पर फिर एनडीए सरकार का नारा बुलंद होगा। नौजवान, किसान, माताएं, बहनें सब एनडीए के साथ हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और राजद की दलाली रोक दी गई है, इसलिए वे मोदी जी को गाली देते हैं। बिजली एनडीए देगी, लालटेन की लाइट में मोबाइल-लैपटॉप नहीं चार्ज हो सकता। योगी ने कमल और तीर के निशान पर बटन दबाकर बिहार को विकास के पथ पर अग्रसर करने का आह्वान करते हुए कहा कि अयोध्या में श्रीराम के भव्य मंदिर के बाद अब सीतामढ़ी में मां जानकी धाम पर भी भव्य मंदिर का निर्माण होगा। यह कार्य केवल एनडीए ही कर सकता है।

मोदी-नीतीश की जोड़ी से बदला भारत और बिहार

योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश की जोड़ी ने देश और बिहार का चेहरा बदल दिया है। पिछले 11 वर्षों में भारत की तस्वीर और तकदीर दोनों बदली हैं। सड़क, बिजली, पानी, रेलवे, एयर कनेक्टिविटी, मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेज हर क्षेत्र में विकास हुआ है। एनडीए सरकार ने 80 करोड़ को मुफ्त राशन, 50 करोड़ को स्वास्थ्य बीमा, 12 करोड़ को उज्ज्वला गैस, 4 करोड़ को आवास व 3 करोड़ को मुफ्त बिजली कनेक्शन दिए।

मुख्यमंत्री बोले- सड़क और पुल तक का होता था अपहरण

बेतिया में योगी ने कहा कि राजद शासन में सड़क और पुल तक का अपहरण हो जाता था। वर्ष 1990 से वर्ष 2005 के बीच 60 से अधिक जातीय नरसंहार और 30 हजार से ज्यादा अपहरण हुए। इंजीनियर, डॉक्टर, बच्चे, व्यापारी तक सुरक्षित नहीं थे। योगी ने कहा कि जब भी माफिया और अपराधियों को सत्ता का स्वाद चखाओगे, जनता को कीमत चुकानी पड़ेगी। दंगाइयों और अपराधियों को सत्ता का स्वाद नहीं चखने देना है।

अमृत विचार

कानपुर, शुक्रवार,7 नवंबर 2025

वाद्ययंत्रों की खरीद में सामने आई 25 लाख रुपये की गड़बड़ी

शासन ने घटाई आवंटित धनराशि, जांच के बाद पुराने आदेश रद्द, संस्कृति विभाग से चयनित गांवों में खरीदे गए हैं 825 वाद्ययंत्र सेट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : संस्कृति विभाग से चयनित ग्राम पंचायतों के लिए 825 वाद्ययंत्र सेटों की खरीद में गड़बड़ी की जांच के बाद शासन ने पहले स्वीकृत लगभग तीन करोड़ रुपये की धनराशि में कटौती करते हुए नया आदेश जारी किया है। 2,95,11,100 रुपये की प्रशासकीय व वित्तीय स्वीकृति को रद्द करते वास्तविक व्यय के आधार पर 2,70,73,002 रुपये की स्वीकृति दी गई है।

दैनिक अमृत विचार ने सबसे पहले इस गड़बड़ी को 4 अप्रैल, 2025 को उजागर किया था। भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने मामले की जांच का आदेश दिया। प्राथमिक जांच में सहायक निदेशक डॉ. राजेश अहिरवार और वैयक्तिक सहायक कुलदीप सिंह को निलंबित कर दिया गया था। साथ ही, शासन ने किट के वितरण और भुगतान पर रोक लगा दी थी। अब नए शासनादेश के बाद सामने आया है कि करीब 25 लाख रुपये हड़पने की तैयारी थी। नए शासनादेश में कहा गया है कि वर्ष 2024-25 में चयनित ग्राम पंचायतों के लिए 825 वाद्ययंत्र सेट क्रय किए गए थे। इसके लिए शासनादेश संख्या 385/2024 दिनांक 27 नवंबर 2024 के तहत 2,95,11,100 रुपये की प्रशासकीय व वित्तीय स्वीकृति दी गई थी। मगर खरीद प्रक्रिया में अनियमितताओं की शिकायत पर जांच शुरू होने से भुगतान रोक दिया गया था। अब जांच पूर्ण होने के बाद संस्कृति अनुभाग द्वारा जारी नवीन शासनादेश संख्या 323/2025 में पुराने आदेश को निरस्त करते हुए वास्तविक व्यय के आधार पर 2,70,73,002 रुपये की स्वीकृति दी गई है।

संस्कृति विभाग की संयुक्त सचिव उमा द्विवेदी की ओर से जारी शासनादेश में यह भी स्पष्ट किया है कि स्वीकृत धनराशि का उपयोग केवल वाद्ययंत्र खरीद के लिए ही किया जाएगा और किसी अन्य मद में खर्च नहीं किया जा सकेगा। साथ ही वित्तीय नियमों और नीतिगत दिशा-निर्देशों के सख्त अनुपालन के निर्देश दिए गए हैं।

अमृत विचार में 4 अप्रैल,2025 के अंक में प्रकाशित खबर।

12 हजार की किट 32,800 में खरीदने का था आरोप

लोक कल्याण वाद्य यंत्र योजना के तहत लोक कलाकारों को पांच वाद्ययंत्रों- हारमोनियम, तबला, घुंघरू, मजीरा और ढोलक की किट दी जानी थी। पिछले दिनों प्रदेश सरकार के आठ वर्ष पूर्ण होने पर 825 किट की खरीद और वितरण के निर्देश दिए गए थे। शिकायत के बाद पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह के आदेश पर हुई जांच में सामने आया कि संस्कृति विभाग ने सहायक निदेशक की अध्यक्षता में एक क्रय समिति गठित की थी, जिसने बाजार मूल्य से लगभग तीन गुना अधिक दर पर खरीद की संस्तुति दी। औसतन 12 हजार की किट कुछ जगह 32,800 में खरीदी गईं, जिससे लगभग 25 लाख की गड़बड़ी उजागर हुई।

ओपीडी बंद है तो मरीज के मोबाइल पर आएगा मैसेज

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- केजीएमयू प्रशासन जल्द शुरू करेगा नई व्यवस्था

अमृत विचार: किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) ने मरीजों की सुविधा के लिए एक नई व्यवस्था शुरू करने की तैयारी की है। अब अगर ओपीडी बंद होगी तो उसकी जानकारी सीधे मरीज के मोबाइल नंबर पर मैसेज के जरिए दी जाएगी। इससे दूर-दराज के जिलों जैसे गोरखपुर, जौनपुर, बाराबंकी, देवरिया आदि से आने वाले मरीजों को अनावश्यक परेशानियों से राहत मिलेगी।

केजीएमयू के प्रवक्ता डॉ. केके सिंह ने बताया कि कई बार मरीजों को ओपीडी बंद होने की जानकारी समय पर नहीं मिलती। ऐसे में वे सैकड़ों किलोमीटर की यात्रा कर लखनऊ पहुंचते हैं और यहां आकर पता चलता है कि ओपीडी बंद है। इस वजह से उन्हें समय और पैसे दोनों का नुकसान झेलना पड़ता है। नई व्यवस्था से इस समस्या का समाधान होगा। उन्होंने बताया कि मरीज जब ऑनलाइन अपॉइंटमेंट लेते हैं या पंजीकरण कराते हैं, तब अपना मोबाइल नंबर दर्ज करते हैं। इसी नंबर पर ओपीडी बंद होने की सूचना भेजी जाएगी। उम्मीद है कि यह व्यवस्था अगले एक महीने के भीतर लागू कर दी जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

पीजीआई में बच्चों के दिल का उपचार शुरू

अमृत विचार, पीजीआई/लखनऊ: एसजीपीजीआई में जन्मजात हृदय रोगों से जूझ रहे बच्चों के लिए राहत की खबर है। अब संस्थान में बच्चों के दिल के छेद और वॉल्व संबंधी सर्जरी शुरू हो गई है। इसके लिए पीजीआई में बच्चों के लिए छह बेड का विशेष आईसीयू, 30 बेड का वार्ड और एक ऑपरेशन थिएटर आरक्षित किया गया है। पहले जहां ऐसे मामलों में बच्चों को इलाज के लिए दिल्ली या अन्य बड़े शहरों के अस्पतालों में जाना पड़ता था, अब यह सुविधा लखनऊ में ही उपलब्ध हो गई है। सीवीटीएस विभागाध्यक्ष डॉ. एसके अग्रवाल ने बताया कि अब पीजीआई में हर माह 10 से अधिक बच्चों के ऑपरेशन किए जा रहे हैं। पीजीआई में बच्चों के हृदय रोगों के समग्र उपचार के लिए 200 बेड का अत्याधुनिक केंद्र स्थापित किया जा रहा है। इसमें 100 बेड आईसीयू के होंगे। नवजात से लेकर 18 वर्ष तक के बच्चों के लिए यह सेंटर एक बड़ा सहारा बनेगा।

डी. फार्मा की काउंसिलिंग की तिथि बढ़ाई गई

अमृत विचार, लखनऊ: संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित डिप्लोमा इन फार्मेसी (डी. फार्मा) पाठ्यक्रम की पांचवें चरण की ऑनलाइन काउंसिलिंग में विकल्प चयन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। परिषद के सचिव संजीव कुमार सिंह ने गुरुवार को बताया कि पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विकल्प चयन की अंतिम तिथि 4 से 6 नवंबर थी, जिसे अब 7 नवंबर दोपहर 12 बजे तक के लिए बढ़ा दिया गया है। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थी काउंसिलिंग से जुड़ी विस्तृत जानकारी परिषद की वेबसाइट www.jeecup.admissions.nic.in पर प्राप्त कर सकते हैं या सहायता के लिए परिषद के दूरभाष 0522-2630106, 2630695, 2630667, 2636589 पर संपर्क कर सकते हैं।

रालोद का राष्ट्रीय अधिवेशन 16 को

अमृत विचार, लखनऊ: राष्ट्रीय लोकदल का राष्ट्रीय अधिवेशन 16 नवंबर को मथुरा में आयोजित किया जा रहा है। इस ऐतिहासिक अधिवेशन में उत्तर प्रदेश के 2000 से अधिक प्रतिनिधि शामिल होंगे। अधिवेशन में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की घोषणा होगी। रालोद का यह अधिवेशन संगठन की मजबूती और आगामी राजनीतिक दिशा तय करने के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अधिवेशन में प्रदेश भर से आए पदाधिकारी, जिला अध्यक्ष, वरिष्ठ नेता, युवा प्रकोष्ठ, महिला प्रकोष्ठ एवं किसान प्रकोष्ठ के प्रतिनिधि भाग लेंगे। राष्ट्रीय अधिवेशन में वर्ष 2026 के पंचायत चुनाव और 2027 के विधानसभा चुनावों की रूपरेखा एवं रणनीति पर व्यापक चर्चा की जाएगी।

50 लाख डुप्लीकेट नाम बने चुनौती

मतदाता सूची से काटे जाएंगे नाम, 15 तक सत्यापन का कार्य पूरा करने के निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में पंचायत चुनाव की मतदाता सूची से 52 लाख डुप्लीकेट नाम कटेंगे। तमाम जिलों को राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से भेजे गए पत्र में 15 नवंबर तक सत्यापन का काम पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। 15 जनवरी को अंतिम वोटर लिस्ट जारी होगी।

इस बीच सामने आ रहीं त्रुटियों के मद्देनजर 15 जनवरी को अंतिम मतदाता सूची जारी करने से पहले यह काम पूरा होना बड़ी चुनौती बना हुआ है। दरअसल, नामों की डुप्लीकेसी को देखते हुए नाम काटने के निर्देश जिलाधिकारियों को अगस्त में ही दिया गया था, लेकिन माना जा रहा है कि अधीनस्थ अधिकारी ढुलमुल रवैया दिखाते रहे। फिलहाल मात्र 13.28 लाख डुप्लीकेट मतदाताओं का सत्यापन किया गया है और इसमें से 1.63 लाख मतदाता गलत मिले हैं।

वहीं, 2.14 करोड़ मतदाताओं का सत्यापन किया जाना बाकी है। अकेले पीलीभीत के पूरनपुर ब्लॉक में ही 97 हजार डुप्लीकेट मतदाता हैं। सैदपुर गाजीपुर में 71 हजार, पडरौना के 63 हजार और हापुड़ में 61 हजार डुप्लीकेट मतदाता हैं। ऐसे ही वाराणसी, बिजनौर, आजमगढ़, जौनपुर व अंबेडकरनगर इत्यादि जिलों में बड़ी संख्या में डुप्लीकेट वोटर हैं।

अप्रैल तक संपन्न हो जाएंगे पंचायत चुनाव : प्रदेश में वर्ष 2026 में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत और जिला पंचायत स्तर पर होने हैं, जो हर 5 वर्ष में होते हैं। माना जा रहा है कि चुनाव अप्रैल तक संपन्न हो जाएंगे। राज्य में लगभग 58000 पंचायतें, 8000 पंचायत वार्ड और 800 से जिला पंचायत वार्ड हैं, जिनमें 50 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हैं। इन पंचायत चुनाव के लिए जनवरी 2026 में अधिसूचना जारी हो सकती है और फरवरी-मार्च 2026 में कई चरणों में चुनाव हो सकते हैं। एससी/एसटी आरक्षण निर्धारण की प्रक्रिया पूरी होते ही आयोग चुनाव कार्यक्रम घोषित करेगा।

जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ बैठक करते मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा।

- चुनाव से पहले मतदाता सूचियों में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी आई सामने
- राज्य चुनाव आयोग की जांच में पीलीभीत, वाराणसी, बिजनौर और हापुड़ सहित कई जिलों में नामों के बड़े पैमाने पर दोहराव का पता चला
- अकेले पीलीभीत के पूरनपुर ब्लॉक में ही लगभग 97,000 नाम दोहराए गए

खर्च सीमा में बढ़ोतरी

पंचायत चुनाव की तैयारियों के बीच आयोग ने प्रत्याशियों के लिए खर्च सीमा में भी बढ़ोत्तरी की है। ग्राम प्रधान अब अधिकतम 1.25 लाख रुपये खर्च कर सकेंगे, जबकि जिला पंचायत सदस्य के लिए यह सीमा 2.5 लाख रुपये है। सर्वाधिक 7 लाख रुपये जिला पंचायत अध्यक्ष के लिए तय किए गए हैं। आयोग ने पारदर्शिता बनाए रखने और खर्च पर नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए यह फैसला लिया है। सूत्रों के मुताबिक, बैलेट पेपर की छपाई का काम भी शुरू हो चुका है।

लापरवाही पर कठोर कार्रवाई तय

प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण को लेकर गुरुवार की बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी, शामली के बिना सूचना के अनुपस्थित रहने पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनका स्पष्टीकरण मांगे जाने के निर्देश दिये। साथ ही सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया गया कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान किसी भी स्तर पर कार्य में लापरवाही तथा दिये गये निर्देशों की अवहेलना पाये जाने पर कठोर कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों और मतदाताओं से विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान में सक्रिय सहयोग करने की अपील की है।

मतदाताओं के लिए बुक ए कॉल विद बीएलओ की सुविधा

अमृत विचार, लखनऊ: मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा गुरुवार को सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ वर्चुअल बैठक कर प्रगति की समीक्षा की और आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने जानकारी दी कि मतदाताओं की सुविधा के मद्देनजर बुक ए कॉल विद बीएलओ की सुविधा प्रदान की गई है, जिसके तहत कोई भी मतदाता voters.eci.gov.in पोर्टल के माध्यम से अपने बीएलओ से बात करने की रिक्वेस्ट डाल सकता है। जिसे बीएलओ को अगले 48 घंटों के भीतर आवेदक से संपर्क कर निस्तारण करना है। बुक ए कॉल सुविधा का वोटर हेल्पलाइन 1950 की ही भांति प्रचार-प्रसार करते हुए क्रियाशील रखने के निर्देश सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को दिए गए। समीक्षा बैठक में सामने आया कि सभी जिलों में गणना प्रपत्र की छपाई का कार्य पूरा कर लिया गया है। वितरण में धीमी प्रगति वाले जिलों को वितरण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। इसी क्रम में जिन मतदाताओं के नाम वर्ष 2003 की मतदाता सूची में शामिल है उनकी वर्तमान मतदाता सूची से मैपिंग के कार्य को अगले तीन दिनों के भीतर पूरे किए जाने के निर्देश मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा दिये गये।

प्रधानमंत्री मोदी के प्रस्तावित शुक्रवार के दौरे को लेकर वाराणसी में रेलवे स्टेशन पर तैयारी का निरीक्षण करते मुख्यमंत्री योगी।

प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी : मुख्यमंत्री

योगी ने बनारस रेलवे स्टेशन पर की तैयारी की समीक्षा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वाराणसी दौरे से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार सुबह बनारस रेलवे स्टेशन पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया। अधिकारियों से स्टेशन परिसर के सुंदरीकरण, सुरक्षा व्यवस्था, यात्री सुविधाओं, और प्रधानमंत्री के कार्यक्रम स्थल से जुड़ी तैयारियों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के आगमन के दौरान सभी व्यवस्थाएं सुचारु, व्यवस्थित और उच्च गुणवत्ता की होनी चाहिए। किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अपने वाराणसी प्रवास के दूसरे दिन धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लेने के बाद मुख्यमंत्री ने रेलवे और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों से तैयारियों की विस्तृत जानकारी ली और सभी व्यवस्थाओं को सर्वोच्च स्तर पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बाबा विश्वनाथ व काल भैरव के किए दर्शन : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने दो दिवसीय वाराणसी प्रवास के दूसरे दिन गुरुवार को बाबा काल भैरव और श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना की।

प्रधानमंत्री मोदी का काशी दौरा आज

अमृत विचार, लखनऊ: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दो दिवसीय दौरे पर शुक्रवार शाम को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी पहुंचेंगे। वहां पीएम मोदी का स्वागत राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। इस दौरे पर प्रधानमंत्री वाराणसी से रेल यातायात को बड़ी सौगात देंगे। वहीं, बनारस से लेकर बेंगलुरु तक को चार नई वंदे भारत ट्रेन भी मिलेंगी। इस कड़ी में प्रधानमंत्री बनारस-खजुराहो, लखनऊ-सहारनपुर, फिरोजपुर-दिल्ली और एर्नाकुलम-बेंगलुरु वंदे भारत को हरी झंडी दिखाएंगे। कुल मिलाकर यात्री सुविधाओं और पर्यटन को बढ़ावा मिलने जा रहा है। वहीं पीएम मोदी वाराणसी में प्रबुद्धजनों से भी संवाद करेंगे। इस दौरान सीएम योगी भी साथ रहेंगे।

आबकारी राजस्व लक्ष्य हासिल न करने पर होगी कार्रवाई

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 63 हजार करोड़ रुपये का लक्ष्य आबकारी मंत्री ने दी चेतावनी

अमृत विचार : आबकारी एवं मद्यनिषेध राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल ने कहा है कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में आबकारी विभाग को 63 हजार करोड़ रुपये राजस्व अर्जित करने का लक्ष्य मिला है। इसके लिए निर्धारित मासिक राजस्व लक्ष्य को शत-प्रतिशत प्राप्त करना होगा।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन जिलों ने अक्टूबर माह में निर्धारित आबकारी राजस्व लक्ष्य को प्राप्त नहीं किया है और लगातार उनकी परफारमेंस खराब चल रही है, उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जायेगी।

बैठक में आबकारी मंत्री ने बताया कि इस वर्ष माह अप्रैल से अक्टूबर तक निर्धारित लक्ष्य 32,500 करोड़ के सापेक्ष प्राप्ति 30,657.54 करोड़ (94.33 प्रतिशत) रही। प्रदेश में गत वर्ष इसी अवधि में 26,330.87 करोड़ की आबकारी राजस्व प्राप्त हुआ था। इस तरह गत वर्ष के सापेक्ष प्राप्त 4326.67 करोड़ (116.43 प्रतिशत) का अधिक राजस्व अर्जित किया गया है। मंत्री ने मदिरा की संभावित नई दुकानों के लिए सर्वे कराकर 15 दिन के अंदर प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिये।

आगरा में बनेगा प्रदेश का तीसरा साइंस पार्क

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/आगरा

- 39 करोड़ 62 लाख की लागत वाले साइंस पार्क और नक्षत्रशाला की रखी गई नींव

अमृत विचार: लखनऊ और गोरखपुर के बाद अब आगरा में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त साइंस पार्क और नक्षत्रशाला की स्थापना होगी। कोठी मीना बाजार मैदान के सामने, एसीपी लोहा मंडी कार्यालय के पीछे आयोजित कार्यक्रम में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अनिल कुमार, उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय और केंद्रीय राज्य मंत्री (सांसद) प्रो. एसपी सिंह बघेल ने संयुक्त रूप से शिलान्यास किया।

कार्यक्रम के दौरान वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भूमि पूजन एवं हवन कर 39.62 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले साइंस पार्क व नक्षत्रशाला की नींव रखी गई। आगरा का साइंस पार्क प्रदेश का तीसरा उच्च सुविधा युक्त पार्क होगा, जहां छात्र-छात्राएं और आमजन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक साइंस और साइबर सुरक्षा जैसी आधुनिक तकनीकों से रूबरू होंगे। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अनिल कुमार ने बताया कि अब प्रदेश के हर मंडल मुख्यालय पर साइंस पार्क की स्थापना की जाएगी।

आगरा में साइंस पार्क व नक्षत्रशाला का शिलान्यास करते मंत्री अनिल कुमार, मंत्री योगेंद्र उपाध्याय और केंद्रीय राज्य मंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल, साथ में अन्य।

पटेल जयंती पदयात्राओं की तैयारी को लेकर कसी कमर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मंत्रियों, सांसदों, विधायकों व भाजपा नेताओं के साथ प्रदेश अध्यक्ष ने की वर्चुअल बैठक

अमृत विचार : भारतीय जनता पार्टी ने लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर आयोजित होने वाली विधानसभा स्तरीय पदयात्राओं की तैयारियों को लेकर पूरी ताकत झोंक दी है। प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी और प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने गुरुवार को प्रदेश सरकार के मंत्रियों, सांसदों, विधायकों, प्रदेश पदाधिकारियों और जिला प्रभारियों के साथ वर्चुअल संवाद किया।

बैठक में प्रदेश सरकार के मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, सूर्य प्रताप शाही, एके शर्मा, नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी', बेबी रानी मौर्य, जेपीएस राठौर, धर्मवीर प्रजापति, अनिल राजभर और दारा सिंह चौहान सहित बड़ी संख्या में मंत्री, सांसद, विधायक और प्रदेश पदाधिकारी शामिल हुए। प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि पदयात्राएं सरदार पटेल के विचारों और आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम बनेंगी। प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने बताया कि इन पदयात्राओं की तैयारियां विधायक, पदाधिकारी और कार्यकर्ता मिलकर करेंगे।

कवायद | छह शैक्षणिक संस्थानों की मदद से बनेगी वार्षिक ग्राम पंचायत विकास योजना

जरूरतों को पूरा कर गांवों को मॉडल बनाने की तैयारी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- हर जिले की 10 ग्राम पंचायत चयनित, 1.50 करोड़ बजट

अमृत विचार : पंचायती राज विभाग ने प्रदेश की ग्राम पंचायतों को शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग से मॉडल बनाने की कवायद शुरू कर दी है। इस कवायद में शामिल लखनऊ विश्वविद्यालय, डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध यूनिवर्सिटी, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, डॉ. बीआर आम्बेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस व डॉ. भीमराव आम्बेडकर यूनिवर्सिटी आगरा के पीएचडी स्कॉलर ग्राम सचिवों के साथ क्षेत्रों में जाकर वार्षिक ग्राम पंचायत विकास योजना बनाने में लगे हैं। 31 जनवरी तक प्लान तैयार करके अपलोड किया जाएगा।

विभाग ने पहले चरण में सभी 75 जिलों की 10-10 ग्राम पंचायतें वार्षिक योजना बनाने के लिए चयनित की हैं। पीएचडी स्कॉलर गांव में शोध करके ग्रामीणों की जरूरतों को समझकर प्लान में शामिल करेंगे, जो विकास कार्यों के लिए बेहद जरूरी होगा। इसके अलावा बजट के हिसाब से जो कार्य नहीं होते हैं, उन पर विशेष फोकस रहेगा, क्योंकि विभाग द्वारा जो विकास की योजना बनाई जाती है, उनमें इंफ्रास्ट्रक्चर कार्य ज्यादा होता है। गांव में किन चीजों की जरूरतें हैं, उनकी जानकारी कर प्लान में दर्शाया जाएगा और आने वाले वित्तीय वर्ष में वही कार्य कराए जाएंगे। ताकि अच्छे से अच्छा कार्य कराकर ग्रामों को मॉडल बनाया जा सके। पहले चरण में कुल 1.50 करोड़ रुपये बजट प्रस्तावित किया गया है। इसमें प्रति ग्राम पंचायत पर 20 हजार रुपये खर्च किए जाएंगे।

वार्षिक योजना में शामिल मुख्य कार्य

- तकनीकी, प्रबंधन, योजना निर्माण संबंधी सहायता देना
- निर्माण में गुणवत्ता एवं सहभागी दृष्टिकोण तय करना
- ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों और सचिवों का क्षमता विकास
- स्थिति विश्लेषण एवं आवश्यकता मूल्यांकन, सर्वे, बैठक
- ग्राम सभाओं और योजना बैठक की सुविधा, मॉनिटरिंग एवं प्रगति रिपोर्टिंग

विश्वविद्यालयों को आवंटित जिले

- लखनऊ विश्वविद्यालय - 13 जिले
- डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध यूनिवर्सिटी - 12 जिले
- बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी - 12 जिले
- अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी - 13 जिले
- डॉ. बीआर आम्बेडकर इंस्टीट्यूट - 12 जिले
- डॉ. भीमराव आम्बेडकर यूनिवर्सिटी आगरा - 13 जिले

लखनऊ में कोठी नहीं, फिर भी घोषित कर दिया भूमाफिया: आजम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- अचानक लखनऊ पहुंचे आजम खां, बढ़ा सियासी तापमान
- प्रधानमंत्री के कट्टा वाले बयान पर कसा तंज, कहा- कट्टा बेचने वाले का बेटा विधायक बना

अमृत विचार : समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री मो. आजम खां गुरुवार को अचानक लखनऊ पहुंचे। उन्होंने कहा कि 50 साल की सियासत के बावजूद लखनऊ में मेरी कोई कोठी नहीं है, फिर भी मुझे भूमाफिया घोषित किया गया। उन्होंने तंज भरे अंदाज में कहा, "अगर मैं भूमाफिया होता तो लखनऊ में मेरे पास भी कोठी होती। रामपुर में जहां रहता हूं, बारिश में पानी भर जाता है। उन्होंने प्रधानमंत्री के बिहार में कट्टा वाले बयान पर तंज कसा कि कट्टा बेचने वाले का बेटा विधायक बना और उसे कमांडो मिले हैं।

आजम खां का यह दौरा पूरी तरह गोपनीय रखा गया था। शहर के एक होटल में ठहरने की सूचना मिलने के बाद राजनीतिक हलकों में सरगर्मी बढ़ गई। दिनभर सपा नेताओं का होटल में आना-जाना लगा रहा। हालांकि सपा मुखिया लखनऊ में नहीं हैं। इस दौरान पहुंचे पत्रकारों के सवालों पर आजम खां ने कई राजनीतिक और समसामयिक मुद्दों पर बेबाकी से अपनी बात रखी। आजम खां ने प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर व्यंग्य कसते हुए कहा कि बहुत बेहतर है। बिहार की कानून-व्यवस्था पर बोलते हुए कहा कि वहां आज भी जंगलराज कायम है। इसी वजह से वह चुनाव प्रचार के लिए बिहार नहीं गए। जिनके पास हथियार हैं, वही वहां जा रहे हैं, मेरे पास सुरक्षा नहीं, इसलिए उस जंगल तक नहीं गया।

न्यूज ब्रीफ

मेजबान टीम ने जीता वॉलीबाल फाइनल

कानपुर देहात। पुलिस की कानपुर जोन की 27वीं अंतरजनपदीय वॉलीबाल प्रतियोगिता में गुरुवार को पुरुष वर्ग के पहले सेमीफाइनल मैच कानपुर नगर व जालौन के मध्य भिड़ंत हुई। कानपुर नगर की टीम ने मैच जीच फाइनल में जगह बनाई। दूसरे सेमीफाइनल कानपुर देहात की टीम ने कन्नौज को हराया। महिला वर्ग का फाइनल मैच कानपुर नगर व जनपद कानपुर देहात के मध्य हुआ, इसमें कानपुर देहात टीम विजयी रही। उसे चल वैजयंती मिली। शुक्रवार को एडीजी कानपुर जोन की मौजूदगी में पुरुष वर्ग का फाइनल मैच होगा।

महिला कुश्ती के लिए आज होगा ट्रॉयल

कानपुर देहात। जिला कीड़ा अधिकारी नीलम सिद्दीकी ने बताया कि जिला, मंडल व प्रदेश स्तरीय सिविल सर्विसेज चयन ट्रॉयल्स कानपुर देहात में होगा। शुक्रवार को प्रदेश स्तरीय समन्वय सीनियर महिला कुश्ती प्रतियोगिता के लिए जिला स्तरीय ट्रायल्स होंगे। इसके बाद 9 नवंबर को राज नारायण संस्था व 13 से 15 नवंबर मथुरा में ट्रॉयल्स होंगे। जनपद स्तरीय चयन ट्रायल्य में जिले के इच्छुक खिलाड़ी जन्म प्रमाणपत्र / आधार कार्ड की छायाप्रति के साथ निर्धारित तिथि पर भाग ले सकते हैं।

सिकंदरा में सूने घर से लाखों के जेवर चोरी

सिकंदरा। कस्बे के विकास नगर में सूने घर में बुधवार रात गेट का ताला तोड़कर चोर लाखों के जेवर-नकदी ले गए। मकान मालकिन ममता देवी ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि कार्तिक पूर्णिमा पर पैतृक गांव अमराहट थाना क्षेत्र के जमालपुर गए थे। घर में ताला लगा था। गुरुवार की दोपहर लौटने पर कमरों के ताले टूटे मिले। अलमारी का सामान बिखरा था। सोने की अंगूठी, एक हार, दो मंगलसूत्र, कान के बृजबाला, लर, चांदी की चार तोड़िया, पायल, 40 हजार नकदी चोरी हुई है। थाना प्रभारी हरिओम प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि जांच की जा रही है।

चोरी की बाइकों के साथ गिरफ्तार

कानपुर देहात। सदर कोतवाली पुलिस ने चेकिंग के दौरान चोरी की वारदात में शामिल एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसके पास से चोरी की दो बाइकें मिली हैं। गुरुवार दोपहर करीब तीन बजे नबीपुर से झाड़ी बाबा रोड पर शिवराजपुर थाना क्षेत्र के जगदीशपुर निवासी अमजद उर्फ हसनैन को पकड़ा गया। मौजूदा समय में मटियामऊ में रह रहा था। पूछताछ में बताया कि उसके पास से मिलीं दोनों बाइकें चोरी की हैं। तमंचा डराने-धमकाने के लिए रखता था।

अभद्रता के विरोध पर सरिया से पीटा

रसूलाबाद। पलियाबांस खेड़ा के एक व्यक्ति को कुछ लोगों ने अपशब्द कहे और विरोध करने पर सरिया से पीटा। राजेश उर्फ खन्ना ने पुलिस को बताया कि गांव के ही बबलू उर्फ ब्रह्मा सिंह, हरिश्चंद्र, आयुष ,अंशु व अवनीश आए और उसे अपशब्द कहने लगे। उसने इसका विरोध किया तो सरिया और राड आदि से हमला करके उसे घायल कर दिया। वह किसी तरह उठकर भागने लगा तो वे लोग उसे जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। पुलिस ने बताया कि मामले की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

अभियान में महिलाओं को किया जागरूक

कानपुर देहात। महिला पुलिस कर्मियों ने मिशन शक्ति 5 .0 के तहत स्कूलों, बाजारों तथा सार्वजनिक स्थानों पर जागरूकता अभियान चलाया। महिलाओं एवं बालिकाओं को हेल्पलाइन नंबर्स, कानूनी अधिकारों, साइबर अपराधों के बारे में जानकारी दी। इस दौरान महिलाओं को 181 महिला हेल्पलाइन, 1090 महिला शक्ति लाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 112 इमरजेंसी हेल्पलाइन एवं 1076 पुलिस कंट्रोल रूम जैसे नंबरों की जानकारी दी गई ।

ईको पार्क में आज देंगे फ्रॉड से बचने के टिप्स

कानपुर देहात। माती के ईको पार्क ऑडीटोरियम में शुक्रवार को साइबर सुरक्षा जागरूकता गोष्ठी आयोजित होगी, जिसमें डिजिटल युग की बढ़ती चुनौतियों के बीच साइबर अपराधों से सुरक्षित रहने के टिप्स दिए जाएंगे। राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा जागरूकता माह के तहत इस का मुख्य उद्देश्य नागरिकों, विशेषकर युवाओं, छात्रों एवं ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को ऑनलाइन फ्रॉड, फिशिंग, सोशल मीडिया पर धोखाधड़ी, डिजिटल अरेस्ट तथा व्यक्तिगत डेटा चोरी से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक करना है।

50 फीसदी छूट पर खरीदिए रबी फसल का बीज

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

- राजकीय बीज भंडार में गेहूं, चना, मटर और मसूर के बीज अनुदान पर उपलब्ध
- सरसों की खेती के लिए किसानों को नि :शुल्क बीज की मिनीकिट बांटी जा रही

अमृत विचार: रबी फसलों का सीजन प्रारंभ हो चुका है। बेमौसम बरसात के कारण बुआई रूकी रही। जल्द यह काम शुरू होगा। इस सीजन गेहूं, सरसों, तोरिया, चना, मटर एवं मसूर समेत विभिन्न फसलों को बढ़ावा देने के लिए किसानों को 50 प्रतिशत अनुदान पर बीज वितरित किया जा रहा है। जनपद के राजकीय कृषि बीज भंडारों पर अनुदानित बीज उपलब्ध है।

जिला कृषि अधिकारी उमेश गुप्ता ने बताया कि खास फसलों को बढ़ावा देने के लिए कृषि विभाग 50 प्रतिशत अनुदान पर किसानों को बीज उपलब्ध करा रहा है। सरसों की खेती के लिए किसानों को निःशुल्क सरसों बीज की 12000 मिनीकिट उपलब्ध कराई गई है। इसमें से 3500 मिनीकिट का वितरण कराया जा चुका है। शेष का वितरण कराया जा रहा है। विभाग से गेहूं, सरसों, चना, मटर एवं मसूर 3784.92 कुंतल बीज उपलब्ध हो चुका है।

राजकीय बीज भंडारों पर इसे भेज दिया गया है। कृषि अधिकारी का दावा है कि बीज उच्च गुणवत्ता का है। किसान इसका लाभ अधिक से अधिक लेकर अच्छी फसल उपज और उत्पादन कर सकेंगे। जिले में चना, मटर, मसूर व राई/सरसों बीज की मिनी किट निःशुल्क प्रदान की जा रही है। 50 प्रतिशत अनुदान वाले बीजों के लिये भी किसानों का रजिस्टेशन अनिवार्य है।

अनुदान वाले बीजों के लिए किसान को रजिस्टेशन नंबर व आधार एथॉन्टीकेशन कराकर बीज प्राप्त कर सकेंगे, जब कि निःशुल्क सरसों बीज की मिनीकिट प्राप्त करने के लिए ऑनलाइन बुकिंग एग्रीदर्शन.यूपी.जीओवी.इन पर किया जा रहा है। यदि अनुदान में सरसों का बीज लेना है तो बुकिंग नहीं करानी होगी।

कृषि विभाग के समस्त राजकीय कृषि बीज भण्डारों पर सरसों बीज मिनीकिट 240 कुंतल मिनीकिट (प्रति पैकिट दो किलोग्राम) का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभी तक गेहूं 1890 क्विंटल, चना 1427 क्विंटल, मटर 219 क्विंटल, राई-सरसों 203.36 क्विंटल, मसूर 44.96 क्विंटल बीज अनुदान के तहत वितरण को उपलब्ध है। जिला कृषि अधिकारी उमेश गुप्ता ने जनपद के किसानों से अपील की है कि अपना कृषि विभाग में पंजीकरण नंबर और आधार नंबर लेकर 50 प्रतिशत अनुदान पर या निःशुल्क सरसों के मिनीकिट प्राप्त कर सकते हैं।

गेहूं के बीज के लिए केंद्रों पर किसानों की भीड़

- **रसूलाबाद।** गेहूं बीज की खरीद को लेकर उप संभाग कृषि प्रसार अधिकारी कार्यालय रसूलाबाद में किसानों की लंबी कतारें देखी जा रही हैं। काफी जद्दोजहद के बाद किसानों को बीज उपलब्ध हो पा रहा है। किसानों को टोकन के साथ गेहूं के बीच का वितरण हो रहा है। प्रभारी राज नारायण यादव ने बताया कि किसानों के बीज वितरण में किसी भी प्रकार के असुविधा न हो, इसके लिए क्रमानुसार टोकन देकर बीज वितरण किया जा रहा है। बॉयो मैट्रिक के बाद ही बीज दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस दौरान फार्मर रजिस्ट्री कराने वाले किसानों को प्राथमिकता दी जा रही है।

दीवार में दबकर घायल हुए मजदूर की थमीं सांसें

संवाददाता, राजपुर

- गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज से कानपुर किया गया था रेफर

अमृत विचार: अफसरिया की मडैया में बुधवार की रात डीजे वाहन की टक्कर से मकान की दीवार गिरने से घायल मजदूर की इलाज के दौरान गुरुवार को मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद शव घर पहुचने पर परिजनों में कोहराम मच गया। सट्टी थाना क्षेत्र के अफसरिया की मडैया गांव में बीती रात 10 बजे गांव के निवासी रामकिशोर के बेटे राजू की बारात निकासी के दौरान डीजे लदा लोडर लालाराम के जर्जर मकान की दीवार से टकरा गया था। इस दौरान दीवार ढह जाने से बारात निकासी देख रहे रामकिशोर के पडोसी मजदूर गिरजा शंकर (55) समेत उसके परिवार के शिवम, तनिष्क, अमृता, शैकी, मंटोले, दीपक दीवार के मलबे में दबकर घायल हो गए थे। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस ने सभी घायलों को राजपुर पीएचसी में भर्ती कराया था। गंभीर रूप से घायल गिरजा शंकर को डाक्टरों ने मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया था। मेडिकल कॉलेज से घायल को कानपुर के हैलट भेजा गया। गुरुवार को इलाज के दौरान गिरजा शंकर की मौत हो गई। गिरजा शंकर की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। गुरुवार को पोस्टमार्टम के बाद शव घर पहुंचने पर पत्नी मुन्नी देवी, बेटे सुमित, गोविन्द शव से लिपट कर बिलखते रहे। सटटी थानाध्यक्ष देवनरायन द्विवेदी ने बताया कि लोडर वाहन को कब्जे में लिया गया है वाहन चालक की तलाश की जा रही है। मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

ग्रामीणों ने कार में फंसे बच्चों को निकाला, तीन बच्चे गंभीर हालत में कानपुर रेफर

स्कूल की वैन खड्ड में पलटी, 9 बच्चे घायल

संवाददाता, शिवली

घायल बच्चे को संभालता युवक।

हादसे के बाद खड्ड में घुसी वैन।

अमृत विचार: गुरुवार को दर्जन भर स्कूली बच्चों को लेकर स्कूल आ रही तेज रफ्तार ईको वैन खड्ड में पलट गई। वैन पलटते ही बच्चों में चीख-पुकार मच गई। ग्रामीणों ने कार में फंसे बच्चों को बाहर निकाला। हादसे में 9 बच्चों को चोटें आई हैं। घायल बच्चों को सीएचसी लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद तीन बच्चों की हालत नाजुक देख हैलट रेफर कर दिया गया। पुलिस ने वैन चालक को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है।

शिवली थाना क्षेत्र के मैथा कस्बे में संचालित एसजीएम चिल्ड्रेन एकेडमी स्कूल की ईको वैन बच्चों को लेने गुरुवार की सुबह गई थी। बच्चों को लेकर जरेलापुरवा से आ रही थी, तभी हथिका रोड पर वैन अनियंत्रित होकर खड्ड में पलट गई। चिकित्सा अधीक्षक सिद्धार्थ वर्मा ने बताया कि नौ बच्चों को इलाज के लिए शिवली सीएचसी लाया गया। इनमें जरेलापुरवा के अमन पाल (12) कक्षा 5, पंकज पाल (12) कक्षा 8, उत्कर्ष (9) कक्षा 4, तान्या पाल (11) कक्षा 6, निशु पाल (11) कक्षा 6, रोशनी (13) कक्षा 8, हर्षित (13) कक्षा 7, मानस पाल (13) कक्षा 6, रितेश पाल (7) कक्षा 1 को चोटें आई है।

घायल छात्र अमन पाल, सीटू पाल और उत्कर्ष पाल को प्राथमिक उपचार के बाद कानपुर हैलट रेफर कर दिया गया है। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने रूरा थाना क्षेत्र के बलेथा गांव निवासी वैन चालक विजय बहादुर को हिरासत में ले लिया है।

थाना प्रभारी प्रवीण कुमार यादव ने बताया कि वैन को कब्जे में लिया गया है। जांच कर कार्रवाई की जा रही है। दूसरी तरफ लोगों का कहना है कि बड़ा हादसा होने से बचा है। जिम्मेदार अधिकारी इस तरफ से मुंह फेरे हैं। पूरे तहसील क्षेत्र मनमाने ढंग से वैन पर बच्चे ढोए जा रहे हैं, इससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

हादसे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों से जानकारी ली। अमृत विचार

बिना मान्यता के चल रहा स्कूल: एबीएसए

- एबीएसए सपना सिंह ने बताया कि स्कूल बिना मान्यता के संचालित है। कई बार नोटिस दी गई है। संचालक बदसलूकी करने पर उतारू हो जाता है। उच्चाधिकारियों को रिपोर्ट भेजी गई है। स्कूल के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

दोषियों के खिलाफ होगी कार्रवाई: एसडीएम

- वैन हादसे को लेकर एसडीएम राजकुमार पांडेय ने कहा कि एबीएसए के मुताबिक स्कूल की मान्यता नहीं है। बिना मान्यता के स्कूल संचालित करने पर दोषी लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई के लिए संबंधित अधिकारियों को पत्र लिखा गया है।

पराली जलाई तो होगा जुर्माना

संवाददाता, शिवली

अमृत विचार: मैथा तहसील क्षेत्र में किसान पराली न जलाएं, इसके लिए जागरूकता अभियान की शुरुआत की गई है। जागरूकता प्रचार वाहन को एसडीएम राजकुमार पांडेय ने हरी झंडी दिखाकर गुरुवार को रवाना किया। किसानों को पराली जलाने के नुकसान बताए जा सकें।

उन्होंने बताया कि वाहन तहसील क्षेत्र के सभी गांवों में जाकर ग्रामीणों व किसानों को पराली जलाने के नुकसान बताकर जागरूक करेगा। इस अभियान का उद्देश्य किसानों को पराली जलाने के बजाय उसके अन्य उपयोगों जैसे कि मल्चिंग, पशु चारा या खाद बनाने के बारे में जानकारी देना है ताकि वायु प्रदूषण को कम किया जा सके। इस मौके पर एडीओ कृषि बृजेन्द्र यादव, कानूनगो चन्द्रबाबू,प्रदीप पाल मौजूद रहे।

उप निदेशक कृषि ने फसलों के अवशेष जलाने पर जुर्माना लगाने की चेतावनी दी है। फसल अवशेष या पराली जलाने से एक ओर जहां पर्यावरणीय क्षति, मृदा स्वास्थ्य एवं मित्र कीटों पर कुप्रभाव पडता है वही दूसरी ओर फसलों एवं ग्रागों में अग्निकाण्ड होने की भी संभावना होती है। फसल अवशेष जलाने से गिट्टी के तापमान में वृद्धि होने से मृदा की भौतिक, रासायनिक एवं जैविक दशा पर विपरीत प्रभाव पड़ता है. मिट्टी में उपस्थित सूक्ष्म जीव नष्ट होते है जिससे जीवांश के अच्छी प्रकार से राडने में भी कठिनाई होती है।

पौधे जीवांश से ही पोषक तत्व लेते है तथा इससे फसलों के उत्पादन में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा फसल अवशेष जलाए जाने पर पूर्णतः रोक लगाते हुए इस दंडनीय अपराध की श्रेणी में रखा है। यदि किसी व्यक्ति द्वारा फसल अवशेष-पराली जलाने की घटना घटित की जाती है तो राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण अधिनियम की धारा-24 एवं 26 के अंतर्गत उसके विरुद्ध पर्यावरण क्षतिपूर्ति हेतु जुर्माने की कार्रवाई की जाएगी।

जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाते एसडीएम राजकुमार पांडेय। अमृत विचार

फॉर्मर रजिस्ट्री अवश्य कराएं किसान

कानपुर देहात। उप कृषि निदेशक हरिशंकर भार्गव ने कहा कि फॉर्मर रजिस्ट्री अनिवार्य है। यह नहीं कराया तो सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल सकेगा। जिन किसानों ने अभी तक फार्मर रजिस्ट्री नहीं कराई है, वह अविलंब जन सुविधा केंद्र पर जा कर अपनी फार्मर रजिस्ट्री करा लें नही तो किसान सम्मान निधि के साथ . साथ उर्वरक बीज कृषि रक्षा रसायन तथा कृषि यंन्त्र पर अनुदान के साथ-साथ केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा किसानो के हित में चलाई जा रही किसी भी योजना का लाभ नही मिल पाएगा। ऐसे किसान, जिनके नाम आधार और खतौनी में मिस मैच है वह या तो खतौनी के अनुसार आधार में नाम संशोधित करा लें अथवा आधार के अनुसार खतौनी में नाम संशोधन करा सकते हैं। खतौनी में नाम संशोधन के लिए संबन्धित तहसील मे नाम सुधार के लिए प्रार्थना पत्र दे सकते है।

हाईस्कूल की छात्रा ने घर में फंदा लगाया, थमीं सांसें

संवाददाता, रनियां

अमृत विचार: गजनेर थाना क्षेत्र के जसौरा गांव में गुरुवार की सुबह हाईस्कूल की छात्रा ने घर में दुपट्टे से फंदा लगाकर जान दे दी। छात्रा घर में अकेली थी। उसके मां-बाप खेत गए थे। छोटे भाई-बहन घर के बाहर खेल रहे थे।

जसौरा निवासी मदन कुमार की पुत्री प्रिया उर्फ राशिका (15) गुजराईं के कालेज में हाईस्कूल की छात्रा थी। गुरुवार को मदन पत्नी आशा के साथ खेत गए थे। घर में बड़ी बेटी प्रिया, छोटी बेटी गोल्डी, बेटा आदर्श थे। गोल्डी और आदर्श खेलने बाहर चले गए। इस बीच घर में अकेली प्रिया ने दुपट्टे से फंदा लगा कर आत्महत्या कर ली। कुछ देर बाद जब दोनों बच्चे घर पहुंचे तो बहन को फंदे पर लटका देख रोने लगे। आदर्श रोते बिलखते हुए खेत पहुंचा और माता-पिता को जानकारी दी। इंस्पेक्टर जेपी सिंह, बिरसिंहपुर चौकी इंचार्ज उदयवीर सिंह ने छानबीन की। फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए। इंस्पेक्टर ने कहा कि आत्महत्या की वजह साफ नहीं है।

मलिकपुर में मिला शव, शिनाख्त नहीं

संवाददाता, शिवली

अमृत विचार: मलिकपुर में युवक का शव संदिग्ध हालात में पड़ा मिला। इससे इलाके में सनसनी फैल गई। बड़ी संख्या में लोग जुट गए। उसकी शिनाख्त नही हो सकी है।

शिवली थाना क्षेत्र के मलिकपुर निवासी अंकुश दीक्षित ने पुलिस को सूचना देते हुए बताया कि वह खेत देखने जा रहे थे। एक प्लाटिंग एरिया के पीछे खेत जाने वाले रास्ते पर करीब 27 वर्षीय युवक का शव पड़ा दिखा। युवक नीला लोवर, नीली जैकेट, चेकदार शर्ट पहने था। शव पड़ा होने की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन की। पुलिस ने शव की पहचान कराने के प्रयास किए, लेकिन पहचान नहीं हो सकी। थाना प्रभारी प्रवीण यादव ने बताया कि युवक की शिनाख्त कराने के प्रयास किए जा रहे हैं।

मलिकपुर में शव मिलने पर जांच-पड़ताल करती शिवली पुलिस। अमृत विचार

भीड़ व यातायात प्रबंधन पर संजीदगी से ध्यान दें

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

- जनपद स्तरीय अफसरों के साथ बैठक में डीएम ने दिए निर्देश

अमृत विचार: डीएम कपिल सिंह ने कहा कि घाटों, धार्मिक स्थलों व मेलों में स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था, फ्लोटिंग बैरियर, सीसीटीवी कैमरे, मोबाइल टॉयलेट, खोया-पाया केंद्र एवं स्वास्थ्य उपकेंद्र जैसी सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने पुलिस को भीड़ प्रबंधन, यातायात नियंत्रण एवं सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद बनाए रखने के निर्देश दिए।

कलेक्ट्रेट सभार में बैठक के दौरान डीएम ने कहा कि किसी भी स्थान पर अधिक भीड़ एकत्र न होने पाए, इसके लिए स्थलवार निरीक्षण किया जाए। महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा के दृष्टिगत सादे वस्त्रों में महिला पुलिसकर्मियों व एंटी रोमियो स्क्वॉड की ड्यूटी लगाई जाए। विद्युत विभाग को निर्बाध आपूर्ति, जर्जर तारों की मरम्मत करने के निर्देश दिए। यातायात विभाग को वाहनों की पार्किंग, डायवर्जन प्वाइंट और होल्डिंग एरिया चिन्हित कर सुचारु यातायात व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए गए। चिकित्सा एवं अग्निशमन विभाग को 24 घंटे अलर्ट पर रहते हुए सभी आवश्यक संसाधन तैयार रखने को कहा। पशुपालन विभाग को निर्देशित किया कि निराश्रित गो-आश्रय स्थलों का निरीक्षण कर चारा, पानी एवं चिकित्सा सुविधा सुनिश्चित की जाए तथा मृत गोवंश का तत्काल निस्तारण कराया जाए। उन्होंने कहा कि आशा, आंगनबाड़ी व रसोइया कर्मियों को मानदेय का समय से भुगतान हो।

कृषि विभाग को निर्देश दिए कि धान क्रय केंद्रों पर किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, बिचौलियों का दखल स्वीकार्य नहीं होगी। खाद एवं बीज की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। वर्षा से प्रभावित फसलों का सर्वेक्षण कर नियमानुसार मुआवजा भुगतान सुनिश्चित किया जाए। खनन विभाग को अवैध खनन रोकने हेतु विशेष टीम गठित कर औचक निरीक्षण करने और दोषी पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि विकसित उत्तर प्रदेश-2047 अभियान के तहत प्राप्त जनसुझावों को विकास योजनाओं में शामिल कर जनभागीदारी को सशक्त बनाया जाए।

तैयारी पर चर्चा | मतदेय स्थलों को लेकर राजनीतिक दलों के साथ हुई बैठक, आपत्तियों के साथ मांगे जाएंगे सुझाव

1200 से अधिक वोटर वाले बूथों पर होगा पुनर्विचार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

मतदेय स्थलों को लेकर कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक करते जिलाधिकारी कपिल सिंह। अमृत विचार

ऐसे मतदेय स्थल, जहां 12 सौ से अधिक मतदाता हैं, उनके संभाजन पर पुनर्विचार होगा। गुरूवार को कलेक्ट्रेट के मां मुक्तेश्वरी देवी सभागार में हुई बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी व जिलाधिकारी कपिल सिंह ने यह बात कही। बैठक के दौरान निर्वाचन कार्यालय के अधिकारियों ने मतदेय स्थलों के संभाजन संबंधी गतिविधियों की निर्धारित तिथियों की जानकारी दी।

बताया गया कि अनुसार मतदेय स्थलों का भौतिक सत्यापन, पुनर्निधारण एवं नए मतदेय स्थल स्थापित करने हेतु भवनों का चिन्हांकन 29 अक्टूबर से 4 नवंबर तक किया जाएगा। मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर मतदेय स्थलों के प्रस्ताव तैयार कराने का काम 6 से 7 नवंबर तक किया जाएगा। इसके बाद आपत्तियों एवं सुझावों हेतु मतदेय स्थलों की आलेख्य सूची का प्रकाशन 10 नवंबर को किया जाएगा तथा यह सूची उसी दिन राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को भी उपलब्ध कराई जाएगी।

संसद सदस्यों, विधानसभा सदस्यों तथा मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ बैठकों के आयोजन के पश्चात शिकायतों एवं सुझावों के निस्तारण के बाद सूची को 18 नवंबर तक अंतिम रूप दिया जाएगा। इसके बाद जिला निर्वाचन अधिकारी की ओर से मतदेय स्थलों के प्रस्ताव मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय को अनुमोदन के लिए 19 से 21 नवंबर के मध्य भेजे जाएंगे और मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय की ओर से सम्भाजन संबंधी प्रस्ताव आयोग को 24 नवंबर को अनुमोदनार्थ प्रेषित किया जाएगा। बैठक में बताया गया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदेय स्थलों का संभाजन अधिकतम 1200 मतदाताओं के आधार पर किया जाना है।

27 अक्टूबर 2025 की स्थिति के अनुसार जनपद में 1200 से अधिक मतदाताओं वाले मतदेय स्थलों की जानकारी दी गई। बताया गया कि विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रवार मतदेय स्थलों को रनिंग सीरियल नंबर दिए जाएंगे और नई सूची में कोई सहायक मतदेय स्थल नहीं रखा जाएगा। विशेष परिस्थितियों में यदि किसी मतदेय स्थल पर 300 से कम मतदाता हैं तो उसे बनाए रखने के संबंध में प्रस्ताव में कारणों का उल्लेख किया जाएगा।

आठ दर्जन बूथ बढ़ाने का प्रस्ताव

- जिले के अलग-अलग विधान सभा क्षेत्रों में अभी 1577 मतदेय स्थल हैं। वोटरों की संख्या के लिहाज से आगे 96 नए मतदेय स्थल बनाने का प्रस्ताव है। अभी रसूलाबाद विधान सभा में 385, अकबरपुर-रनियां में 384, सिकंदरा में 405 तथा भोगनीपुर विधान सभा क्षेत्र में 403मतदेय स्थल हैं। डीईओ ने कहा कि मतदेय स्थलों का संभाजन मतदेय स्थल भवनों के भौतिक सत्यापन के उपरांत ही किया जाएगा। भवन के सत्यापन के साथ यह भी देखा जाएगा कि उस मतदेय स्थल की निर्वाचक नामावली में अंकित मतदाता वास्तव में उसी क्षेत्र में निवास करते हों।

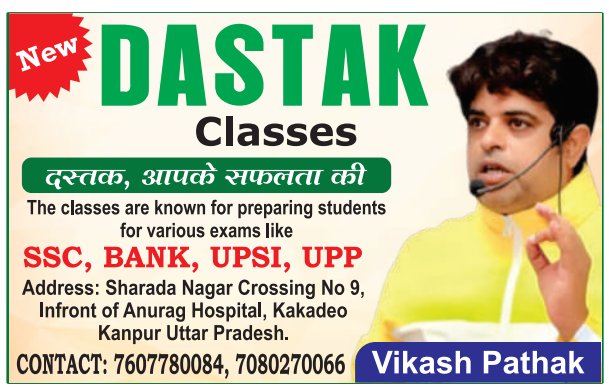

अमृत विचार

कानपुर, शुक्रवार 7 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

दुर्घटना में अज्ञात व्यक्ति की गई जान

कन्नौज। कांशीराम कॉलोनी के निकट देर रात अज्ञात वाहन ने अज्ञात व्यक्ति को कुचल दिया। शव क्षत विक्षत हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को इकट्ठा कर शिनाख्त कराने की कोशिश की लेकिन सफलता नहीं मिली। इस पर शव को जिला अस्पताल भेज दिया। नगर के कांशीराम कॉलोनी के पास जीटी रोड पर देर रात 12 बजे के करीब अज्ञात वाहन ने एक युवक को कुचल दिया। हादसा इतना भीषण था कि युवक का शव क्षत विक्षत हो गया। घटना के बाद चालक वाहन समेत फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शिनाख्त की कोशिश की। मृतक के हाथ पर ए आर, नीतू, टी डी राम, हंसा गुदा हुआ है। पुलिस ने शव को जिला अस्पताल भेज दिया।

मजदूरी मांगने पर महिला से की अभद्रता

कन्नौज। मजदूरी के पैसे मांगने पर महिला के साथ गालीगलौज एवं मारपीट की गई। पीड़िता ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कराई है। थाना क्षेत्र के गांव मिसुरपुर निवासी रीता देवी पत्नी प्रेमचंद ने थाने पहुंचकर प्रार्थना पत्र दिया। इसमें बताया कि उसने गांव के नीरज पुत्र राम लखन के खेत में पाइप लाइन बिछाने का काम मजदूरी पर किया था। इसकी करीब 14000 रुपये मजदूरी बनती है जो वह काफी समय से नहीं दे रहा है। 3 नवंबर को जब पुन: रुपये मांगे तो उसके साथ गालीगलौज करते हुए मारने पीटने पर आमादा हो गया। जब लोगों ने ललकारा तो वह जान से मारने की धमकी देकर भाग गया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करते हुए जांच प्रारंभ कर दी है।

रिया सिंह बनीं एक दिन की प्रधानाचार्य

कन्नौज। विश्वनाथ सिंह इण्टर कालेज खड़नी में एक दिन के लिए प्रधानाचार्य बनी रिया सिंह ने विद्यालय में चल रही अर्धवार्षिक परीक्षा की समीक्षा की। परीक्षा प्रभारी बाबूलाल पटेल से परीक्षा व्यवस्था और रखरखाव की जानकारी ली। अनुशासन समिति के अध्यक्ष वेदप्रकाश से विद्यालय में नियमानुसार कार्य संचालन के निर्देश दिए सभी शिक्षक और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के साथ बैठक कर विद्यालय में पठन पाठन एवं साफ सफाई की समुचित व्यवस्था बनाने पर जोर दिया।

खेत में मृत मिला राष्ट्रीय पक्षी

कन्नौज। शिवसिंहपुर गांव के कल्लन सिंह गुरुवार सुबह अपने खेतों पर गये थे। वहां पर उन्होंने राष्ट्रीय पक्षी मोर को में पड़ा देखा तो चौकी सहित थाना सौरिख प्रभारी जयंती प्रसाद और वन विभाग के अनुज बाजपेई को सूचना दी। अनुज वाजपेई ने बताया कि मोर का पोस्टमार्टम कर दफनाया गया। इस दौरान तमाम ग्रामीण मौजूद रहे।

जितेंद्र राजपूत को खड़नी चौकी का कार्यभार

कन्नौज। चेकिंग के दौरान युवक को बेरहमी से पीटने में चौकी प्रभारी अंकित यादव के निलंबन के बाद यह जिम्मेदारी जितेंद्र कुमार राजपूत को पुलिस अधीक्षक की ओर से सौंपी गई। उन्होंने गुरिवार को चार्ज भी ले लिया।

ट्रेलर व डंपर की आमने-सामने भिड़ंत में चालक केबिन में फंसा

पुलिस ने निकालकर पहुंचाया अस्पताल, कानपुर-सागर हाईवे पर लगा 10 किमी लंबा जाम

संवाददाता, घाटमपुर

दुर्घटनाग्रस्त खड़े डंपर और ट्राला के पास मौजूद लोग व पुलिसबल। अमृत विचार

अमृत विचार। घाटमपुर के पतारा में ट्रेलर और डंपर की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी, कि डंपर का चालक केबिन में ही फंसा रह गया। पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद चालक को बाहर निकालकर पतारा सीएचसी पहुंचाया। वहां पर मौजूद डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार करने के बाद चालक की गंभीर हालत को देखते हुए उसे कानपुर जिलास्पताल रेफर कर दिया। वहीं दुर्घटना के चलते हाईवे पर लगभग दस किलोमीटर लंबा जाम लग गया। पुलिस ने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वाहनों को किनारे कर हाईवे पर यातयात बहाल कराया।

घाटमपुर थाना क्षेत्र के शेखवाडा मोहल्ला निवासी 35 वर्षीय डंपर चालक जितेंद्र अपने साथी क्लीनर कूष्मांडा नगर निवासी 18 वर्षीय निखिल के साथ डंपर लेकर बुधवार देर रात लखनऊ से कबरई जा रहा था। घाटमपुर थाना क्षेत्र के पतारा कस्बा स्थित तिलसड़ा मोड़ के पास पहुंचते ही सामने से आ रहे ट्रेलर से उसकी आमने-सामने जबरदस्त भिड़ंत हो गई। हादसे में डंपर चालक जितेंद्र केबिन में ही फंसा रह गया। दुर्घटना होते ही मौके पर लोगें की भीड़ इकट्ठी हो गई। वहीं मामले की जानकारी मिलते ही पहुंची पतारा चौकी पुलिस ने चालक को कड़ी मशक्कत के बाद केबिन से बाहर निकालकर पतारा सीएचसी पहुंचाया। वहां पर मौजूद डॉक्टर ने उसका प्राथमिक उपचार किया। उसके बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे कानपुर जिलास्पताल रेफर कर दिया।

हादसे के बाद कानपुर सागर हाईवे पर लगभग दस किलोमीटर लंबा जाम लग गया। घाटमपुर इंस्पेक्टर धनंजय कुमार पाण्डेय ने बताया कि सूचना मिली थी, चालक को केबिन से निकालकर अस्पताल पहुंचाया है, तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

लगी वाहनों की कतारें : दुर्घटना के बाद कानपुर सागर हाईवे पर लगभग दस किलो मीटर लंबा जाम लग गया। पुलिस ने एनएचआई की क्रेन की मदद से हाईवे पर खड़े क्षतिग्रस्त वाहनों को किनारे करवाकर यातयात बहाल कराया। इस दौरान कानपुर की ओर धरमपुर बंबा तक और घाटमपुर की ओर टेनापुर मोड़ तक वाहनों की लंबी कतार लग गई।

बोलेरो की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

घाटमपुर। घाटमपुर के सजेती थाना क्षेत्र के अंतर्गत कोहरा गांव निवासी मोहित सिंह अपने साथी सत्यम के साथ नयवेली पावर प्लांट में ड्यूटी करने जा रहा था। तभी चितौली गांव के पास एक अज्ञात बोलेरो ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मोहित की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं उसका साथी सत्यम गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल साथी को सीएचसी भेजा, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे कानपुर रेफर कर दिया गया। वहीं मोहित के शव का पंचनामा भर कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि तहरीर मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं पुलिस अज्ञात बोलेरो की तलाश में जुटी हुई है।

मकनपुर में 609वें उर्स में आयेंगे लाखों जायरीन

बिल्हौर। बिल्हौर तहसील के ऐतिहासिक मकनपुर दरगाह में हज़रत बदीउद्दीन ज़िंदा शाह मदार रहमतुल्लाह अलैह का 609वां सालाना उर्स कल से शुरू हो रहा है। प्रशासन ने इस बड़े धार्मिक आयोजन के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। उर्स का मुख्य आयोजन 7, 8 और 9 नवंबर को किया जाएगा, जिसमें देश-विदेश से लाखों जायरीन (श्रद्धालु) जुटेंगे।

गुरुवार को बिल्हौर के तहसीलदार अनुभव चंद्र मकनपुर पहुंचे और उर्स की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने इंतमाजिया कमेटी के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। वहीं लाखों जायरीनों की भीड़ को देखते हुए, पुलिस और प्रशासन ने सुरक्षा के चाक-चौबंद इंतजाम किए हैं। जायरीनों के लिए पेयजल, साफ-सफाई, चिकित्सा सुविधा और अस्थाई शौचालयों जैसी बुनियादी सुविधाएं मिल सकें इसके लिये प्रशासन ने पूरी तैयारी कर रखी है।

वहीं अरौल थाना प्रभारी जनार्दन सिंह यादव ने बताया कि उच्च अधिकारियों की ओर से उर्स कमेटी के सुरक्षा व्यवस्था के तौर पर लगभग 300 पुलिसकर्मी मिले हुए हैं जिसमें ढाई सौ पुलिस आरक्षी के रूप में तथा तीन पुलिस इंस्पेक्टर इसके अतिरिक्त शेष उप निरीक्षक पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे।

उर्स का महत्व: मकनपुर स्थित दरगाह हज़रत बदीउद्दीन ज़िंदा शाह मदार रहमतुल्लाह अलैह की है। यह उर्स हर साल बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है और यह धार्मिक एवं सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है।

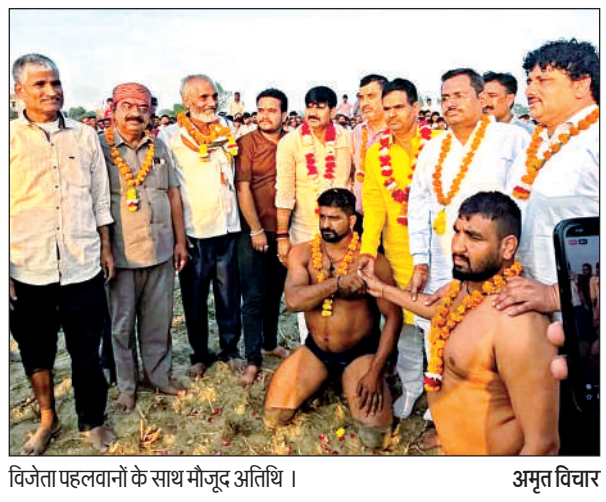

विजेता पहलवानों के साथ मौजूद अतिथि। अमृत विचार

कानपुर के सोनू ने जीती सबसे बड़ी कुश्ती

संवाददाता, चौबेपुर

- रौतापुर कलां गांव में हुए दंगल में पहलवानों ने दिखया दांव-पेच

अमृत विचार। क्षेत्र के रौतापुर गांव में विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर विशाल दंगल का आयोजन किया गया। इस दौरान विभिन्न प्रांतों व जनपदों से आए पहलवानों ने अपनी कला का शानदार प्रदर्शन कर किया। सबसे महंगी कुश्ती 11000 रुपये के लिए हुई। इसमें कानपुर के सोनू पहलवान ने अपने प्रतिद्वंद्वी को शिकस्त देकर नंबर एक का खिताब हासिल किया।

क्षेत्र के रौतापुर गांव में आयोजित प्राचीन व विशाल दंगल में दिल्ली, आगरा,, उन्नाव, हरिद्वार ,कानपुर नगर व देहात के पहलवानों ने प्रतिभाग किया। दंगल का उद्घाटन मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राइस मिलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष विनय शुक्ला व ब्लॉक प्रमुख चौबेपुर राजेश शुक्ला ने संयुक्त रूप से फीता काट कर किया। तत्पश्चात शुरू हुई प्रतियोगिताओं में इटावा के विकास और नवनीत कुमार हरियाणा के बीच हुई कुश्ती में विकास ने जीत हासिल की। सर्वाधिक 11000 रुपये की कुश्ती में नसनिया ,कानपुर के सोनू पहलवान ने हरियाणा के शेरू पहलवान को शिकस्त देकर नम्बर एक का खिताब हासिल किया।

दंगल के आयोजक घनश्याम मिश्रा ने बताया कि विभिन्न प्रतियोगिताओं मंक अव्वल रहे पहलवानों को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर अमिताभ त्रिपाठी, तनू पांडे, सौरभ शुक्ला, श्रीकृष्ण मिश्रा, आदर्श, निष्कर्ष व ऋषभ मिश्रा आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

विजेता बच्चों के साथ मौजूद शिक्षक और अतिथि। अमृत विचार

अनुशासन ,सहयोग और एकजुटता की भावना सिखाते हैं खेल : बीईओ

संवाददाता, बिल्हौर

अमृत विचार। बिल्हौर में बीआरडी इंटर कॉलेज के ग्राउंड पर बेसिक शिक्षा विभाग के तत्वावधान में ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताओं का भव्य आयोजन किया गया। इस दौरान प्रतियोगिता में बच्चों ने अपनी खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ एसडीएम डॉ. संजीव दीक्षित, बीईओ रवि कुमार सिंह ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। साथ शांति के प्रतीक सफेद कबूतर भी उड़ाये। प्रतियोगिता में विभिन्न संकुलों की टीमें शामिल हुईं। इसमें प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों के बालक एवं बालिका वर्ग की कई स्पर्धाएं आयोजित की गईं। प्रतियोगिता में 50, 100, 200 मीटर दौड़, कबड्डी, खो-खो, ऊँची व लंबी कूद, गोला व चक्का फेंक, बैडमिंटन, और रिले दौड़ जैसी कई स्पर्धाएं कराई गईं। बालक वर्ग की प्रतियोगिताओं का संचालन आशुतोष मिश्रा व मोहित यादव ने अपनी संकुल टीमों के सहयोग से किया। वहीं बालिका वर्ग की सभी प्रतियोगिताओं का सफल संचालन अवधेश सिंह, सरिता यादव, निधि कटियार और शबनम ने अपने दल के साथ मिलकर किया।

खेलों के साथ-साथ विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम और योगाभ्यास भी प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। वहीं खेल प्रतियोगिता में प्रगति, नैना, साक्षी, नंदिनी, सलोनी, पारस, रविउल, आयुष, कृष्णा और अक्षत तिवारी ने प्रथम स्थान एवं नंदिनी, मानसी, प्रगति, रोजी, काजल, मीशम, आफाक, ऋतिक, गणेश और समीर ने द्वितीय स्थान और रोजी, सरस्वती, हारून, ऋतिक और समीर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

वहीं बीईओ रवि कुमार सिंह ने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में खेल भावना, अनुशासन और सहयोग की भावना को प्रोत्साहित करना है। इस अवसर पर क्षेत्र के सभी विद्यालयों से बड़ी संख्या में शिक्षक और शिक्षिकाएं मुक्ति त्रिवेदी, नीलम कन्नौजिया, रेखा भांतू, ऊषा आरती सिंह, आदित्य, राधामोहन, ताहिर अंसारी, कविता सिंह, रोली, रागिनी, सदफ जहरा, प्रशांत मिश्रा आदि रहे।

घाटमपुर में मानकों के विपरीत दौड़ रहे ऑटो व ई-रिक्शा

घाटमपुर। घाटमपुर में हो रही दुर्घटनाओं को रोकने के लिए प्रशासन ने पिछले कुछ दिनों से कमर कस रखी है। यातायात पुलिस वाहनों की चेकिंग कर व हेलमेट की उपयोगिता, वाहनों की ओवरस्पीड के विषय में बताकर सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए अनेक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर रही है। वहीं इसके विपरीत नगर में कानपुर सागर हाईवे में जगह-जगह ऑटो व ई रिक्शा चालकों की मनमानी की वजह से आये दिन बस स्टॉप, मुख्य चौराहा, हमीरपुर रोड में जाम लगता रहता है, जिससे पैदल चलने वालों को परेशानी होने के साथ साथ यातायात भी प्रभावित होता है। इसके साथ ही ऑटो चालक बिना पंजीकरण व बिना रूट निर्धारण के लम्बी दूरी की यात्रा तय कर मानक से अधिक सवारियां बैठाकर सड़क हादसों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। लम्बी दूरी तय करने वाले ऑटो, ई रिक्शा चालकों के विरुद्ध कार्यवाही करने की आवश्यकता है। ताकि दुर्घटनाओं पर लगाम लगाई जा सके। नगर में अधिकांश ऑटो व ई रिक्शा नाबालिगों द्वारा ही संचालित किये जा रहे हैं।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

किसी भी व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में शामिल होने से न छूटे

संवाददाता, घाटमपुर

अमृत विचार। नगर मंडल में भारतीय जनता पार्टी ने पंचायत चुनाव को लेकर तैयारियां शुरू कर दी हैं। नगर में एक निजी गेस्ट हाउस में भाजपा कानपुर ग्रामीण के जिलाध्यक्ष उपेंद्र पासवान के नेतृत्व में मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यशाला संपन्न हुई। जिसमें सभी मतदाताओं को जोड़ने की अपील की गई है। इस दौरान , जिला प्रभारी राधेश्याम पांडेय, विधायक सरोज कुरील, महामंत्री वेदव्रत सचान मौजूद रहे। कार्यशाला में आये सभी अतिथियों का भाजपा किसान मोर्चा के संदीप बाजपेई की अध्यक्षता में सभी कार्यकर्ताओं ने माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष उपेंद्र पासवान ने कहा कि किसी भी व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में सम्मिलित होने से न छूटे। उन्होंने मतदाता पुनरीक्षण अभियान में पदाधिकारियों से मतदाता सूची अभियान में पूरी गंभीरता से जुड़ने की अपील की है। इस दौरान विधानसभा संयोजक संदीप बाजपेई, महामंत्री वेदव्रत सचान, रोहित सोनी, श्री पंडित, अवनीश साहू, वीरेंद्र वर्मा, रिंकू शर्मा, उमेश द्विवेदी, शोभित सेंगर ,राम जी चौहान, संदीप तिवारी, अखिलेश शुक्ला, बबलू पासवान, राहुल शुक्ला, रंजन, ओम जी तिवारी, अमित सोनी, जीतू अवस्थी,अनूप अवस्थी, रणवीर सचान, ज्ञानू तिवारी, शिवा सिंह,दिव्यांशु तिवारी रहे।

बिल्हौर के चारों ब्लॉकों में 55,856 नए मतदाता बने

बिल्हौर। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की तैयारी को देखते हुए अब बिल्हौर तहसील क्षेत्र के चारों ब्लॉकों में 55,856 नए मतदाता मिले है। इस बार 2026 में होने वाले पंचायत चुनाव में नए मतदाता निर्णायक साबित होंगे।

शिवराजपुर, चौबेपुर,ककवन और बिल्हौर ब्लॉक में कुल 55,856 मतदाता अभी तक नई सूची में जोड़े गए हैं। हालांकि बड़ी मात्रा में मतदाता सूची पुनरीक्षण के दौरान मतदाताओं के नाम काटे भी गए हैं,

4 ब्लॉक के नये मतदाता

ककवन	7,099
शिवराजपुर	13,361
चौबेपुर	13,365
बिल्हौर	22,031

जो मृतक है या फिर दूसरी जगह के निवासी हो गए हैं। चारों ब्लॉकों में ऐसी प्रविष्टि वाले मतदाताओं की संख्या लगभग 30,771 है। जबकि 6,027 मतदाताओं के नाम में (करेक्शन) सुधार संशोधन किए गए हैं।

बंदरों को पकड़ने का अभियान शुरू हुआ

घाटमपुर। नगर में बंदरों के आतंक से त्रस्त हो चुके लोगों को अब राहत मिलने वाली है। इसके लिए नगर पालिका ने टेंडर के माध्यम से कंपनी को नियुक्त करके बंदरों को पकड़ने का काम सौंपा है। नगर में जगह-जगह बंदरों के झुंड बैठे रहते हैं इसके चलते राहगीरों को और विद्यालय आने-जाने में छोटे छोटे बच्चों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वहीं पालिका अधिशाषी अधिकारी डॉ. महेंद्र कुमार ने बताया कि लोगों को बंदरों के भय से छुटकारा दिलाने के लिये बंदरों को पकड़ने के लिये एक कंपनी को नियुक्त किया है।

देवभूमि रजत उत्सव | मिश्री मठ में मनाया गया तंत्र क्रिया, योग साधक महासम्मेलन

गुरु वही जो शिष्यों का मागदर्शन करे : करौली शंकर

संवाददाता, हरिद्वार

करौली शंकर महादेव का सम्मान करते महामंडलेश्वर व संत। अमृत विचार

अमृत विचार। हरिद्वार के रायवाला स्थित मिश्री मठ में चल रहे पंच दिवसीय पूर्णिमा एवं देवभूमि रजत उत्सव में कई अखाड़ों के संत और महामंडलेश्वर ने हिस्सा लिया व साधकों को आशीर्वाद दिया। संतों ने साधकों को भक्तिमार्ग व सन्मार्ग पर चलने की सीख दी।

करौली शंकर महादेव ने कहा कि एक अच्छा गुरु अपने शिष्य के सभी कष्ट हर कर उनको सद्गति तक ले जाता है। गुरु वही जो शिष्यों का मागदर्शन करें। जब शिष्य में गुरु दिखने लगे तभी गुरु, गुरु कहलाता है। संत देश की शान हैं।

अखिल भारतीय हिंदू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चक्रपाणि जी महाराज ने कहा कि ये एक आध्यात्मिक कुंभ है। हमारा हर संत देश के लिए मरने के लिए मारने के लिए तैयार रहता है। मिश्री मठ के

- कई अखाड़ों,संप्रदायों के संत महामंडलेश्वर हुए शामिल

बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा कि मिश्री का अर्थ होता है मीठा और मीठे की आध्यात्मिक क्रांति जो पूर्ण गुरु करौली शंकर महादेव लेकर के आये हैं वो सराहनीय है। अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष रवींद्र पुरी जी महाराज ने कहा कि कहा कि मंत्रों में जो शक्ति है उसका जो अनुभव है वह वाणी के द्वारा नहीं कहा जा सकता, लेकिन कलयुग में इसे वाणी द्वारा किया जा सकता है। सतगुरु के द्वारा दिया हुआ कोई भी शब्द वह मंत्र का ही काम करता है। गुरु का हर वाक्य ही मंत्र है। करौली शंकर महादेव ने कहा कि इस समय पूरे देश में एक बाढ़ सी आई है टोना-टोटका, झाड़-फूंक की , इन ढोंग ढकोसलों पर रोक लगनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि भोलेनाथ की जहां शक्ति होगी वहां कामवासना का कोई काम नहीं होता। यहां जितने भी साधक बैठे हुए हैं वो न भूत में ट्रैवल करते हैं न भविष्य में ट्रैवल करते हैं ये सिर्फ वर्तमान में रहते हैं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से महामंडलेश्वर हरि चेतनानंद जी महाराज,कोठारी महंत राघवेंद्र दास जी महाराज, महंत गोविंद दास जी महाराज,महंत जसविंदर सिंह शास्त्री जी महाराज, महेंद्र धूनी दास जी महाराज, पूज्य स्वामी देवानंद सरस्वती जी महाराज, हनुमान दास जी महाराज, महंत दुर्गादास जी महाराज, महंत मंगल मुनि जी महाराज जी के साथ बड़ा अखाड़ा ,नया अखाड़ा, निर्मल अखाड़ा, उदासीन अखाड़ा, वैष्णो अखाड़ा , उदासीन पंचायती अखाड़ा के संत उपस्थिति रहे।

फर्जी मुहर और हस्ताक्षर से बनाए जा रहे जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अमृत विचार। सुमेरपुर ब्लाक के सुरौली बुजुर्ग में पंचायत के कर्मचारी अधिकारियों के मुहर व हस्ताक्षर फर्जी तरीके से बनाकर प्रमाण पत्र जारी कर ग्रामीणों की आंखों में धूल झोंक रुपये ऐंठ रहे हैं। इस धांधली का खुलासा ग्राम प्रधान ने किया है। उन्होंने जिलाधिकारी सहित सीएमओ को शिकायती पत्र देकर आरोपी कर्मचारियों पर कार्रवाई की बात कही है।

ग्राम पंचायत सुरौली बुजुर्ग प्रधान रामप्यारी ने अधिकारियों को दिए ज्ञापन में कहा है कि उनकी ग्राम पंचायत में कर्मचारी मनमानी तरीके से फर्जी जन्म प्रमाण पत्र जारी कर रहे हैं। यह खेल लंबे समय से चल रहा है। उन्होंने कहा ग्राम पंचायत सचिवालय में एक बार अभिलेख देखे तब इस गोरखधंधे की जानकारी हो सकी। बताया कि ग्राम पंचायत

ग्राम समाज की जमीन पर निर्माण में रिपोर्ट दर्ज

- **बिवांर।** कुनहेटा गांव में गाटा संख्या 1033 रकबा 0.406 नवीन परती के रूप में दर्ज है, जिसमें गांव का गणेशा डेढ़ सौ वर्ग फुट क्षेत्रफल में निर्माण कराने के लिए ईंट डालकर और दरवाजा लगाकर कब्जा कर लिया। लेखपाल के मना करने पर गणेशा व उसके पुत्र संदीप व नंदराम और पत्नी ममता ने अभद्रता करते हुए बहस की। लेखपाल धीरेंद्र सिंह ने सभी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। थानाध्यक्ष नंदराम प्रजापति ने बताया कि लेखपाल की तहरीर पर पिता दोनों पुत्र, उसकी पत्नी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

- सुमेरपुर ब्लाक के सुरौली बुजुर्ग पंचायत का मामला

के मजरा चुनकी डेरा निवासी मोहन लाल की पुत्री अक्शी एवं दिव्यांशी, शकुंतला पत्नी रामचंद्र के पुत्र मंगली एवं नवल, गोल्डी पत्नी लल्लू की पुत्री आकांक्षा, आशा पत्नी फुलवा की पुत्री काजल, करही डेरा निवासी जयकरन के पुत्र खुशीराम व सुरौली बुजुर्ग निवासी नाथूराम पुत्र कल्लू के मृत्यु जन्म प्रमाण-पत्र सहित उपरोक्त लोगों के बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र जारी किए गए हैं। इनके अलावा अन्य जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किए गए है। उपरोक्त जन्म प्रमाण-पत्र आवेदन पत्रों की जानकारी से पता चला कि प्रभारी अधिकारी (मृत्यु-जन्म) कार्यालय मुख्य चिकित्साधिकारी, एसडीएम सदर, एडीओ (पंचायत) तथा ग्राम पंचायत सचिव सुरेंद्र पटेल आदि के हस्ताक्षर व मुहर फर्जी प्रतीत होते हैं। ग्राम प्रधान ने आवेदन-पत्रों से संबंधित अधिकारियों के हस्ताक्षर व मुहर की किसी सक्षम अधिकारी से जांच कराकर दोषी कर्मी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

अमृत विचार

कानपुर महानगर

www.amritvichar.com

कानपुर, शुक्रवार 7 नवंबर 2025

सुविचार

गलत को गलत कहना हमें आसान नहीं लगता, सही इतना कमज़ोर होता है इतना अकेला कि, उसके ख़िलाफ़ ही जंग का ऐलान आसान लगता है।

-रश्मि प्रभा

कानपुर के प्रमुख समाचार

- नसों का वॉल्व दुरुस्त करने में लेजर विधि कारगर II
- किसान मेले में दो दिन में बिके 30 लाख के बीज III
- उत्पादन में रफ्तार भारी, लाभ कमाएंगी महिला कर्मचारी IV

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.

•ICU •NICU DIALYSIS
• MODULAR OT

दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में

सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य

117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

बर्रा में हिस्ट्रीशीटर के साथी ने की हैवानियत, वीडियो वायरल, पुलिस कर रही तलाश

युवक का गला कसा, सीने पर पैर रखकर दबाया, आठ घंटे तक पीटा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। बर्रा में हिस्ट्रीशीटर के साथी ने युवक को बंधक बनाकर बेरहमी से पीटा। आठ घंटे तक युवक को कमरे में बंदकर यातनाएं दीं। सीने पर पैर रखकर गला दबाकर हत्या की कोशिश की। मारपीट के सात वीडियो गुरुवार को सोशल मीडिया वायरल हुआ तो पुलिस सक्रिय हुई। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है।

गुरुवार को सोशल मीडिया पर युवक से मारपीट के सात वीडियो वायरल हुए। जिसका पुलिस ने संज्ञान लिया। वीडियो में हिस्ट्रीशीटर अमन वर्मा का साथी एक युवक को कमरे में बंधक बनाकर पीटते नजर आ रहे हैं। आरोपी का साथी युवक की पिटाई का वीडियो बना रहा है। हिस्ट्रीशीटर का साथी पीड़ित युवक से कहता है कि धीरे आवाज में बात कर, इसके बाद कई थप्पड़ जड़े। पीछे से वीडियो बनाने वाले की आवाज आती है कि पांडेय हट जा। वीडियो बनाने वाला युवक उससे पूछ रहा कि अजय मिश्र बोल रहे हो। अजय मिश्र तुमसे बड़ा है कि छोटा। पीड़ित युवक कहता है कि भैया हैं हमारे। फिर वीडियो बनाने वाला युवक कहता है कि अपना नाम लेने की औकात नहीं है क्या तुम्हारी। पीड़ित कहता है कि अगर यह कह

युवक का गला कसता दबंग।

पैर रखकर दबाया।

- **वायरल वीडियो का पुलिस ने लिया संज्ञान, आरोपियों की तलाश में जुटी**

दो कि हमने अमन हिस्ट्रीशीटर के लिए कुछ शब्द कहा है, तो हम गलत हैं। फिर हमें जान से मार देना।

वहीं दूसरे वीडियो में हिस्ट्रीशीटर का साथी युवक के कपड़े उतार कर उसको पीटता है और उसका गला दबाकर सिर दीवार में भिड़ाता है। बाद में युवक को कुर्सी पर बैठाकर उसकी ही बनियान से उसका गला घोंटता है। समीप ही शराब से भरा गिलास रखा है। पीड़ित युवक रो रहा है। पीटने वाला दबंग युवक को बिस्तर पर गिराकर उसके सीने पर पैर रखकर गला दबाता है। पिटाई के दौरान पीड़ित युवक को उल्टियां होती हैं, वह बेसुध हो जाता है। होश में आने पर उससे कमरा साफ कराया जा रहा है। इस पूरे घटना का वीडियो वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि पीड़ित युवक कुछ समय पहले तक जरौली फेस-वन निवासी हिस्ट्रीशीटर अमन वर्मा के साथ रहता था। उसका हिस्ट्रीशीटर से विवाद होने पर कमरे में बंधक बनाकर उसकी पूरी रात पिटाई की गई। मारपीट का पूरा वीडियो हिस्ट्रीशीटर ने ही बनाया है। ऐसी चर्चा है। वीडियो वायरल होने के बाद लोगों का कहना है कि आवाज उसी की है। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो पुलिस ने संज्ञान लिया और जांच में जुट गई है। बर्रा थाना प्रभारी रविंद्र कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि वायरल वीडियो मिले हैं, आरोपियों और पीड़ित की तलाश में टीम लगी है। कार्रवाई होगी।

दबंगों ने बारहवीं के छात्र को घेरकर पीटा

- कानपुर। बर्रा में बारहवीं के छात्र से दबंगों ने गाली-गलौज कर मारपीट की। छात्र ने जान बचाने के लिए अलमारी कारखाने में छिपा। कारखाना मालिक की मदद से छात्र ने परिजनों और पुलिस को सूचना दी। पीड़ित छात्र खाड़ेपुर निवासी प्रियांशु पाल ने बताया कि बुधवार शाम को वह दोस्त राजपाल के साथ काठ का पुल के पास गया था। वहां पहले से मौजूद करीब दो दर्जन युवकों ने उसे घेर लिया और गाली-गलौज की। विरोध पर दबंग उसे खींचकर कमरे में ले जाने लगे। इस पर धक्का देकर भागा और समीप ही अलमारी कारखाने में जा छिपा। आरोपियों ने पिटाई के दौरान उसका वीडियो भी बनाया है। सूचना पर पहुंचे परिजन छात्र को हनुमंत विहार थाने ले गए। थानाध्यक्ष राजीव सिंह ने छात्र का मेडिकल कराया। इसके बाद मामला बर्रा थानाक्षेत्र का होने के कारण सूचना दी। बर्रा थाना प्रभारी रविंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

मौके पर अधिकारियों के साथ जांच करने पहुंचीं महापौर प्रमिला पांडेय। अमृत विचार

सिर्फ एक इंच मोटा पैचवर्क किया भड़कीं महापौर ने चलाई हथौड़ी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- संगीत टॉकीज से चन्द्रिका देवी चौराहे के बीच हुआ पैचवर्क एक दिन में उखड़ा
- पीडब्ल्यूडी के अधिकारी को फोन पर लगाई फटकार, बोलीं-हो रही सरकार की बदनामी

अमृत विचार। अभी मैं मुख्यमंत्री के पास जाकर बैठ जाऊंगी। तुम्हारा दिमाग खराब है। पूरी हमारी सरकार को बेचे दे रहे हो। बदनाम करे हो। तुरंत मौके पर आओ पूरी सड़क दो दिन में कैसे खराब हो गई। चप्पल से उखड़ी जा रही है। गुरुवार को फोन पर यह कहते हुए महापौर प्रमिला पांडेय पीडब्ल्यूडी के इंजीनियर पर भड़क उठीं। इस दौरान उन्होंने पैचवर्क के ऊपर हथोड़ी चलाई तो महज एक इंच ही बजरी और डामर का बेस मिला। महापौर ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अधिकारियों की शिकायत करूंगी।

संगीत टॉकीज से चन्द्रिका देवी चौराहे के बीच पीडब्ल्यूडी ने दो दिन पहले ही पैचवर्क किया था। महापौर ने बताया कि इधर से निकल रही थी तो क्षेत्रीय लोगों ने मेरी गाड़ी रोककर बताया कि मैडम यह सड़क परसो बनी और देखिए उखड़ रही। मौके पर उपस्थित अधिशाषी अभियन्ता आरके तिवारी ने महापौर को बताया कि सड़क लोक निर्माण विभाग की है। लोक निर्माण विभाग के अधिशाषी अभियन्ता से फोन पर बात की और कहा कि सरकार की बदनामी हो रही है एवं जनता को परेशानी हो रही है, जिससे दुर्घटना की भी आशंका है। सड़क का पैचवर्क उखड़कर बजरी फैल रही है। सड़क मानक के अनुरूप नहीं बनाया गया है। महापौर सख्त हुईं तो फोन पर ही अधिशाषी अभियंता ने कहा कि तत्काल ही सड़क ठीक करा रहे हैं।

> पीडब्ल्यूडी के नियम के तहत 6 इंच का पैचवर्क कराना होता है। लेकिन, जब वहां खोदा गया तो महज 1 इंच ही बजरी मिली। इसकी जांच होगी जो भी दोषी है कार्रवाई होगी।
>
> – प्रमिला पांडेय, महापौर, कानपुर नगर निगम

रामादेवी से नारामऊ तक हालत खराब

- महापौर प्रमिला पांडेय ने बताया कि नारामऊ से रामादेवी तक सड़क खराब है। पीडब्ल्यूडी ने घटिया पैचवर्क किया है। इसकी लिखित रूप से मुख्यमंत्री से शिकायत करूंगी। सड़क में किए पैचवर्क की क्वालिटी की जांच आईआई से कराउंगी। उन्होंने कहा कि घटिया काम चाहे नगर निगम करे या पीडब्ल्यूडी शहर में नाम महापौर और उनकी सरकार का बदनाम अधिकारी कर रहे हैं।

सिटी ब्रीफ

सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट की दी ट्रेनिंग

कानपुर। कानपुर नगर निगम द्वारा नागरिक नेतृत्व विकेन्द्रीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (सीएलडीएसडब्ल्यूएम) के अंतर्गत कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें मोहल्ला समिति, आईईसी टीम के सभी सदस्यों को नागरिकों को जानकारी देने के लिए ट्रेनिंग दी गई। टीम ने बताया कि नगर निगम का संकल्प है कि स्वच्छता शिक्षित सुरक्षित कानपुर बने। इसके लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। सालिड वेस्ट मैनेजमेंट की ट्रेनिंग समय समय पर दी जा रही है।

मेट्रो ने तोड़ी पाइप लाइन

कानपुर। बेगमपुरवा के पार्षद निशा अकील शानू ने महापौर प्रमिला पांडेय को ज्ञापन देकर बताया कि गंगा बैराज की पाइप लाइन को जूही नहरिया के पास मेट्रो ने काट दी है इससे अजीतगंज, बेगमपुरवा, मुंशीपुरवा, बगाही, बाबूपुरवा में पानी की सप्लाई प्रभावित है। मेट्रो का कार्य पूर्ण होने के बाद भी आज तक पाइप लाइन अभी तक जोड़ी नहीं गई है। इससे जनता परेशान है। अकील शानू ने पाइप लाइन जुड़वाने की मांग की।

एवरेस्ट बेस कैंप पर योग करते अंकित।

सोलो एवरेस्ट बेस कैंप पर योग किया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- शहर के युवा पर्वतारोही अंकित मिश्रा ने 5364 मीटर ऊंचाई पर की चढ़ाई

अमृत विचारर। शहर के युवा पर्वतारोही अंकित मिश्रा ने साहस, संकल्प और योग की ताकत से बड़ी उपलब्धि हासिल की। अंकित ने सोलो एवरेस्ट बेस कैंप की चढ़ाई मात्र 9 दिनों में पूरी कर नाम रोशन किया। वह बिना किसी गाइड और पोर्टर के बर्फ़बारी और तूफ़ान की चुनौतियों को मात देते हुए 5364 मीटर की ऊंचाई पर पहुंचे और योगासन किया। इसी के साथ ही उन्होंने उत्तर प्रदेश के लिए नया इतिहास रचा।

अंकित मिश्रा ने बताया कि मन और शरीर का संतुलन ही कठिन परिस्थितियों में विजय दिलाता है। ऊंचाई पर ऑक्सीजन की कमी के बावजूद उन्होंने योग के माध्यम से अपनी ऊर्जा और आत्मविश्वास बनाए रखा। एवरेस्ट क्षेत्र में लगातार चार दिन तक बर्फ़बारी होती रही। हवा की रफ्तार बढ़ने के कारण पथरीले मार्ग बेहद फिसलन भरे हो गए थे। कई पर्वतारोही लौट रहे थे, लेकिन उन्होंने बिना किसी सहायता के आगे बढ़ने का निर्णय लिया।

अंकित ने कहा कि चुनौतियां ही शिखर की राह बनाती हैं। तूफ़ान ने मुझे रोका नहीं और मैं मेरे देश व उत्तर प्रदेश को गौरवान्वित करने की भावना से आगे बढ़ता रहा। उन्होंने बताया कि एवरेस्ट बेस कैंप से पहले अरुणाचल प्रदेश स्थित एनआईएमएएस में पर्वतारोहण प्रशिक्षण प्राप्त किया।

विजयनगर में फल व्यापारी पर चापड़ से हमला

कानपुर। विजयनगर में बुधवार को बाइक खड़ी करने को लेकर हुए विवाद में फल व्यापारी पर आरोपियों ने चापड़ से हमला किया। घायल व्यापारी ने चार आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। विजयनगर निवासी अनिल गुप्ता ने बताया कि विजयनगर मेट्रो पुल के पास सोनिया मार्केट में वह फल का व्यापार करते हैं। पांच नवंबर को एक ग्राहक दुकान से फल ले रहा था।

उसने पास में ही अपनी बाइक खड़ी कर दी। इस दौरान दूसरे दुकानदार ने बाइक वहां से हटाने को कहा। उन्होंने दुकानदार के विरोध पर बाइक दूसरी तरफ लगवा दी। उसने फिर नाराजगी जताई। आरोप है कि इस पर दिनेश यादव, प्रेम प्रकाश गुप्ता, लकी यादव, बाबू उर्फ गोपाल, श्याम तिवारी आदि गाली-गलौज करते हुए दुकान पर आ धमके। लाठी-डंडों और चापड़ से हमला कर घायल कर दिया। सिर पर डंडे और चापड़ के कई वार से वह गंभीर रूप से घायल हो गए। आरोपियों ने पुलिस से शिकायत करने पर जान से मार डालने की धमकी दी। फजलगंज थाना प्रभारी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर चारों के खिलाफ बलवा, धमकाना, मारपीट, गाली-गलौज आदि धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर तलाश की जा रही है।

ट्रक-डीसीएम की भिड़ंत में दो की मौत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

दुर्घटनाग्रस्त डीसीएम का अगला हिस्सा गायब हो गया। अमृत विचार

- महाराजपुर के नर्वल मोड़ के पास ओवरटेक के चक्कर में भोर पहर तीन बजे हुआ हादसा

अमृत विचार। महाराजपुर के नर्वल मोड़ पर गुरुवार तड़के ट्रक और डीसीएम की भिड़ंत में चालक की मौके पर मौत हो गई, जबकि दो गंभीर घायलों को अस्पताल भेजा गया। हैलट में इलाज के दौरान एक परिचालक ने भी दम तोड़ दिया। घरवालों ने बताया कि डीसीएम चालक व परिचालक कोलकाता से लौट रहे थे। दोनों मृतक व घायल हरियाणा के रहने वाले हैं।

हरियाणा के देवड़ा नगली निवासी हजार खान का बेटा मकसूद डीसीएम चालक था। परिजनों ने बताया कि बीते सप्ताह वह डीसीएम लेकर कोलकाता के लिए निकला था। उसके साथ हरियाणा के हींगलपुर मेवात निवासी सब्बीर खान का 22 वर्षीय बेटा सगीर व एक अन्य परिचालक भी था। तीनों गुरुवार रात घर के लिए लौट रहे थे। सगीर का बड़ा भाई मुस्तकीम ने बताया कि नर्वल मोड़ के पास भोर पहर तीन बजे हादसा हुआ है। फतेहपुर से कानपुर आ रहे किसी तेज गति वाहन ने ओवरटेक करते समय पीछे से जोरदार टक्कर मारी, जिससे डीसीएम डिवाइडर पर चढ़कर दूसरी लेन पर पहुंच गई। वहां सामने से आए ट्रक से भिड़ंत में मकसूद की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि सगीर व दूसरे साथी को अस्पताल ले जाया गया। हैलट में इलाज के दौरान सगीर ने भी दम तोड़ दिया। महाराजपुर थाना प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार पांडेय ने बताया कि डीसीएम में पीछे से टक्कर मारने वाले वाहन के बारे में पता किया जा रहा है।

आधे घंटे की मशक्कत से अलग हुए वाहन: हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस को हाईवे पर भिड़े खड़े वाहनों को अलग करने में आधे घंटे लग गए। पुलिसकर्मियों के अनुसार दोनों वाहनों का अगला हिस्सा एक दूसरे से फंसा था। जिसे अलग कर घायलों को अस्पताल भेजा गया। डीसीएम का अलगा हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है।

दो घंटे बाद दुरुस्त हुआ यातायात : वाहनों की भिड़ंत से कानपुर से फतेहपुर लेन पर जाम लग गया। रात में ट्रकों की आवाजाही के कारण दूर तक दर्जनों ट्रक खड़े हो गए। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद हाईवे से दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटवाकर किनारे खड़ा कराया गया, तब जाकर यातायात सुचारू हो सका।

डीएम से मिलने जनता दर्शन में पहुंची 7 साल की बच्ची

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

डीएम ने बच्ची को गिफ्ट दिया।

- जन्मदिवस पर डीएम ने केक और गिफ्ट हैंपर देकर दी बधाई

अमृत विचार। कलेक्ट्रेट में गुरुवार को लगे जनता दर्शन में एक 7 वर्ष की बच्ची ने सबका ध्यान खींच लिया। कक्षा 2 में पढ़ने वाली कीर्ति अपने पिता और परिवार के साथ जनता दर्शन में पहुंची। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की नज़र उस बच्ची पर पड़ी तो उन्होंने परिवार से आने का कारण पूछा। जब पता चला कि बच्ची का जन्मदिन है तो उन्होंने कीर्ति को जन्मदिन पर केक और गिफ्ट हैंपर दिया।

हनुमंत विहार निवासी अमित गुप्ता किराए का ऑटो चलाते हैं। वे अपनी बेटी कीर्ति को स्कूल ड्रेस में लेकर जनता दर्शन पहुंचे थे। अमित के साथ मौजूद राकेश सोनी ने बताया कि कीर्ति पिता के मोबाइल पर डीएम की फोटो देखकर उन्हें बाबा कहकर पुकारती है। कई दिनों से वह अपने माता-पिता से डीएम से मिलवाने की जिद कर रही थी। 6 नवंबर को उसका जन्मदिन था, इसलिए परिजन उसे जनता दर्शन में ले आए ताकि वह अपनी पसंदीदा शख्सियत से मिल सके। परिवार अपने साथ डीएम की एक फोटो भी लाया, जिसे उन्होंने जिलाधिकारी को भेंट किया। जिलाधिकारी को कीर्ति ने बताया कि वह बड़ी होकर डीएम या डॉक्टर बनना चाहती है। जिलाधिकारी ने आशीर्वाद देते हुए उसके साथ फोटो खिंचवाई।

लापरवाही | बायोरेमिडियेशन के नाम पर खानापूर्ति, अधिकतर स्थानों से यंत्र हो गए गायब

माघ मेले से पहले गंगा को गंदा कर रहे शहर के नाले

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

भगवतदास घाट पर गंगा नदी में जा रहा नाले का पानी। अमृत विचार

गोलाघाट में बायोरेमिडएशन कार्य बंद। अमृत विचार

अमृत विचार। माघ मेले के पहले शहर में गंगा का पानी मैला हो रहा है। शहर के गंगा घाटों पर गिर रहे छह अनटैप्ड सीवेज नालों से बिना शोधन के ही दूषित पानी बहाया जा रहा है। नालों के पास जैविक शोधन के लिये स्थापित डोजिंग प्लास्टिक टैंक में सीडिंग और माइक्रोबियल कल्चर ही गायब है। जिसकी वजह से गंगा आचमन लायक नहीं है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की जांच में भी पानी के सैंपल लगातार फेल मिल रहे हैं। यदि ऐसे ही रहा तो यह शहर के साथ ही प्रयागराज तक के लिए घातक साबित होगा।

उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार कानपुर नगर में गंगा नदी में छह सीवेज नाले डब्का, सत्तीचौरा, गोलाघाट, रानीघाट, परमिया और भगवतदास गुप्तारघाट में जैविक शोधन (बायोरेमिडिएशन) का कार्य हो रहा है। यह कार्य नगर निगम द्वारा अनुबंधित संस्था मेसर्स विशान्त चौधरी कांट्रैक्टर जेवी, मेसर्स नेक्सजेन इन्फोवर्ड प्रा. लि. अलीगढ़ कर रही है।

गुरुवार को जब अमृत विचार की टीम ने भगवतदास और गोलाघाट के पास गंगा में गिर रहे नालों को देखा तो यहां काला मटमैला पानी गंगा नदी में जाता मिला। यही नहीं यहां बायोरेमिडियेशन नाम की कोई चीज नहीं होती मिली। स्थानीय घाट के लोगों ने बताया कि नाले का पानी सीधा गंगा नदी में जा रहा है। इसके बाद गोलाघाट पर भी यही देखने को मिला। यहां भी नाले का सीवेज सीधा गंगा नदी के पानी को दूषित कर रहा था। इस बारे में जब यूपीपीसीबी के क्षेत्रीय अधिकारी अजीत सुमन के मोबाइल नंबर पर संपर्क करने की कोशिश की गई तो उन्होंने फोन नहीं उठाया। बाद में मीटिंग में होने का हवाला देते हुए फोन को काट दिया।

जानिए क्या है बायोरेमिडियेशन:

बायोरेमिडिएशन टेक्नोलॉजी में जैविक विधि से नाले के पानी को साफ किया जाता है। इस टेक्नोलॉजी में कुछ ऐसे घास और पौधे होते हैं, जिनकी जड़ों में बैक्टीरिया पैदा होते हैं। बायोरिमेडिएशन टेक्नोलॉजी में केना घास समेत अन्य घास को नालों में लगाया जाता है। इसमें पनपने वाले बैक्टीरिया नालों में बहने वाली गंदगी को खाते हैं, साथ ही सफाई में काफी सहायक हैं। सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटों (एसटीपी) में भी इस विधि का इस्तमाल किया जाता है। बायोरेमिडियेशन कार्य में 73 लाख रुपये हर साल खर्च हो रहा है।

05 लाख महीना जुर्माना लगाने को लिखा था पत्र

73 लाख रुपये बायोरेमिडिएशन में हर साल खर्च

02 महीने के बाद माघ मेला होगा शुरू

06 अनटैप्ड नालों से दूषित पानी बहाया जा रहा है।

जुर्माना लगाने को लिखा था पत्र

यूपीपीसीबी के अधिकारियों ने पिछले दिनों गंगा नदी में गंदगी प्रवाहित करने में प्रतिमाह पांच लाख रुपये का जुर्माना लगाने के लिये डीएम व संबंधित अधिकारियों को लिखा था। इसके साथ ही गंगा नदी की गुणवत्ता बनाये रखने के लिये नगर निगम को पत्र भी लिखा था। लेकिन, इसके बावजूद गंगा नदी की देखभाल में भारी चूक की जा रही है।

सिटी ब्रीफ

महिला बैंककर्मी से पर्स लूटने वाला आरोपी गिरफ्तार

कानपुर। चकेरी के श्यामनगर में बीती छह सितंबर को ई-रिक्शा में सवार महिला बैंककर्मी से बाइक सवार लुटेरों ने पर्स लूटा था। पुलिस ने दो माह बाद एक आरोपी गिरफ्तार कर जेल भेजा है। श्यामनगर के रामपुरम एलआईजी केडीए कालोनी निवासी आरती कुमारी जीएसवीएम मेडिकल कालेज की एसबीआई शाखा में क्लर्क हैं। वह बैंक से वापस घर जा रही थीं, तभी श्यामनगर चौराहा पर दो लुटेरों ने झपट्टा मारकर पर्स लूट लिया था। छीनाझपटी में वह रिक्शे से गिरकर घायल भी हो गई थीं। पर्स में एटीएम कार्ड, क्रेडिट कार्ड, बैंक आईडी कार्ड, आधार कार्ड, वोटर कार्ड, पैन कार्ड, तीन हजार रुपये और दो हजार रुपये का डिमांड ड्राफ्ट था। उन्होंने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर लुटेरों की तलाश में जुटी थी। थाना प्रभारी संतोष कुमार शुक्ला ने बताया कि आरोपी को बुधवार नेहुरा गांव जाने वाली सड़क से गिरफ्तार किया है। आरोपी ने अपना नाम जूही लाल कालोनी निवासी रकीब अहमद बताया। पुलिस ने एक आधार कार्ड व एटीएम कार्ड बरामद किया है। उसके फरार साथी की तलाश की जा रही है।

मोबाइल लुटेरों ने खुद ही पुलिस बुलाई

कल्याणपुर। बिठूर के व्यास निकुंज लवकुश नगर निवासी आशीष पांडे गत नवंबर की रात आठ बजे रावतपुर शनेश्वर चौराहा के पास खड़े होकर फोन पर बात कर रहे थे। तभी बाइक सवार दो युवक झपट्टा मारकर उनका मोबाइल छीन ले गए। शातिरों का पीछा कर जब उन्होंने उन्हें रोक लिया, तो शातिरों ने पुलिस कंट्रोल रूम को फोन कर खुद ही पुलिस बुला ली। साथ ही घटना से भी इंकार करते रहे। पीड़ित ने पूरी बात पुलिस को बताई और तहरीर दी। इसके बाद रिपोर्ट दर्ज कर अब रावतपुर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पैरों की नसों का वॉल्व दुरुस्त करने में लेजर विधि कारगर

जीएसवीएसएस पीजीआई में आयोजित यूपीएएसआई कॉन-2025 प्री-कॉन्फ्रेंस वर्कशॉप में विशेषज्ञों ने दी जानकारी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। अगर आप लंबे समय तक खड़े होकर कार्य करते हैं या बैठे रहते हैं, इसके अलावा अधिक वजन उठाने का कार्य करते हैं तो ऐसे में नसों पर काफी दबाव पड़ता है, जिससे नसें कमजोर होती हैं और पैरों की नसों के वाल्व खराब हो जाते हैं। तब खून का प्रवाह बाधित होने से वह ऊपर की ओर नहीं बढ़ पाता और रक्त ठीक से हृदय तक नहीं पहुंच पाता। यह समस्या आनुवंशिक, गर्भावस्था और निष्क्रिय जीवनशैली की वजह से भी हो सकता है। ऐसे में लेजर विधि काफी कारगर साबित हो रही है। यह जानकारी ठाणे से आए वरिष्ठ सर्जन डॉ.कुशल मित्तल ने दी।

डॉ.कुशल मित्तल।

जीएसवीएसएस पीजीआई में गुरुवार को जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के सर्जरी विभाग ने यूपीएएसआई कॉन-2025 के तहत एक दिवसीय प्री-कॉन्फ्रेंस वर्कशॉप का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य सर्जरी के विभिन्न आधुनिक क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान कर युवा व प्रैक्टिसिंग सर्जनों को नई तकनीकों से परिचित कराना रहा। मेडिकल छात्रों को विभिन्न विधियों की जानकारी दी गई। ठाणे से आए कोलोप्रोक्टोलॉजी विशेषज्ञ डॉ.कुशल मित्तल ने लेजर विधि द्वारा भगंदर, फिशर, बवासीर की सर्जरी पर व्याख्यान दिया। बताया कि इनमें लेजर विधि कारगर है। इसके अलावा पैरों के नसों का वॉल्व खराब होने पर, जब खून ऊपर की ओर चढ़ नहीं पाता है, तब नसों को खोलने और दुरुस्त करने के लिए लेजर कारगर है।

कान्फ्रेंस में जानकारी देते एक्सपर्ट्स। अमृत विचार

प्रोजेक्टर पर डॉक्टरों ने दी जानकारी। अमृत विचार

ये डॉक्टर रहे मुख्य रूप से मौजूद

- जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य प्रो.संजय काला, उप प्राचार्य प्रो.रिचा गिरी, हैलट के प्रमुख अधीक्षक डॉ.आरके सिंह, सीएमएस डॉ.सौरभ अग्रवाल, सर्जरी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.जीडी यादव, डॉ.आरके मौर्या, डॉ.प्रेमशंकर, डॉ.विकास कटियार, डॉ.गोविंद त्रिवेदी, डॉ.श्रद्धा वर्मा, डॉ.प्रियेश शुक्ला, डॉ.आरके जौहरी, डॉ.अशोक वर्मा, डॉ.मनोज सोनकर, डॉ.आशीष समेत आदि डॉक्टर मौजूद रहे।

अनावश्यक नहीं करना चाहिए लेजर का इस्तेमाल

- लखनऊ से आए डॉ.अरशद अहमद ने बताया कि लेजर विधि को कुछ लोगों ने विज्ञापन का माध्यम बना दिया है। जबकि हर मरीज में लेजर विधि कारगर साबित नहीं होती है। अनावश्यक लेजर विधि से कई बार इलाज भी प्रभावी नहीं हो पाता है। डॉ.अंकुर बंसल ने बताया कि खुजली, जलन, दर्द और बेचैनी, गुदा से रक्तस्राव, गांठ या सूजन, और अनियमित मल त्याग को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। बताया कि लेजर विधि से सर्जरी, पारंपरिक सर्जरी की तुलना में कम दर्दनाक, रक्तहीन और कम जटिलताओं वाला होता है।

डॉ.अरशद अहमद।

पाइल्स को न करें नजरअंदाज, हो सकता बड़ी आंतों का कैंसर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। वैस्टर्न लाइफस्टाइल, रिफांइड फूड, जंक फूड व फास्ट फूड के अधिक सेवन से लोगों में बवासीर (पाइल्स) की समस्या बढ़ी है। यह समस्या लंबे समय तक रहती है तो ऐसे में सचेत रहने की जरूरत हैं। क्योंकि यह बड़ी आंत में कैंसर का लक्षण भी हो सकता है। बड़ी आंत में कैंसर और पाइल्स के लक्षण दोनों एक ही जैसे होते हैं। दोनों ही समस्या होने पर मल त्याग में दिक्कत, खून आना, दर्द होना, झाग आना, बैठने में दिक्कत व मल का ठीक से त्याग नहीं होता है। कई बार कैंसर के कारण भी पाइल्स हो जाता है। यह जानकारी आगरा से आईं डॉ.अंशिका मित्तल ने दी।

डॉ.अंशिका ने बताया कि पाइल्स एक अलग स्थिति होती है, जो नसों की सूजन के कारण होती है, जबकि कोलन कैंसर कोशिकाओं की असामान्य वृद्धि से होता है, लेकिन दोनों के लक्षण सामान्य होते हैं, जिसकी वजह से कई बार कुछ डॉक्टर पाइल्स का इलाज शुरू कर देते हैं, जबकि सही से डायग्नोस नहीं करने की वजह से समस्या गंभीर होती है। ऐसे में मरीजों को स्पेशलिस्ट डॉक्टरों से ही परामर्श लेना चाहिए। डॉ.आरके जौहरी ने बताया कि स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और नियमित जांच से दोनों का जोखिम कम किया जा सकता है। बचाव के लिए फाइबर से भरपूर फल, सब्जियां, साबुत अनाज और फलियां खाना चाहिए, जिससे कब्ज से बचा जा सकता है।

डॉ. अंशिका मित्तल।

- आगरा से आईं कैंसर रोग स्पेशलिस्ट डॉ.अंशिका मित्तल ने दी जानकारी

ऐसे करें बचाव

- अत्यधिक मसालेदार, लाल और प्रसंस्कृत मांस का सेवन सीमित करें। दिन भर में खूब पानी पीने से मल नरम रहता है और मल त्याग में आसानी होती है। शारीरिक गतिविधि करें, क्योंकि यह स्वस्थ वजन बनाए रखने में मदद करती है और आंतों की नियमित गतिशीलता को बढ़ावा देती है। डॉक्टर की सलाह के अनुसार, विशेष रूप से 45 वर्ष की आयु के बाद, नियमित जांच जरूर कराएं। धूम्रपान छोड़, शराब का सेवन सीमित करें, शौचालय पर लंबे समय तक न बैठें, तनावपूर्ण मल त्याग से बचें।

गलत सर्जरी हार्निया का जिम्मेदार

- लखनऊ स्थित आरएलएम हॉस्पिटल से आए डॉ.विकास सिंह ने बताया कि सर्जरी के दौरान किसी भी अंग को काटते हैं तो उसको सही से जोड़ना जरूरी है। सभी डॉक्टरों को सूचरिक प्रक्रिया सही ढंग से पता होनी चाहिए। पेट को अगर किसी धागे से सिल रहे तो विशेष सावधानी बरती चाहिए, क्योंकि गलत तरह से सर्जरी, सूचरिक आदि वजह से मरीज में 30 से 40 फीसदी संभावना हार्निया होने की रहती है, इसमे से आठ से 10 फीसदी मरीजों को दोबारा हार्निया होता है। बताया कि अगर किसी भी सर्जरी के बाद पेट में दर्द, उल्टी मेन स्टार लाइन में दर्द व सूजन हो तो डॉक्टर से परामर्श लें।

डॉ.विकास सिंह।

स्तनपान न कराने से ब्रेस्ट कैंसर की आशंका

- सैंफई से आईं डॉ.सोमेंद्र पाल चौहान ने बताया कि ब्रेस्ट कैंसर की समस्या कम उम्र की महिलाओं में बढ़ रही है। इसकी वजह प्रदूषण, फैटी फूड व ओबेसिटी व गलत खानपान की वजह से शरीर में एस्ट्रोजन हार्मोन का बढ़ना भी है। जो महिलाएं बच्चों को स्तनपान नहीं कराती हैं, उनमे भी ब्रेस्ट कैंसर की आशंका बढ़ जाती हैं। क्योंकि उस समय स्तनपान न कराने से महिलाओं में एस्ट्रोजन हार्मोन बढ़ता और कोलेक्टीन हार्मोन घटने लगता है, जिसकी वजह से ब्रेस्ट कैंसर होने का खतरा बढ़ जाता है। स्वस्थ खानपान काफी जरूरी है।

पत्नी से विवाद के बाद फांसी लगाकर दी जान

कानपुर। महाराजपुर में पत्नी से विवाद के बाद युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। फंदे से शव लटका देखकर परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने जांच कर शव पोस्टमार्टम भेजा।

मोतीपुर निवासी 40 वर्षीय बाबू सिंह उर्फ बबलू मजदूरी करता था। परिवार में पत्नी मीना व तीन बच्चे करन, अर्जुन, शिवानी हैं। छोटे भाई अतर सिंह ने बताया कि बाबू सिंह शराब का लती था, आएदिन नशे में परिजनों से विवाद होता था। दो दिन पहले वह शराब पीकर घर आया तो पत्नी से विवाद हुआ। इसके बाद बच्चों के साथ भाभी मायके चली गईं। अतर के अनुसार गुरुवार शाम घर आने के बाद बाबू सिंह खाना खाकर कमरे में सोने गए और देर रात कमरे में शव फंदे पर लटका मिला। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव उतरवाकर पोस्टमार्टम भेजा।

गेंद मांगने पर चट्टा संचालक ने बच्चे को पीटा

कानपुर। चकेरी के नेताजीनगर में क्रिकेट खेलने के दौरान गेंद चट्टे में चली गई। बच्चे ने गेंद मांगी तो चट्टा संचालक ने दस वर्षीय बच्चे को मारापीटा। नेताजीनगर निवासी दिलीप गुप्ता के अनुसार उनका बेटा कृष्णा बुधवार की सुबह इलाके के बच्चों के साथ सड़क पर क्रिकेट खेल रहा था। तभी गेंद रामगोपाल यादव उर्फ बउना के चट्टे में चली गई। कृष्णा गेंद मांगने गया तो रामगोपाल ने उसे मारापीटा। साथ ही अन्य बच्चों को भी लाठी लेकर दौड़ा लिया। बच्चों ने घर आकर बताया। इस पर दिलीप ने जब आरोपी से विरोध जताया तो उससे भी गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दी।

थाने के पास दुकान से दो लाख का माल चोरी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कानपुर। जाजमऊ में चोरों ने थाने के पास मोबाइल शॉप की दीवार में सेंधमारी कर दो लाख के माल ले गए। पुलिस ने छानबीन की। रिपोर्ट दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू की है।

तिवारीपुर निवासी सचिन वर्मा की नई चुंगी पर मोबाइल की दुकान है। उन्होंने बताया कि बुधवार रात को वह दुकान बंद घर गए थे। जिसके बाद देर रात चोर दुकान के पीछे से दीवार में सेंधमारी कर अंदर घुसे और दुकान में रखे मोबाइल व 15 हजार रुपये समेत करीब दो लाख के माल ले गए। गुरुवार सुबह जब सचिन ने दुकान खोली तो सारा सामान बिखरा था। दीवार टूटी मिली। जिसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। सचिन ने बताया कि चोरों ने उनकी दुकान में चोरी करने के बाद बगल दुकान की दीवार भी तोड़ने का प्रयाया किया। चोर दुकान की छत पर लोहे की सरिया, दो कीपैड फोन और एयरबड्स छोड़कर गए हैं। बताया कि दुकान में सीसीटीवी कैमरे लगे हैं, लेकिन बीते साल शॉर्ट सर्किट से अब वह दुकान की बिजली बंद कर जाते हैं। थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह ने बताया कि चोरी की तलाश की जा रही है।

रोडवेज बस परिचालक का ड्यूटी बैग चोरी

- टाटमिल चौराहा के पास से रोडवेज बस के परिचालक का ड्यूटी बैग चोरी हो गया। परिचालक ने रेलबाजार थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। इमरान जिलानी के अनुसार वह महोबा डिपो की बस में परिचालक हैं। उसने बताया कि 22 अक्टूबर को उनकी बस गोरखपुर से महोबा जा रही थी। तड़के करीब साढ़े तीन बजे बस टाटमिल चौराहा के पास खड़ी थी और वह सवारियों को उतारने व बैठाने के लिए खड़े थे। तभी किसी ने उनका ड्यूटी बैग चोरी कर लिया। इमरान ने बताया कि बैग में 25 हजार रुपये, इलेक्ट्रानिक टिकट मशीन, फॉर्म फोल्ड, चालान पत्रिका, समेत अन्य जरूरी कागजात थे।

कूटरचित दस्तावेजों से भाइयों ने हथिया ली जमीन

कानपुर। कोतवाली में जमीन हड़पने के लिए कूटरचित दस्तावेज और दूसरी महिला को खड़ा करके पॉवर ऑफ एटार्नी कराने का मामला पहुंचा। पीड़ित ने कोर्ट के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज कराई है।

जाजमऊ के वाजिदपुर निवासी दिनेश कुमार के अनुसार उनकी 86 वर्षीय मां रामरती को मायके नर्वल के डोमनपुर में जमीन मिली थी। जो राजस्व के अभिलेखों में उनके नाम पर दर्ज थी। मौजूदा समय में मां शारीरिक व मानसिक रूप से अस्वस्थ हैं। जिसका फायदा उठाकर उनके भाई संतोष कुमार और बलराम ने मां के फर्जी आधार कार्ड व अन्य पहचान पत्र बनवाए। आरोप है कि उनके भाइयों ने दस्तावेजों के आधार पर मां के जगह दूसरी महिला को खड़ा कर दिसंबर 2023 को अपने नाम पर एटार्नी करा ली। जिसके बाद जमीन को फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से भाई संतोष ने अपनी पत्नी सावित्री के नाम बैनामा कर दी। बैनामा में दिखाई गई रकम भी किसी खाते में ट्रांसफर नहीं हुई।

फंदे से लटका मिला महिला का शव, शराबी पति फरार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- मायकेवालों ने कहा, पति ने केबिल से पीटकर फंदे से लटकाया

अमृत विचार। हनुमंत विहार में गुरुवार सुबह महिला का शव फंदे से लटका मिला। बच्चों की चीख-पुकार सुनकर परिजन पहुंचे। पुलिस ने जांच-पड़ताल की, उससे पहले आरोपी पति घर से फरार हो गया। मायकेवालों का आरोप है कि शराबी पति ने केबिल से पीटकर फंदे से लटकाया है। वह अक्सर नशे की हालत में मारपीट करता था।

सरोज।

नौबस्ता के न्यू श्यामनगर निवासी योगेंद्र सिंह यादव मजदूरी करता है। उसकी 30 वर्षीय पत्नी सरोज का शव गुरुवार सुबह घर के लोहे के चैनल से लटका मिला। सरोज के ससुर जय सिंह ने बताया कि बेटा शराब का लती है। नशे को लेकर ही पति-पत्नी में अक्सर विवाद होता था। बुधवार रात को भी कहासुनी हुई थी। इस पर सरोज के तीन बच्चों में सामर्थ व सूर्यांश मां के साथ ऊपर ही थे, जबकि बड़ी बेटी आराध्या नीचे कमरे में दादी रानी के साथ सोई थी। सुबह उठने पर सास ने ही लोहे के चैनल पर सरोज का शव लटका देखा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच की। ससुर के अनुसार कलह के चलते बहू ने फांसी लगाकर जान दी है। वहीं हमीरपुर निवासी सरोज के भाई धर्मराज ने बताया कि 2013 में एकलौती बहन की शादी हुई थी। शादी के बाद से ही नशे का लती योगेंद्र उससे मारपीट करने लगा था। बहन की मौत की खबर भी उन्हें दूसरे रिश्तेदार से मिली। जब वह लोग पहुंचे तो योगेंद्र मौके से भाग चुका था। योगेंद्र का पिता भी फरार होने वाला था, उसे पकड़ा गया। उनकी बड़ी भांजी आराध्या ने बताया कि पिता ने रात में मां को केबिल से पीटा था, फिर लटका दिया है। धर्मराज के अनुसार बहन की हत्या की गई है। थाना प्रभारी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत की वजह स्पष्ट होगी।

बीएनएसडी में आज होगा वंदेमातरम का सामूहिक गान

कानपुर। भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल, जिलाध्यक्ष अनिल दीक्षित एवं शिवराम सिंह ने नवीन मार्केट में प्रेस वार्ता में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में राष्ट्रव्यापी उत्सव मनाने का निर्णय लिया है। देश में वर्षभर विविध कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में कानपुर में 7 नवम्बर को हजारों भाजपा कार्यकर्ता एवं आमजन वंदे मातरम का सामूहिक गान करेंगे। विशाल प्रदर्शनी लगाई जाएगी जिसमें वंदे मातरम की ऐतिहासिक एवं साहित्यिक यात्रा को प्रस्तुत किया जाएगा। जिला मुख्यालयों पर भी प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी तथा विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर निबंध, कविता एवं चित्रकला प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

सड़क हादसे में होटल कर्मी की मौत

कानपुर। सचेंडी में किसाननगर हाईवे पर गुरुवार सुबह पैदल जा रहे 45 वर्षीय होटलकर्मी जत्तू सिंह को अज्ञात वाहन ने रौंद दिया। इससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

सचेंडी पुलिस ने बताया कि जत्तू होटल के पास किराए पर कमरा लेकर पत्नी मधु, बेटी शिवानी के साथ रह रहा था। वह रोज की तरह पैदल ही होटल जा रहा था, तभी हादसे का शिकार हुआ। सचेंडी पुलिस ने बताया कि हादसा किस वाहन से हुआ इसके लिए आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे है।

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैं निक्की शर्मा पत्नी अनूप कुमार शर्मा निवासिनी DS-1107, LDA Colony , कानपुर रोड़, सूचित करती हूँ कि मेरी DS - 1108, LDA Colony , कानपुर रोड़ की LDA द्वारा जारी अलाटमेंट लेटर वास्तव में कहीं खो गया है, इसका अन्यत्र प्रयोग अवैधानिक होगा।

सूचना

पहले मेरा नाम MOHD SHAJIB था अब मैने बदल कर अपना नाम SHAJIB KHAN रख लिया है भविष्य में मुझे SHAJIB KHAN के नाम से जाना व पहचाना जाये। S/O ALEEM KHAN R/O - 152, GOTAIYYA BAGH NEAR MOSQUE, LAKHIMPUR KHERI

सूचना

मेरा नाम पहले फाईज था। अब आधार कार्ड नंबर 430271754861 में फाईज सिद्दीकी हो गया है। मुझे अब फाईज सिद्दीकी नाम से ही जाना पहचाना जाए। **फाईज सिद्दीकी पुत्र मोहम्मद फाजिल सिद्दीकी, मोहल्ला गांधीनगर उतरौला जनपद–बलरामपुर**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि मैं Nur Jahan पत्नी शहाबुद्दीन निवासी–435/384, रज्जब गंज, गढ़ी पीर खाँ, ठाकुरगंज, चौक लखनऊ, उत्तर प्रदेश 226003, मेरे पासपोर्ट में त्रुटिवश मेरे नाम की स्पेलिंग Noor Jahan लिख गई हैं, बल्कि मेरे आधार अनुसार सही स्पेलिंग नाम Nur Jahan हैं, दोनों ही नाम एक ही महिला के हैं आज से मुझे Nur Jahan के नाम से जाना, पहचाना व दर्ज किया जायें।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम व जन्मतिथि पासपोर्ट में त्रुटिवश EHTISHAM व जन्मतिथि–12.08.1994 अंकित हो गया है जबकि मेरा वास्तविक नाम व जन्मतिथि मो0 एहतिशाम (MOHD AHETESHAM) व जन्मतिथि–12. 08. 1995 है। अबसे मैं सभी जगह कानूनी रुप से मो0 एहतिशाम (MOHD AHETESHAM) नाम का उपयोग करूंगा और इसी नाम से जाना जाऊँगा। मो0 एहतिशाम (MOHD AHETESHAM) पुत्र ईरशाद निवासी–429/75, पन्नालाल रोड, बन्सल प्लाजा के पास, डालीगंज, निराला नगर, लखनऊ उ0प्र0–226020

सूचना

मै रामनरेश सुत साहबदीन निवासी ग्राम पूरे नेवाजी, मजरे बूबूपुर, थाना बाजार शुक्ल, परगना जगदीशपुर, तहसील मुसाफिरखाना, जिला–अमेठी उ0प्र0, मेरा पुत्र यश प्रताप उर्फ राजा का व्यवहार मेरे व परिवार के प्रति अच्छा नहीं है तथा पूरे परिवार को प्रताड़ित करता रहता है तथा किसी के भी समझाने–बुझाने का उस पर कोई असर नहीं होता है। उसके गलत चाल–चलन व आपराधिक आचरण तथा परिवार के प्रति बुरे व्यवहार के कारण मैने उससे अपना सारा सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल–अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ उसके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं उत्तरदायी होगा, उससे मेरा कोई लेना–देना नहीं है।

सूचना

मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम राज बहादुर अंकित हो गया है। जबकि मेरे अन्य दस्तावेजों जैसे पैन कार्ड, आधार कार्ड आदि में मेरा सही नाम राज बहादुर मौर्या अंकित है। अतः मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम संशोधित कर राज बहादुर मौर्या लिखा व पढ़ा जाये एवं भविष्य में राज बहादुर मौर्या के नाम से जाना व पहचाना जाये। S/O–स्व0 बेचई मौर्या , नि0–7/753, सेक्टर–7, जानकीपुरम बिस्तार, लखनऊ।

सूचना

यह कि मेरा एक मकान रानी अवंतीबाई नगर तिर्वा मे है जिसकी लंबाई 60 व चौडाई 30 फीट है। जिसके पूर्व में मकान अरविन्द, पश्चिम में रास्ता, उत्तर मे मकान माया देवी, दक्षिण में मकान कन्हैया का है। जिसका विवाद हाईकोर्ट में द्वितीय अपील संख्या 585/2014 अजयपाल सिहं आदि बनाम कमला वर्मा के नाम विचाराधीन है अगर कोई विवादित मकान खरीदता है तो सारी जिम्मेदारी उसी की होगी। **अजयपाल सिंह पुत्र रामशंकर निवासी रानी अवंतीबाईनगर तिर्वा जन. कन्नौज**

NOTICE

In the High School marksheet of my son Girish Kumar Tiwari his father's and mother's name are written as Peshkar Tiwari and Pushpa Tiwari which are wrong whereas the correct name is Peshkar Tewari and Pushpa Devi which is true. Peshkar Tewari s/o Algawoo Tiwari vill. And post Belwa Bahuta Gonda Uttar Pradesh.

राजनीति

सांसद देवेंद्र सिंह भोले और पूर्व सांसद अनिल शुक्ल वारसी की राजनीतिक अदावत खुलकर सामने आई

भड़के सियासी शोले, अब कैसे शांत होंगे वारसी और भोले

शैलेश अवस्थी, कानपुर

- अब समर्थक भी आ गए आमने-सामने, मामला भाजपा के लखनऊ और दिल्ली दरबार तक पहुंचा
- बड़े नेता बिहार चुनाव में व्यस्त इसके बाद फैसला, कार्यकर्ताओं में बेचैनी और संगठन असहज

अमृत विचार। कानपुर देहात में दिशा की बैठक के दौरान सांसद देवेंद्र सिंह भोले और पूर्व सांसद अनिल शुक्ल वारसी के बीच तगड़ी जुबानी भिड़ंत और हाथापाई की नौबत के बाद भाजपा नेतृत्व हतप्रभ है। इस मुद्दे का समाधान शीर्ष बैठक में संभव है। दोनों नेता अपनी बात खुद अपने समर्थकों के जरिये पार्टी नेतृत्व तक पहुंचा रहे हैं।

भाजपा संगठन के बड़े नेता मानते हैं कि अब मामला हद पार कर गया और इससे पार्टी की छवि पर भी गर्द पहुंच रही है। कार्यकर्ता बेचैन और विपक्षी घेर रहे हैं। दो बड़े नेताओं की गुटबाजी और तनातनी का असर पंचायत चुनाव पर भी पड़ सकता है, लेकिन इसका हल निकलना आसान भी नहीं है। इन दिनों दलों में बह रही जातीय हवा के बीच दोनों नेताओं को संतुष्ट रखना भी किसी चुनौती से कम नहीं है। यूं तो भोले और

सांसद देवेंद्र सिंह भोले।

अनिल शुक्ल वारसी।

वारसी के बीच जंग वारसी की पत्नी प्रतिभा शुक्ला सहित भाजपा जॉइन करते ही शुरू हो गई थी, लेकिन बीते 24 जुलाई को अकबरपुर थाने में खुलकर सामने आ गई। वारसी, प्रतिभा ने भोले और उनके समर्थकों पर जमकर जुबानी तीर चलाये। आरोप लगाया कि उनके समर्थकों पर भोले के लोग फर्जी केस दर्ज करा रहे। थानेदार को हटाने की मांग को लेकर वारसी दंपत्ति धरने पर बैठ गए और बड़ी मुश्किल से शांत हुए। इस दौरान डिप्टी सीएम बृजेश पाठक को भी आड़े हाथों लिया था। इसके बाद भोले की तरफ से मोर्चा संभालते हुए पूर्व जिलाध्यक्ष मनोज शुक्ल और दो नेताओं ने वारसी पर आरोपों की झड़ी लगा दी। पक्षपात और गड़बड़ी के आरोप लगाए। तब वारसी ने कानूनी नोटिस की बात की। प्रतिभा शुक्ल ने उन्नाव में एक समारोह के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान फिर जमकर भोले को आड़े हाथों लिया था। दिशा की बैठक के दौरान जो हुआ, उसने सियासी माहौल बेहद गर्म कर दिया। देहात के एक वरिष्ठ नेता के मुताबिक तनातनी के पीछे वर्चस्व की जंग, अप्रतक्ष्य रूप से अपनी जाति का नेता बनने की होड़ और किसी हद तक नफा-नुकसान की तौल भी है। इस मामले पर कुछ स्थानीय नेता गंभीर हैं, कुछ अपने लिए मौके तलाश रहे तो कुछ मौज ले रहे हैं। सवाल मुख्य एक ही है कि ये सियासी शोले शांत कैसे होंगे।

हम अपनी बात नेतृत्व तक पहुंचा रहे हैं

- पूर्व सांसद अनिल शुक्ल वारसी का कहना है कि हमारे अलावा और भी कई नेता-कार्यकर्ता पूरी हकीकत पार्टी नेतृत्व और डीएम तक पहुंचा रहे हैं। ब्लाक और दो पंचायतों से जुड़े लोगों ने अपनी शिकायत अधिकारियों को दी है। पहले भी कह चुके हैं कि दिशा सदस्यों की नियुक्त का पूरा मामला सामने आना जरूरी है।

वारसी पर एक्शन होना जरूरी

- कानपुर देहात के पूर्व जिलाध्यक्ष मनोज शुक्ल का कहना है कि वारसी को भाजपा में कोई दायित्व नहीं मिला है। फिर भी वह हर जगह पहुंच जाते हैं। उनके कार्यकलाप पार्टी हित में नहीं हैं। उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। जिलाध्यक्ष रेणुका सचान का कहना है कि यह हमसे संबंधित मामला नहीं है और न ही इस प्रकरण पर हमसे कोई रिपोर्ट मांगी गई है। हम सब लोग संगठित हैं। परिवार है तो बर्तन खटकते रहते हैं। सब ठीक हो जाएगा।

शाह, नड्डा, धर्मपाल या मुख्यमंत्री के सामने ही बात होगी

- वारसी और भोले के बीच बातचीत का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है,जो कुछ दिन पहले का बताया जा रहा है। इसमें वारसी भोले से साथ बैठकर बातचीत करने की बात कह रहे हैं, लेकिन भोले जवाब दे रहें हैं कि 'नहीं, अब मुख्यमंत्री, अमित शाह, नड्डा जी और धर्मपाल जी के सामने ही बैठेंगे। तब ही बातचीत होगी। भोले बेहद विनम्रता से कह रहे हैं आप मेरे भाई हो..प्रणाम। अमृत विचार इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता।

पूरी रिपोर्ट नेतृत्व को भेज दी है

- भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने बताया कि इस मामले में पहले भी रिपोर्ट भेज दी थी, जो अभी तक पेंडिंग है और अब फिर पार्टी नेतृत्व को पूरी घटना से अवगत करा दिया है। फैसला वहीं होगा

अमृत विचार

www.amritvichar.com

सिटी ब्रीफ

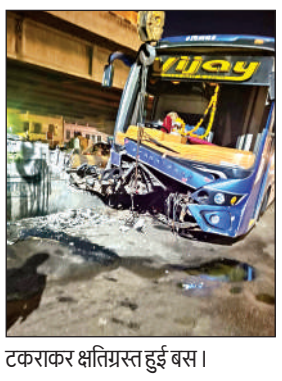

टकराकर क्षतिग्रस्त हुई बस।

डिवाइडर से टकराई बस, चार घायल

कानपुर। रामादेवी चौराहा के पास लखनऊ हाईवे पर गुरुवार तड़के एक प्राइवेट बस रैंप चढ़ने के दौरान डिवाइडर से टकरा गई। जिससे बस में सवार चार यात्री घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को कांशीराम अस्पताल में भेजा। पुलिस के अनुसार चालक के झपकी आने से घटना हुई है। राजस्थान निवासी बस चालक प्रदीप सिंह गुरुवार तड़के बस लेकर ग्वालियर से गोरखपुर जा रहा था। बस में करीब बीस यात्री सवार थे। रामादेवी चौराहा पर चालक को झपकी आने से बस सफीपुर के पास रैंप से जा टकराई। जिससे बस का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। बस में सवार ग्वालियर के डबरा निवासी 30 वर्षीय शिवम राठौर, मोरार निवासी 45 वर्षीय आकिब समेत अन्य दो अन्य सवारियां घायल हुई।

सुबह होने वाली धुंध से मिलेगी राहत

कानपुर। शहर में सुबह होने वाली धुंध से कुछ दिन शहरवासियों को राहत मिल सकती है। शहर में उत्तर पश्चिमी तेज हवाओं के चलते यह असर दिख सकता है। सीएसए विवि के मौसम विभाग के विशेषज्ञों की ओर से बताया कि अगले तीन दिन मौसम साफ रहने की संभावना है, तेज धूप भी निकल सकती है। धुंध कम हो जाने से खासतौर पर मॉर्निंग वॉक करने वालों को सहूलियत होगी। बताया कि धीरे-धीरे तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी।

निर्यातक समझेंगे बाजार

कानपुर। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन की ओर से शुक्रवार को वेबिनार होगा। इसमें ऑनलाइन पोर्टल की सुविधाओं के बारे में निर्यातक व उद्यमियों को बताया जाएगा। इस वेबिनार में दिल्ली सहित अन्य राज्यों से निर्यात व उद्योग विशेषज्ञ कार्यक्रम में जुड़ेंगे। वेबिनार में खासतौर पर नए बाजार और प्रोडक्ट ब्रांडिंग पर चर्चा होगी।

किसान मेला: दो दिन में बिके 30 लाख के बीज

पहले दिन 20 लाख रुपये के तो दूसरे दिन 10 लाख रुपये के बीज किसानों ने खरीदे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

02 दिवसीय किसान मेले का आयोजन किया गया | **04** प्रदेश के किसान सीएसए विवि में आए | **05** हजार से अधिक किसानों ने लिया भाग

किसान मेले में विभिन्न उत्पाद प्रदर्शित किए गए। अमृत विचार

अमृत विचार। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) कानपुर में लगे किसान मेले में 30 लाख रुपये के बीज की बिक्री हुई। दो दिवसीय मेले के पहले दिन 20 लाख रुपये जबकि दूसरे दिन गुरुवार को 10 लाख रुपये के बीज बिके हैं। मेले में इस बार 4 प्रदेशों के 5 हजार किसान शामिल हुए। इस दौरान प्रगतिशील किसान और मेले में लगे बेहतर स्टॉल को पुरस्कृत भी किया गया।

किसान व कृषि मेले में इस बार मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ और बिहार से किसान शामिल हुए। मेले में किसानों के बीच सबसे अधिक बीज खरीद का उत्साह रहा। इसके अलावा किसानों ने सीएसए विवि के छात्रों की ओर से कृषि उत्पादों के स्टॉल में भी जाकर आय दोगनी करने के तरीके समझे। मेले के बारे में सहायक निदेशक बीज व प्रक्षेत्र डॉ मनोज कटियार ने बताया कि किसानों के बीच इस बार गेंहू, मसूर,,मटर के बेहतर वेराइटी के बीज की सबसे अधिक मांग रही। इनमें गेहूं की डीबीडब्लू 303, के1317, के1616, के1006 तथा डीबीडब्लू 187, मसूर की केएलबी 345 ,मटर की केपीएमआर 522, तथा चना की उदय, केडब्लूआर 108 आदि प्रजातियां सबसे अधिक खरीदी गईं। स्टॉलों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। अंतिम दिन मेले में आयोजित समारोह की शुरुआत विधायक नीलिमा कटियार ने किया। समारोह में उन्होंने विश्वविद्यालय के पदाधिकारियों के साथ मेले का निरीक्षण भी किया। विधायक नीलिमा कटियार ने कहा कि किसान अब वैज्ञानिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर बेहतर काम कर रहे हैं। अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ सीएल मौर्या ने कहा कि किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी से किसानों को काफी लाभ मिलता है। समारोह में डॉ सीमा सोनकर, डॉ पीके सिंह, डॉ. पीके राठी, डॉ. वीके कनौजिया सहित अन्य मौजूद रहे।

किचन गार्डन के शौकीन पहुंचे

- किसान मेले में बागवानी के शौकीन भी पहुंचे। यहां पर आकर उन्होंने ऐसे पौधों के बारे में जानकारी ली जो आसानी से घर की बालकनी व छतों पर एगाए जा सकते हैं। इनमें सीजन की सब्जियों की सबसे अधिक जानकारी ली गई। मेले में आए ऐसे शौकीनों ने मिट्टी के विकल्प के बारे में भी विशेषज्ञों से बातचीत की। विशेषज्ञों ने इन शौकीनों को पत्तियों, सब्जियों के कचरे, कागज सहित अन्य सामग्रियों को माटी का विकल्प बताया।

हस्तशिल्प की सराहना

- मेले के दौरान विश्वविद्यालय के युवाओं की ओर से हस्तशिल्प प्रदर्शनी भी लगाई गई। इस प्रदर्शनी में फसल व खेती के दौरान खराब हो चुकी सामग्रियों से घरेलू उत्पादों को बनाए जाने के तरीके बताए। इन स्टॉल पर खासतौर पर महिलाओं का रुझान रहा। स्टॉल आकर महिलाओं ने जूट के बैग, कागज के थैले, पौधों व फूलों से बनाए गए रंग, मोतियों की माला सहित अन्य घर सजाने के उत्पादों को परखा।

युवाओं ने समझीं बारीकियां

- इस बार मेले में युवाओं की संख्या अधिक रही। मेले में आकर उन्होंने ऑग्रेनिक खेती के बारे में विशेषज्ञों से बातचीत की। युवाओं के बीच मशरूम की खेती करने के तरीके और उसके उत्पादों के बारे में भी सबसे अधिक ली गई। विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों की ओर से युवाओं को खेती के बारे में जानकारियां देने के साथ ही विभिन्न शोध के बारे में भी बताया।

नौकरी देने दिल्ली एनसीआर की कंपनियां भी आएंगी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- इस महीने सेवायोजन कार्यालय 15 कंपनियों को बुला रहा
- विभाग के ऑनलाइन पोर्टल पर होगा नौकरी के लिए आवेदन

अमृत विचार। सेवायोजन विभाग की ओर से इस महीने दो रोजगार मेलों में 15 निजी कंपनियां दिल्ली एनसीआर की होंगी। यह कंपनियों की विभाग की ओर से किए गए युवाओं के बीच सर्वे के आधार पर बुलाई गई हैं। पूर्व में आयोजित मेलों में ही युवाओं के बीच हुए सर्वे में 63 फीसदी युवाओं ने दिल्ली-एनसीआर में नौकरी करने में रुचि दिखाई थी।

सेवायोजन विभाग की ओर से हर महीने 5 रोजगार मेले लगाए जाते हैं। नवंबर महीने में लगने वाले 5 में से दो रोजगार मेलों में 15 दिल्ली-एनसीआर की कंपनियां युवाओं को आकर्षक पैकेज पर जॉब ऑफर करेंगी। इसके लिए विभाग की ओर से कंपनियों से सहमति ले ली है। शहर के युवाओं को यह कंपनियां सर्विस सेक्टर, मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर, बैंकिंग सेक्टर सहित अन्य क्षेत्र में नौकरी के लिए साक्षात्कार लेंगी। विभाग की ओर से कंपनियों की ओर से आने वाले अधिकारियों के लिए व्यवस्थाएं शुरु कर दी गई है। पूरे मामले पर सहायक निदेशक सेवायोजन उज्जवल कुमार सिंह ने बताया कि मेलों में हुए सर्वे मे युवाओं की पहली पसंद दिल्ली एनसीआर में नौकरी करना सामने आया था। इस रुझान को देखते हुए इन कंपनियों को आमंत्रित किया जा रहा है। इन मेलों की तैयारी शुरु हो गई है। जल्द ही तिथियों का ऐलान कर दिया जाएगा।

इजरायल में नौकरी

- सेवायोजन विभाग की ओर से इजरायल में नौकरी के लिए भी जल्द आवेदन मांगे जाने वाले हैं। इस बार शहर से इजरायल के लिए लगभग 1 हजार युवाओं के आवेदनों को मंवाए जाने का लक्ष्य रखा गया है। अधिकारियों ने बताया कि जल्द ही विभाग की ओर से युवाओं को मोबाइल मैसेज के जरिए आवेदन किए जाने के लिए मैसेज भेजने शुरु कर दिए जाएंगे। खास बात यह है कि आवेदन करने वाले ऐसे युवा जो पात्र होंगे उन्हें विभाग की ओर से प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। इस प्रशिक्षण में युवाओं को वहां की भाषा, अंग्रेजी भाषा व वहां की संस्कृति के बारे में बताया जाएगा।

सप्लाई हो रहा था कोडीन युक्त सिरप

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- इसकी भनक औषधि विभाग के निरीक्षकों को नहीं लग सकी
- लखनऊ से आए निर्देश के बाद निरीक्षक को हुई जानकारी

अमृत विचार। शहर में धड़ल्ले से नशे का कारोबार फल-फूल रहा था, लेकिन इसकी भनक औषधि विभाग के निरीक्षकों को नहीं लग सकी। जब लखनऊ मुख्यालय से जिले के औषधि विभाग में निरीक्षकों के पास पत्र आया, तब उनको जानकारी हुई और निरीक्षकों ने संबंधित जगहों पर जांच पड़ताल की।

जांच करने पर टीम को काफी मात्रा में कोडीन युक्त सिरप बरामद हुआ। लेकिन यह कोडीन युक्त सिरप शहर कैसे आया, इसकी बिक्री किन-किन लोगों को की गई और किस जगहों पर की गई, इसकी जानकारी अभी तक संबंधित निरीक्षकों को नहीं हो सकी हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन को कोडीनयुक्त कफ सिरप और नॉरकोटिक्स श्रेणी की औषधियों के अवैध भंडारण, क्रय-विक्रय और वितरण पर प्रभावी नियंत्रण के लिए व्यापक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं क्योंकि कई लोग नशे के रूप में विभिन्न तरह के कफ सीरप व कोडीन युक्त दवाओं का इस्तेमाल करते हैं।

जिसमें से कई दवाओं की खरीद बिक्री पर प्रतिबंध होता है, बावजूद इसके कारोबार में शहर से लेकर गांव तक के कुछ मेडिकल स्टोर संचालक संलिप्त हो जाते हैं। इसके बाद नशे का कारोबार पूरे जिले या आसपास के जिलों में भी फैलने लगता है। सूत्रों के मुताबिक कई तरह के नशे के इंजेक्शन भी नशे के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं। यह स्टॉक चकेरी, महाराजपुर व कल्यानपुर से तब बरामद हुआ, जब औषधि निरीक्षक रेखा व औषधि निरीक्षक ओमपाल पूरे जिले में निरीक्षण करने का दावा करते हैं। लेकिन उनको इन जगहों पर कोडीन सिरप की ब्रिकी की जानकारी तक नहीं हो सकी थी। लखनऊ मुख्यालय से अगर निर्देश नहीं आता तो अब तक कई और लोग कोडीन सिरप का सेवन कर चुके होते और दोनों निरीक्षकों को भनक तक नहीं लग पाती। सूत्रों के मुताबिक कोडीन युक्त सिरप की ब्रिकी कर संचालक लाखों रुपये की कमाई करते हैं।

इसके लिए संबंधित ग्राहक से पर्चा तक भी नहीं लिया जाता है, बस सेंटिंग ही काम आती हैं। औषधि निरीक्षक ओमपाल के मुताबिक लखनऊ से प्राप्त निर्देश पर यह कार्रवाई की गई है। कोडीन युक्त सिरप की खरीद व बिक्री के संबंध में जानकारी नहीं मिलने पर मुकदमा कराया गया है।

हमें पढ़ाई के साथ खेल पर भी ध्यान देना चाहिए

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

सांसद रमेश अवस्थी विधायक और अन्य भाजपा पदाधिकारियों के साथ। अमृत विचार

- सांसद विधायक खेल स्पर्धा का हुआ शुभारंभ, कई स्कूलों के बच्चों ने लिया हिस्सा

अमृत विचार। युवा शक्ति राष्ट्र शक्ति के नाम से सांसद विधायक खेल स्पर्धा का शुभारंभ गुरुवार को किदवई नगर के मैदान में हुआ। क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल, सांसद रमेश अवस्थी और क्षेत्रीय विधायक महेश त्रिवेदी ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर कार्यक्रम की शुरुआत की। शहर के कई स्कूलों के बच्चों ने अलग-अलग प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। जनप्रतिनिधियों ने अपने संबोधन में बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद में भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि खेल हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं, जो न केवल शरीर को स्वस्थ रखते हैं बल्कि अनुशासन और टीम भावना भी सिखाते हैं। सांसद रमेश अवस्थी ने बच्चों को खेल के प्रति प्रोत्साहित करते हुए कहा कि हमें पढ़ाई के साथ-साथ खेल पर भी ध्यान देना चाहिए आज देश में बेटियां हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं और इस प्रतियोगिता में भी सबसे अधिक भागीदारी बेटियों की है। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में 18 वर्ष से कम आयु वर्ग के बालक एवं बालिका खिलाड़ी शामिल किए गए। सभी प्रतिभागियों का पंजीकरण कर उन्हें विभिन्न खेलों में भाग लेने का अवसर दिया गया। प्रतियोगिता में कबड्डी, वॉलीबॉल, फुटबॉल, कुश्ती, बैडमिंटन, एथलेटिक्स, भारोत्तोलन, खो-खो, शतरंज और रस्साकशी जैसे कई खेलों का आयोजन किया गया। तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता किदवई नगर स्थित राष्ट्रीय इंटर कॉलेज, कानपुर में आयोजित की जा रही है, जिसमें वार्ड स्तर के विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राएं उत्साहपूर्वक हिस्सा ले रहे हैं। शहर के भाजपा जिलाध्यक्ष अनिल दीक्षित, शिवराम सिंह भी मौजूद रहे।

छात्र-छात्राओं ने पोस्टर बनाकर संदेश दिया। अमृत विचार

पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सीएसजेएमयू के स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेज में भूगोल विभाग की ओर से गुरुवार को पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित हुई। 'प्रकृति बचाओ-पर्यावरण संरक्षण' विषय पर हुई प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया और अपने रचनात्मक पोस्टरों के माध्यम से समाज को पर्यावरण जागरूकता का प्रेरक संदेश दिया। प्रतिभागियों ने अपने पोस्टरों में प्रकृति के संरक्षण, पर्यावरण अवनयन से उत्पन्न समस्याएं, जनसंख्या वृद्धि से बढ़ते संकट तथा पर्यावरणीय समाधान के उपायों को प्रस्तुत किया। उनके संदेशों में 'स्वच्छ पर्यावरण-सुरक्षित भविष्य' व 'पेड़ लगाओ, जीवन बचाओ' जैसी प्रेरक पंक्तियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। इस दौरान स्कूल की डिप्टी डायरेक्टर डॉ. अंजु दीक्षित ने कहा कि युवा पीढ़ी ही वास्तविक परिवर्तन की वाहक है, और इस प्रकार की गतिविधियां उनमें सामाजिक एवं पर्यावरणीय उत्तरदायित्व की भावना को प्रबल करती हैं। इस दौरान कार्यक्रम के संयोजक डॉ. दुर्गेश सिंह प्रमुख रूप से मौजूद रहीं।

सीएसजेएमयू में प्रस्तावित मांगलिक कार्य रोकें

कानपुर। सीएसजेएमयू में प्रस्तावित मांगलिक कार्य को रुकवाने के लिए गुरुवार को छात्रसंघ बहाली मोर्चा ने जिलाधिकारी को ज्ञापन दिया। छात्रों ने जिलाधिकारी से कहा कि नियम के तहत किसी भी शिक्षण संस्थान में मांगलिक कार्यों पर रोक लगी हुई है। ऐसी स्थिति में संस्थान परिसर में मांगलिक कार्य को रुकवाना चाहिए। ज्ञापन देने आए पदाधिकारी अभिजीत राय व अनस शाहू ने कहा कि संस्थान परिसर में होने वाले मांगलिक आयोजन से विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले युवाओं की पढ़ाई में खलल पड़ेगा। छात्रों की पढ़ाई में बाधा स्वीकार योग्य नहीं है। छात्रों ने कहा कि यदि विश्वविद्यालय परिसर में निजी आयोजन को रोका नहीं गया तो वे लोग आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। ज्ञापन देने वालों में शरद कनौजिया, प्रशांत राजावत और विष्णु पाल सहित अन्य छात्र मौजूद रहे।

डीएम को ज्ञापन देते छात्र नेता। अमृत विचार

कार्यालय ग्राम पंचायत इटायल विकास खण्ड गोहाण्ड (हमीरपुर)

पत्रांक :– मेमो/विज्ञप्ति/2025–26 दिनांक 06.11.2025

अल्पकालीन निविदा सूचना

राज्यपाल महोदय की ओर से लोक निर्माण विभाग, ग्रामीण अभियन्त्रण सेवा एवं लघु सिंचाई विभाग, एवं जी0एस0टी0 विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से राज्य वित्त आयोग/ पन्द्रहवाँ वित्त आयोग/मनरेगा योजना के अंर्तगत ग्राम पंचायत इटायल में निम्नलिखित निर्माण कार्यो हेतु सामग्री आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित किये जाते हैं जो दिनांक 13.11.2025 को अपरान्ह 03.00 बजे तक ग्राम पंचायत इटायल के कार्यालय में आमंत्रित की जाती है, जो उसी दिन अपरान्ह 3:30 बजे अधोहस्ताक्षरी द्वारा उपस्थित निविदादाताओ के समक्ष खोली जायेगी। निविदा कार्यालय दिवस में दिनांक 07/11/2025 से दिनांक 13/11/2025 तक कार्यालय में प्राप्त किये जायेंगे। बिना कारण बताये किसी भी निविदा को आंशिक अथवा पूर्ण रूप से अस्वीकार करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी में सुरक्षित रहेगा। कार्यालय अवधि में कार्य का सम्पूर्ण विवरण देखा जा सकता है।

क्र0 सं0	योजना का नाम	कार्य का नाम	स्वीकृत लागत/ सामग्री	धरोहर धनराशि 2%	निविदा का मूल्य + टी.टी.	कार्य पूर्ण होने की अवधि
1	केन्द्रीय/ राज्य वित्त	ग्रा0पं0 इटायल में गौशाला में मेनगेट से शेड तक सी0सी0 रोड निर्माण कार्य।	1,71,305.00	3,426.1 रू0	225+41	03 माह

अन्य शर्तें–

1. सशर्त निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी। 2. प्रतिशत में अंकित दर मान्य नहीं होगी। 3. सामग्री की मांग आवश्यकतानुसार घट – बढ़ सकती है। 4. आपूर्तिकर्ता टेन्डर डालने के पूर्व कार्य स्थल का निरीक्षण कर लें। 5. रायल्टी सम्बन्धी प्रपत्र एम0एम0–11 अन्तिम भुगतान के समय कार्यालय में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा, अन्यथा की स्थिति में नियमानुसार रायल्टी की कटौती बिल से काट ली जायेगी। 6. कार्य निर्धारित अवधि में पूर्ण किया जायेगा।

प्रधान
ग्राम पंचायत इटायल
विकास खण्ड– गोहाण्ड
(हमीरपुर)

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत इटायल
विकास खण्ड– गोहाण्ड
(हमीरपुर)

जनसुनवाई | महिला आयोग की सदस्य की जनसुनवाई में पहुंची पीड़िता

मैडम! मेरा पति गे है, विरोध करने पर पिटाई करता

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

महिला आयोग की सदस्य ने समस्याएं सुनीं। अमृत विचार

अमृत विचार। मैडम मेरा पति समलैंगिक (गे) है। वह अपने मित्र के साथ पत्नी की तरह रहता है। जब इस बात का विरोध करती हूं तो पति और ससुराल वाले मिलकर पीटते हैं। ये शिकायत गुरुवार को उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य अनीता गुप्ता से सर्किट हाउस में एक पीड़िता ने कहीं। महिला आयोग की सदस्य जनसुनवाई कर रहीं थीं। इस दौरान कई मामले उनके सामने आए, लेकिन जब यह मामला आई तो वहां मौजूद लोग भौचक रह गए। पीड़िता दर्द बताते हुए रो पड़ी। पीड़िता ने कहा कि पति कहता है कि वह उसके साथ नहीं रह सकता है। आंखों में आंसू लिए पहुंची महिला ने कहा कि मैडम मेरे पति का पब्लिकेशन का बिजनेस है। अप्रैल 2021 में दिल्ली में शादी हुई थी। विवाह के बाद से ही पति साथ रहने को तैयार नहीं थे लेकिन काफी दबाव के बाद वे तैयार हुए। उन दोनों का एक बच्चा है, लेकिन पति अब फिर से साथ रहने को तैयार नहीं हैं। वे पति- पत्नी का रिश्ता निभाने को तैयार नहीं हैं। एक बार उनकी जेब से कुछ आपत्तिजनक सामान मिला था तब पता चला कि उनका उनके दोस्त से समलैंगिक संबंध है। पति ने इस बात को स्वीकार किया। परिवार वाले भी उन्हीं का साथ देते हैं और विरोध पर मारपीट करते हैं। अनीता गुप्ता ने इस मामले में महिला थाना प्रभारी से कार्रवाई के लिए कहा।

साथ रहने को तैयार नहीं पति

- घंटाघर निवासी एक महिला ने बताया कि उसका विवाह 2022 में जालौन में हुआ था। पति कपड़े के कारोबारी हैं। उनका कोई बच्चा नहीं है। पति कहते हैं कि तुम दुबली हो इसलिए बच्चे नहीं हो रहे हैं। इसलिए तलाक दे दो। इस दौरान आयोग की सदस्य ने 21 मामलों की सुनवाई की। इनमें ज्यादातर मामले घरेलू हिंसा के थे। अनीता गुप्ता ने प्रत्येक मामले में कार्रवाई के निर्देश दिए। अनीता गुप्ता ने बाल संरक्षण गृह (बालिका), ख्योरा का निरीक्षण भी किया। उन्होंने परिसर की स्वच्छता, बालिकाओं के रहने, भोजन, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। इस अवसर पर एडीसीपी डॉ. अर्चना, अपर नगर मजिस्ट्रेट (द्वितीय) ऋतु प्रिया, जिला प्रोबेशन अधिकारी विकास सिंह, जिला दिव्यांगजन अधिकारी विनय उत्तम, महिला थाना प्रभारी कमर सुल्ताना उपस्थित रहीं।

सिटी ब्रीफ

तीन जगह बिजली चोरी पकड़ी

कानपुर। केस्को की विजिलेंस टीम ने गुरुवार को शहर में तीन जगहों पर बिजली चोरी पकड़ी। केस्को मीडिया प्रभारी देवेंद्र वर्मा के मुताबिक कर्नलगंज में मो .तारिक, शाहिद और रंजीतपुरवा में अंकित कुमार बिजली करते विजिलेंस टीम को मिलें हैं, जिनके खिलाफ बिजली चोरी की एफआईआर दर्ज कराई गई है। साथ ही आसपास के लोगों को बिजली चोरी न करने के लिए जागरूक भी किया। उन्होंने बताया कि बिजली चोरी के खिलाफ केस्को विजिलेंस टीम का अभियान लगातार जारी रहेगा।

1912 पर पहुंचीं 1184 शिकायतें

कानपुर। शहर में गुरुवार को कई जगह बिजली संकट रहा। बेनाझाबर में बिजली सुबह आठ बजे से दोपहर दो बजे तक, अजीतगंज, बेगमपुरवा में दोपहर 12 बजे से शाम चार बजे तक, सुजातगंज में दोपहर दो बजे से शाम चार बजे तक और अंबेडकरपुरम उपकेंद्र के सभी फीडरों बिजली की बिजली दोपहर दो बजे से शाम को चार बजे तक गुल रही, जिसकी वजह से लोगों को परेशानी हुई। केस्को के पास 1184 शिकायतें पहुंची, जिनमे से सिर्फ 405 शिकायतें निस्तारित हो सकी।

उत्पादन में रफ्तार बढ़ेगी भारी लाभ कमाएंगी महिला कर्मचारी

नए नियमों के तहत अब महिला कर्मचारी कर सकेंगी नाइट शिफ्ट में ड्यूटी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- कारखानों में काम करने वालों की अवधि भी 12 घंटे हुई

अमृत विचार। सरकार की ओर से कारखाना विधेयक को मंजूरी दिए जाने के बाद अब महिला कर्मचारी भी नाइट शिफ्ट में ड्यूटी कर सकेंगी। हालांकि इसके लिए नियोक्ता को महिला कर्मचारी की लिखित मंजूरी लेना अनिवार्य है। इसी तरह विधेयक में अब कारखानों में काम की अवधि 12 घंटे कर दी गई है। हालांकि साप्ताहिक कार्य अवधि 48 घंटे से अधिक नहीं होगी। सरकार के नए नियमों पर शहर के उद्यमियों ने इसे उत्पादन में तेजी लाने का कदम बताया है। खासतौर पर महिला कर्मचारियों के लिए बने नियम के तहत इसे उनके लिए लाभ दिए जाने वाला नियम बताया है। शहर की महिला उद्यमियों ने कहा कि नियम से खासतौर पर महिला कर्मचारियों को सबसे अधिक लाभ होगा। पहले वे चाहकर भी नाइट शिफ्ट नहीं कर सकती थीं। जिससे उनके ओवरटाइम का नुकसान हो जाता था। नए नियमों में अब यह बाधा दूर हो गई है।

प्रदेश सरकार के नए नियम नियोक्ता व कर्मचारी दोनों के लिए लाभदायक हैं। नियोक्ता को यह लाभ है कि उसका प्रोडक्शन अब बढ़ सकेगा। जिससे वह बाजार में अपना उत्पादन मांग के अनुरूप भेज सकेगा। इसी तरह कर्मचारियों को भी उसके अधिक अवधि के कार्य का अधिक भुगतान हो सकेगा। इससे उद्योग को बढ़ावा मिलेगा।

–सौम्या टकरू, उद्यमी

महिला कर्मचारियों को पहले नाइट शिफ्ट की अनुमति काफी जटिल प्रक्रिया था। अब महिला कर्मचारियों को भी नियम के तहत नाइट शिफ्ट करने की अनुमति मिल गई है। इससे महिला कर्मचारी को अधिक काम का अधिक भुगतान संभव हो सकेगा। वे अधिक लाभ कमा बेहतर जीवन जी सकेंगी।

–दीप्ती दुबे, उद्यमी

अपूर्वा ऐसी बहुत सी महिलाएं या युवतियां हैं जिनके लिए नाइट शिफ्ट करना काफी सहूलियत भरा हो सकता है। खासतौर पर ऐसी युवतियां जो दिन में पढ़ाई करती हैं। यदि वे रात में जॉब कर बेहतर वेतन हासिल कर सकती हैं तो उनके लिए सबसे अधिक लाभ है। इससे कई सेक्टर में लाभ होगा उत्पादन बढ़ेगा।

– अपूर्वा श्रीवास्तव, उद्यमी

ऐसी यूनिट जहां सौ में 25 महिला कर्मचारी हैं वहां पर कई बार नाइट शिफ्ट में महिला कर्मचारियों के न होने से उत्पादन पर असर पड़ता था। अब वह समस्या दूर हो जाएगी। नए नियमों से उत्पाद बढ़ेगा तो कर्मचारियों व महिला कर्मचारियों को भी लाभ होगा। इस नियम से उद्योग को रफ्तार मिलेगी।

–प्रेरणा वर्मा, उद्यमी

रंगोली में दिखी क्रिकेट विश्व कप जीतने की खुशी

कानपुर। वूमेन एंपावरमेंट वेलफेयर सोसाइटी ने अटल घाट पर विश्व विजेता महिला क्रिकेट टीम की रंगोली बना कर जश्न मनाया। इस टीम में अपर्णा ठाकुर, पार्थ गुप्ता, तान्या सैनी, मोहम्मद जैद, अभय सिंह, हिमांशी, प्रिय पाल, उन्नति ,आरती, प्रियंका गुप्ता, मनीषा गुप्ता, आकांक्षा गौतम रहीं। सभी को महापौर प्रमिला पांडेय ने ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। संस्था की संस्थापक डॉ . प्रतिभा मिश्रा ने टीम को जीत की बधाई दी। संस्था के अन्य सदस्य रानू रुचि आदि सब उपस्थित रहे ।

एकल चित्रकला प्रदर्शनी में दिखी नारी की झलक

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। दयानंद गर्ल्स डिग्री कॉलेज के चित्रकला विभाग की ओर से गुरुवार को तीन दिवसीय प्रदर्शनी की शुरुआत हुई। इस एकल प्रदर्शनी में डॉ पूर्णिमा तिवारी के बनाए चित्रों का प्रदर्शन किया गया। डॉ. नागेंद्र स्वरूप स्वरूप मेमोरियल सभागार में लगी प्रदर्शनी को देखने के लिए बड़ी संख्या में कला प्रेमी पहुंचे।

प्रदर्शनी की शुरुआत डायरेक्टर प्रो अर्चना वर्मा और डीजी कॉलेज की प्राचार्य प्रो वंदना निगम ने किया। प्रदर्शनी में एकल प्रदर्शनी के विषय में बताते हुए कार्यक्रम की संयोजिका प्रो शुभम शिवा ने कहा कि 38 साल के लम्बे सफर में डॉ तिवारी ने सैकड़ों नारी विषय पर आधारित चित्रों का सृजन किया है। इन चित्रों में नारी कभी भी उदास नहीं दिखती। चित्रों में विनम्रता से भरपूर कलाकृतियां मूक संवाद के साथ दर्शक से सफल सम्बन्ध स्थापित करतीं दिखतीं हैं। छोटे से छोटे व काफी बड़े कैनवास पर चित्रों का एक भंडार सा दिखता है जिनमें सखियों के साथ मस्ती करतीं नारियां आकर्षित करतीं हैं। कार्यक्रम में संयोजिका प्रो शुभम शिवा, डॉ पूर्णिमा तिवारी, प्रो अंजली श्रीवस्तव, प्रो रचना निगम, प्रो सुगंधा तिवारी, प्रो अलका श्रीवास्तव, प्रो अर्चना श्रीवास्तव भी मौजूद रहीं।

चित्रकला प्रदर्शनी देखते अतिथि। अमृत विचार

भवसागर से पार लगाते हैं प्रभु राम : आचार्य कृष्ण गोपाल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। महर्षि भारद्वाज के आश्रम में जब राम दर्शन करने जाते हैं तब भारद्वाज जी कहते हैं, हे राम! आपके दर्शन से आज हमारी तपस्या, तीर्थ यात्रा, त्याग, जप, योग, वैराग्य आदि सभी शुभ साधन सफल हो गये। भगवान के दर्शन ही सभी कर्मों का पूर्ण फल होता है। भवसागर से पार लगाते हैं प्रभु राम। यह बात आचार्य कृष्ण गोपाल ने फजलगंज स्थित चारखम्बा कुआं के समीप कृपा धाममंदिर में आयोजित राम कथा में कही।

उन्होंने कहा कि भगवान राम वाल्मीकि ऋषि के आश्रम में जाते हैं, जहां ऋषि राम जी को चौदह निवास स्थान प्रदान करते हैं। जिसमे कथा सुनने वाले कान, दर्शन करने वाली आंख, भगवान के श्रीचरण, तुलसी गंध ग्राहक नाक, आपके प्रसाद को पाने वाला मुख, आपके चरणों में झुकने वाला शीश, सेवा करने वाले हाथ, तीर्थ यात्रा करने वाले पांव, आप ही सर्वस्व हो, जिसके जो मंत्र जापक हों, तर्पण, होम, विप्र भोजन कराकर बहुत दान करें। सब कर्मों का फल आपको समझे, उसके हृदय में वास करना। जिसको आपके सिवाय कुछ नहीं चाहिए। आप हमेशा उन भक्तों के मन में निवास कीजिए। इस अवसर पर यजमान सुनील कपूर, सपना कपूर, दीप्ति कपूर, श्रुति कपूर, आचार्य प्रमोद तिवारी, व्यवस्थापक राजीव चतुर्वेदी,पंकज झा आदि उपस्थित रहे।

कथा सुनाते आचार्य कृष्ण गोपाल।

नए वोटर्स को नहीं मिल रहा फार्म-6

कानपुर। सपा कार्यालय में सपा बीएलए प्रहरियों के उड़न दस्ता की बैठक हुई, जिसमे नगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने कहा कि सीसामऊ, आर्य नगर, किदवई नगर, गोविंद नगर व कैंट विधानसभा क्षेत्रों में बीएलओ द्वारा मतदाता परिवारों को प्रत्येक मतदाता को दो गणना प्रपत्र की जगह एक गणना प्रपत्र फार्म दे रहे हैं, जिससे मतदाताओं को गणना प्रपत्र फॉर्म समय से भरने के लिए संदेह बनता जा रहा है। कई मतदाता परिवारों में 18 वर्ष के नए मतदाता है, लेकिन बीएलओ उन्हें फॉर्म 6 नहीं दे रहे हैं। वहीं, जिनके घर में ताला लगा है, वहां पर बीएलओ फॉर्म दरवाजें पर नहीं डाल रहे हैं। इसकी रिपोर्ट तैयार की जाए। इस दौरान प्रदेश सचिव केके शुक्ला, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव, महासचिव संजय सिंह, वरिष्ठ नेता सचिन तांगडी, सत्यनारायण समेत आदि रहे।

सिगरेट, बीड़ी के साथ ही हुक्का बढ़ा रहा फेफड़े का कैंसर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- 2021 में थे 131, 2023 में हुए 290, 2025 में हो गए 185 लंग्स कैंसर के मरीज

अमृत विचार। सिगरेट, बीड़ी, हुक्का, बाइक, कार, जेनरेटर व फैक्ट्री आदि से निकलने वाला विषाक्त धुआं न सिर्फ लोगों के फेफड़े को कमजोर कर रहा है बल्कि फेफड़े में ट्यूमर व कैंसर का कारण भी बन रहा है। इसमें प्रदूषण भी सहायक का काम करता है। ऐसे में अगर सीने में दर्द, खांसी और सांस लेने में दिक्कत जैसी समस्या होतो लापरवाही न बरतें, बल्कि अस्पताल में जाकर स्पेशलिस्ट डॉक्टर से परामर्श लें और जांच कराएं। कैंसर की स्टेज बढ़ने पर समस्या गंभीर हो जाती है। इसलिए लोगों को प्रतिवर्ष जागरूक करने के उद्देश्य से सात नवंबर को राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस मनाया जाता है। शहर में फेफड़ों का कैंसर लोगों में तेजी से बढ़ रहा है। रावतपुर स्थित जेके कैंसर संस्थान में इस साल जनवरी से लेकर अब तक करीब 195 मरीज फेफड़े के कैंसर से ग्रस्त मिल चुके हैं। जबकि वर्ष 2024 में यह आंकड़ा 180, 2023 में 290, 2022 में 217 और 2021 में 131 था। मुरारी लाल चेस्ट अस्पताल में भी प्रति सप्ताह एक से दो मरीज फेफड़ों के कैंसर से पीड़ित होकर इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। फेफड़ों में कैंसर होने का मुख्य कारण शौक में शुरू किया गया सिगरेट, बीड़ी व पान मसाला है। जो लोग नशा नहीं करते हैं, वह बाइक, कार, ट्रक, बस, जनरेटर व फैक्ट्री आदि से निकलने वाले धुएं से इस बीमारी की चपेट में आ जाते हैं। शुरुआत में सीने में दर्द, खांसी व सांस लेने में दिक्कत होती है, लेकिन नजरअंदाज करने पर यह घातक हो जाता है। जेके कैंसर संस्थान के निदेशक डॉ. एसएन प्रसाद ने बताया कि फेफड़े अंगों तक पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन पहुंचाते हैं। फेफड़े, शरीर में ताजा ऑक्सीजन लाते हैं और कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य अपशिष्ट गैसों को शरीर से बाहर निकालने में मदद करते हैं, ऐसे में इस अंग में होने वाली किसी भी तरह की समस्या काफी गंभीर और घातक हो सकती है। इनमे फेफड़ों में बार-बार पानी भरना, गांठ व कैंसर मुख्य कारण है।

चौथी स्टेज में रोगियों में काम नहीं करती थेरेपी

- मुरारी लाल चेस्ट अस्पताल के डॉ. संजय वर्मा ने बताया कि फेफड़ों में होने वाले कैंसर का मुख्य कारण सिगरेट, बीड़ी व धुआं होता है। कैंसर संभावित मरीज का पहले एक्सरे फिर सीटी स्कैन कराया जाता है। कैंसर की पुष्टि होने के बाद उसकी स्टेज का पता लगाया जाता हैं। अधिकतर मरीज चौथे स्टेज पर ही इलाज कराने आते है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। ऐसे मरीजों में कीमोथेरेपी व रेडिएशन थेरेपी अधिक काम नहीं आती है। दवाओं की मदद से मरीज को बचाने की कोशिश की जाती है। दूसरे या तीसरे स्टेज में आने वाले मरीज की जान बच जाती है। बताया कि बार-बार खांसी व निमोनिया होना भी फेफड़ा कैंसर का लक्षण हो सकता है।

इन लक्षणों से होती शुरुआत

- लगातार खांसी बने रहना, खांसी के साथ खून आना, सांस लेने में कठिनाई, वजन घटना, थकान, भूख नहीं लगना, शरीर में दर्द आदि फेफड़े के कैंसर के मुख्य लक्षण है। जीवन के लिए शरीर को ऑक्सीजन की जरूरत होती है। शरीर के सभी अंगों को क्रियाशील रहने के लिए ऑक्सीजन युक्त खून की आपूर्ति होती है। ऐसा नहीं होने से फेफड़ों के कैंसर का खतरा रहता है।

मुकाबला ग्रीनपार्क में 8 से 11 नवंबर के बीच उत्तर प्रदेश और नागालैंड के बीच रणजी मैच

यूपी के खिलाड़ियों ने अभ्यास में बहाया पसीना

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। रणजी ट्रॉफी में मेजबान उत्तर प्रदेश की टीम अपनी पहली जीत की तलाश में है। इसको लेकर खिलाड़ियों ने गुरुवार को ग्रीनपार्क स्टेडियम में जमकर पसीना बहाया। खिलाड़ियों ने गेंदबाजी और बल्लेबाजी को निखारा। वहीं, वार्मअप किया। इसके साथ ही नागालैंड टीम के खिलाड़ियों ने मौसम का मिजाज समझने के साथ स्टेडियम की पिच और आउटफील्ड भी परखी। ग्रीनपार्क स्टेडियम में 8 से 11 नवंबर के बीच मेजबान उत्तर प्रदेश और नागालैंड के बीच रणजी मैच खेला जाना है। घरेलू मैदान पर कमजोर प्रतिद्वंद्वी के सामने मेजबान उत्तर प्रदेश की टीम अपनी पहली जीत दर्ज करना चाहेगी। आंध्र प्रदेश और ओडिशा के खिलाफ ड्रा मुकाबले में पहली पारी में बढ़त से मेजबान टीम ने तीन-तीन अंक प्राप्त किए थे। गुरुवार को सुबह साढ़े नौ बजे उप्र टीम के मुख्य कोच अरविंद कपूर की देखरेख में कप्तान करन शर्मा, आर्यन जुयाल, आराध्य यादव, अभिषेक गोस्वामी, प्रियम गर्ग, माधव कौशिक ने करीब एक घंटे तक बल्लेबाजी का अभ्यास किया। टीम के सीनियर खिलाड़ियों ने तेज गेंदबाज आकिब खान, कुनाल त्यागी, शिवम मावी और स्पिनर शिवम शर्मा, प्रशांतवीर की फिरकी पर डटकर बल्लेबाजी की और लंबे-लंबे शॉट भी लगाए। इसके बाद स्लिप कैच व क्षेत्ररक्षण में खिलाड़ियों ने पसीना बहाया। उन टीम के मुख्य कोच अरविंद कपूर ने बताया उप्र की टीम इस मुकाबले में जीत के इरादे से उतरेगी।

ग्रीनपार्क में वार्मअप करते खिलाड़ी। अमृत विचार

तूबा खान व कृतिका अवस्थी बनीं विजेता

कानपुर। सीएसजेएमयू के कला, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय की ओर से वाद विवाद प्रतियोगिता हुई। प्रतियोगिता में '130वां संवैधानिक संशोधन विधेयकः एक कदम स्वच्छ शासन की ओर' विषय पर प्रतिभागियों ने चर्चा की। प्रतियोगिता में तूबा खान ने पहला व कृतिका अवस्थी ने दूसरा स्थान हासिल किया। तीसरे स्थान पर कार्तिकेय सिंह रहे।

प्रतियोगिता की शुरुआत संकाय की निदेशिका डॉ किरन झा, सह-निदेशक डॉ मानस उपाध्याय ने की। निर्णायक के रूप में प्रो. डीसी श्रीवास्तव व प्रो. आशुतोष सक्सेना ने प्रतिभागियों की प्रतिभा को परखा। निदेशिका डॉ किरन झा व निर्णायक मण्डल की ओर से विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का संचालन राजनीति विज्ञान की छात्राओं नित्या खन्ना व अनुभवी प्रजापति ने किया।

कार्यालय ग्राम पंचायत अलकछवा विकास खण्ड गोहाण्ड. (हमीरपुर)

पत्रांक :– मेमो / विज्ञप्ति/2025–26 दिनांक:–05–11–2025

अल्पकालीन निविदा सूचना

राज्यपाल महोदय की ओर से लोक निर्माण विभाग, ग्रामीण अभियन्त्रण सेवा एवं लघु सिंचाई विभाग, एवं जी0एस0टी0 विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से राज्य वित्त आयोग/पन्द्रहवाँ वित्त आयोग/मनरेगा योजना के अन्तर्गत ग्राम पंचाय अलकछवा में निम्नलिखित निर्माण कार्यो हेतु सामग्री आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित किये जाते है जो दिनांक 12–11–2025 को अपरान्ह 3: 00 बजे तक ग्राम पंचायत अलकछवा के कार्यालय में आमंत्रित की जाती है, जो उसी दिन अपरान्ह 3: 30 बजे अधोहस्ताक्षरी द्वारा उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जायेगी। निविदा कार्यालय दिवस में दिनांक 06–11–2025 से दिनांक 12–11–2025 तक कार्यालय में प्राप्त किये जायेंगे। बिना कारण बतायें किसी भी निविदा को आंशिक अथवा पूर्ण रूप से अस्वीकार करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी में सुरक्षित रहेगा। कार्यालय अवधि में कार्य का सम्पूर्ण विवरण देखा जा सकता है।

क्रमांक	योजना का नाम	कार्य का नाम	स्वीकृत लागत /सामग्री	धरोहर धनराशि 10%	निविदा का मूल्य + टी0टी0	कार्य पूर्ण होने की अवधि
01	अन्येष्ठि स्थल निर्माण योजना	ग्रा.प. अलकछवा में अन्येष्टि स्थल (शमशान घाट) निर्माण कार्य	24.38 लाख रु0	2.43 लाख रू0	(1000)+(180) रू0	03 माह

1. सशर्त निविदा स्वीकार नही की जायेगी।
2. प्रतिशत में अंकित दरें मान्य नही होगी।
3. सामग्री की मांग आवश्यकतानुसार घट–बढ़ सकती है।
4. आपूर्तिकर्ता टेन्डर डालने के पूर्व कार्य स्थल का निरीक्षण कर लें।
5. रायल्टी सम्बन्धी प्रपत्र एमह्नएमह्न–11 अन्तिम भुगतान के समय कार्यालय में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा, अन्यथा कि स्थिति में नियमानुसार रायल्टी की कटौती बिल से काट ली जायेगी।
6. कार्य निर्धारित अवधि में पूर्ण किया जायेगा।

ग्राम पंचायत /विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत अलकछवा
विकास खण्ड-गोहाण्ड (हमीरपुर)

न्यूज ब्रीफ

हॉकी के 100 वर्ष पूरे होने पर प्रतियोगिता आज

उन्नाव। हॉकी के 100 वर्ष पूरे होने पर उत्सव की तैयारी की जा रही है। स्पोर्ट्स स्टेडियम में 7 नवंबर को कार्यक्रम के साथ ही जिला स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी। जिला क्रीड़ाधिकारी मुकेश कुमार सब्बरवाल ने बताया कि कार्यक्रम में भारतीय हॉकी के सुनहरे 100 साल की गौरवगाथा को याद किया जाएगा। इसमें हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद्र जैसे खिलाड़ियों को नमन किया जाएगा।

क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए चयन 10 नवंबर को

उन्नाव। जिला क्रिकेट एसोसिएशन के महामंत्री पीके मिश्रा ने बताया कि जालौन क्रिक्रेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित अंडर-16 राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता हेतु जिला क्रिकेट एसोसिएशन की टीम का चयन 10 नवंबर को राजा शंकर सहाय इंटर कॉलेज में होगा। पंजीकरण की अंतिम तिथि 9 नवंबर है।

दहेज हत्या के दोषी को 7 साल की सजा

उन्नाव। दहेज हत्या के मामले में कोर्ट ने अंतिम सुनवाई के बाद पति को दोषी ठहराते हुए 7 साल की सजा सुनाई है। बांगरमऊ कोतवाली पुलिस ने 9 जनवरी-2021 को क्षेत्र के अतरधनी गांव निवासी तालिब पर डीपी एक्ट में रिपोर्ट दर्ज की थी। 12 जनवरी को पुलिस ने उसे पकड़कर जेल भेजा था। सीओ गौरव त्रिपाठी ने साक्ष्य एकत्र कर 9 अप्रैल-2021 को कोर्ट में चार्जशीट पेश की थी। तभी से केस एडीजे-7 की कोर्ट में विचाराधीन था। गुरुवार को मुकदमे की अंतिम सुनवाई के दौरान न्यायाधीश ने शासकीय अधिवक्ता हरीश अवस्थी की दलील व साक्ष्य के आधार पर तालिब पुत्र अब्दुल सत्तार को 7 साल की सजा सुनाई।

ट्रैक्टर चालक की मौत

उन्नाव। हरदोई जिले के माधवगंज थाना क्षेत्र के मुडिया खेड़ा गांव निवासी कृष्णा (26) पुत्र बलराम बुधवार देर रात लखनऊ से नया ट्रैक्टर लेकर बांदा जा रहा था। तभी बिहार थाना क्षेत्र के पाटन - पुरवा मार्ग पर पनहन गांव के पास के ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे गड्ढे में जाकर पलट गया। जिसके नीचे दबने से कृष्णा गंभीर घायल हो गया। राहगीरों की सूचना पर उसे पुरवा सीएचसी लाया गया। जहां से उसे जिला अस्पताल भेजा गया। लेकिन इलाज शुरू होने के कुछ देर में उसकी मौत हो गई।

आशा कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

बिछिया, उन्नाव। सीएचसी बिछिया परिसर में आशा कार्यकर्ताओं व संगिनियों ने गुरुवार को प्रदर्शन कर सरकार पर शोषण करने का आरोप लगाया। साथ ही मांगे पूरी न होने पर आंदोलन की चेतावनी भी दी। आशा अध्यक्ष सुनीता ने कहा कि शासन-प्रशासन आशा कार्यकर्ताओं का शोषण कर रहा है। उन्हें कई विभागों के कामों में लगाया जाता है। मानदेय के नाम पर मात्र 2000 रुपये दिया जाता है। बीते अप्रैल से नवम्बर माह तक का मानदेय नहीं मिला है। लगातार मांग के बाद भी सरकार ध्यान नहीं दे रही है। आशाओं ने सामूहिक रूप से सीएचसी अधीक्षक डॉ. नरेंद्र कुमार को मांगपत्र सौंपा है। इसमें आशाओं का 18 व संगिनियों का 24 हजार मानदेय करने की मांग की गई। इस दौरान रोली, पुष्पा, सरिता, किरण, पूजा आदि आशाबहू मौजूद रहीं।

ट्रेन की चपेट में आकर युवक की गई जान

नवाबगंज। सोहरामऊ थानाक्षेत्र के जैतीपुर गांव के मजरा गणेश खेड़ा निवासी संजय (35) पुत्र जगदीश गुरुवार को खेत जाने के लिए घर से निकला था। वह गांव के बाहर से निकले लखनऊ-कानपुर रेलवे ट्रैक पार कर रहा था। तभी उसकी ट्रेन की चपेट में आने से मौके पर मौत हो गई। एसओ संदीप शुक्ला ने बताया कि पंचनामा भर कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

सरस्वती मेडिकल कॉलेज में ईडी का छापा

नवाबगंज। फर्जी डिग्री प्रकरण को लेकर बड़ी कार्रवाई सामने आई है। सोहरामऊ थानांतर्गत टोल प्लाजा के पास स्थित सरस्वती मेडिकल कॉलेज में गुरुवार सुबह ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) की टीम ने छापेमारी की। यह छापेमारी सुबह करीब 8 बजे शुरू होकर शाम तक जारी रही। ईडी के 15 अधिकारी 4 गाड़ियों से कॉलेज पहुंचे और प्राचार्य आरएन श्रीवास्तव को साथ लेकर प्रशासनिक परिसर को कब्जे में ले लिया। हालांकि, अकाउंट सहित अन्य विभाग बंद मिले और कोई जिम्मेदार मौजूद नहीं मिला। टीम रजिस्ट्रार प्रभाकर के ऑफिस में बैठी रही और एचआर धर्मेंद्र कुमार से पूछताछ करती रही। कालेज के प्रशासनिक डायरेक्टर गुलाब सिंह से जब बात की गई तो वे कुछ भी कहने से बचते रहे। इस दौरान कई कर्मचारियों के मोबाइल फोन भी जब्त किए जाने की बात सामने आई है।

गगनी खेड़ा में वृद्ध की गोली मारकर हत्या

पूर्व सभासद समेत 9 पर मुकदमा, अजीत हत्याकांड के मुख्य आरोपी के पिता को मारी गई गोली

संवाददाता, शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के गगनी खेड़ा गांव में 3 माह पहले हुए अजीत हत्याकांड की रंजिश में बुधवार देररात फिर खूनी खेल हुआ। हत्या के मुख्य आरोपी अशोक निषाद के 80 वर्षीय पिता हीरालाल उर्फ मुनीम की उनके घर में घुसकर गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने पत्नी महादेई की तहरीर पर पूर्व सभासद समेत 9 के विरुद्ध हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है।

हीरालाल (फाइल फोटो)

जानकारी के मुताबिक, हीरालाल उर्फ मुनीम अपनी गगनी खेड़ा गांव में रहने वाली बेटी सरला के घर पत्नी महादेई के साथ रहते थे। सरला ने बताया कि मंगलवार रात खाना खाने के बाद पिता हीरालाल आंगन में चारपाई पर सो रहे थे। इसी बीच गांव के ही सोनू निषाद, राजकुमार, जितेंद्र, महेश निषाद, गोविंद, संतोष, अमन, मंटानी और मनोज घर में घुस आए और फायरिंग कर दी। एक गोली हीरालाल के गले में लगी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। फायरिंग की आवाज सुनकर गांव में अफरा-तफरी मच गई। घटना की जानकारी मिलते ही डायल पुलिस, एसओजी, सर्विलांस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। रिपोर्ट में गर्दन पर गनशॉट की पुष्टि हुई और छर्रे फंसे मिले। कोतवाली प्रभारी अजय कुमार सिंह ने बताया कि मृतक की पत्नी की तहरीर पर नौ आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है। छह संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। मृतक के घर पर ग्रामीणों की भीड़ जुटी रही। मौके पर पहुंचे पुलिस लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। गांव में तनाव को देखते हुए पुलिस को तैनात किया गया है।

हत्या के बाद बिलखती पत्नी, बेटी व अन्य। अमृत विचार

तीन माह पहले हुई थी अजीत की हत्या

31 अगस्त को गगनी खेड़ा गांव में पुरानी रंजिश के चलते फायरिंग की घटना हुई थी, जिसमें गांव के सोनू निषाद के दस वर्षीय बेटे अजीत की गोली लगने से मौत हो गई थी। पुलिस ने उस मामले में मुख्य आरोपी अशोक निषाद को मुठभेड़ में गिरफ्तार कर जेल भेजा था। वहीं साकेत पाल को मुठभेड़ में घायल कर पकड़ा गया था। शुभम गौतम उर्फ सत्या, धनंजय सिंह, सुनील, दीपक सविता, राकेश कनौजिया, को भी पुलिस जेल भेज चुकी है। मुख्य आरोपी अशोक अभी भी जेल में है। वहीं आरोपी अमित और सूरज ने न्यायालय में आत्मसमर्पण किया था।

दाह संस्कार को लेकर पुलिस से हुई नोकझोंक

पोस्टमार्टम के बाद पुलिस शव को मिश्रा कॉलोनी श्मशान घाट लेकर पहुंची, जहां मृतक के दोनों बेटे अशोक और विनोद जेल में बंद होने के कारण परिजनों ने अंतिम संस्कार से इनकार कर दिया। परिवार की महिलाओं ने पुलिस से तीखी नोकझोंक की और आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ जेल में बंद बेटों को बुलाने की मांग पर अड़ गईं। इसके बाद शव को लेकर परिजन घर लौट गए।

बीएसए ने 3 शिक्षकों को किया निलंबित

- 2 शिक्षामित्रों का रोका मानदेय
- बीएलओ ड्यूटी से इंकार करने पर हुई कार्रवाई

उन्नाव, अमृत विचार। बीएलओ ड्यूटी करने से मना करने पर विकास खंड सफीपुर के दो व विकास खंड मियागंज के 1 शिक्षक को निलंबित कर दिया गया है। जबकि दो शिक्षामित्रों का मानदेय अगले आदेशों तक रोक दिया गया है।

खंड शिक्षाधिकारी अनीता शाह ने बताया कि विकासखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय नौबतपुर में तैनात शिक्षामित्र शिवकांती ने बीएलओ ड्यूटी लेने से मना कर दिया। प्राथमिक विद्यालय अतहा की सहायक शिक्षिका नेहा गुप्ता, उच्च प्राथमिक विद्यालय सफीपुर के सहायक शिक्षक चंद्रभूषण की ड्यूटी बीएलओ में लगाई गई थी। उन्होंने ड्यूटी लेने से मना कर दिया। कंपोजिट विद्यालय बड़ादेव बह्मना की शिक्षामित्र सुमन देवी की भारत निर्वाचन आयोग के महत्वपूर्ण मतदाता पुनरीक्षण के लिए ड्यूटी लगाई गई थी। उन्होंने भी ड्यूटी लेने से मना कर दिया। कई बार चेतावनी देने के बाद भी ड्यूटी करने से मना करते थे। एसडीएम द्वारा अवगत कराने के बाद भी आदेश की अवहेलना करने वाले सहायक शिक्षकों चंद्रभूषण, नेहा गुप्ता को निलंबित कर खंड शिक्षाधिकारी कार्यालय सफीपुर से संबद्ध कर दिया गया। जबकि शिक्षामित्र शिवकांती व सुमन देवी का मानदेय अग्रिम आदेशों तक रोकने के निर्देश दिए। साथ ही मियागंज, बांगरमऊ व फतेहपुर चौरासी बीईओ को जांच के निर्देश दिए गए हैं। बीएलओ ड्यूटी न लेने पर विकासखंड मियागंज के प्राथमिक विद्यालय केशवपुर के शिक्षक गोविंद गोपाल को भी निलंबित किया गया है।

साले ने परिजनों के साथ मिलकर बहनोई को पीट-पीटकर मार डाला

संवाददाता, उन्नाव

- पत्नी की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर शुरू की कार्रवाई
- आरोप है कि नशे में ससुराल पहुंच कर युवक ने की थी अभद्रता

अमृत विचार। अचलगंज थानाक्षेत्र के बड़ौरा गांव में आपसी विवाद में एक युवक की उसके साले ने बेटे के साथ मिलकर पीट-पीटकर हत्या कर दी। पत्नी की तहरीर पर पुलिस ने कार्रवाई शुरू की है।

बता दें कि बड़ौरा गांव निवासी नारेंद्र उर्फ लाला (45) पुत्र रामलाल ने गांव की सजातीय युवती से 18 साल पहले शादी की थी। इसके बाद वह पत्नी के साथ लखनऊ में रह रहा था। मामला शांत होने पर वह गांव लौट आया। बताते हैं कि वह शराब का लती व अपराधी प्रवृत्ति का था। गुरुवार दोपहर वह ससुराल पहुंचा जहां रुपए के लेनदेने को लेकर उसकी साले गंगाराम पुत्र बद्री से कहासुनी हो गई। आरोप है कि उसने साले की पत्नी से अभद्रता करते हुए मारपीट की। इससे गुस्साए गंगाराम

ने परिजनों की मदद से उसे घर के बाहर बरामदे में खंभे से बांध दिया। जिसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। हालांकि, अमृत विचार ऐसे किसी भी वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

उधर, गंगाराम उसके बेटे कमलेश व अन्य लोगों ने नारेंद्र की जमकर लाठी-डंडों से पिटाई कर दी। उसकी हालत बिगड़ने पर लोगों ने उसे किसी तरह छुड़ाया। पीआरवी व एंबुलेंस से उसे बिछिया सीएचसी लाया गया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताते हैं कि ससुराल वाले ही उसे सीएचसी लाए थे। लेकिन उसकी मौत होने पर सभी मौके से भाग निकले।

एसओ राजेश पाठक ने जांच कर शव मोर्चरी भेजा और गांव पहुंच कर घटना स्थल की जांच कर लोगों के बयान दर्ज किए। लोगों में चर्चा है कि गंगाराम की जमीन एक्सप्रेस-वे निर्माण में गई थी। इसका उसे मुआवजा मिला था। इससे नारेंद्र साले से रुपये मांगता था। पति की मौत से पत्नी नन्ही, बेटा नितिन व बेटी संगीता बेहाल हैं। सीओ मधुपनाथ मिश्रा ने बताया कि युवक की हत्या हुई है।0 पत्नी की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर हत्या के कारणों की जांच की जा रही है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगाई गई है।

बाइक और स्कूटी में हुई टक्कर, युवतियों ने युवकों को जड़े थप्पड़

शुक्लागंज। बुधवार देररात फोरलेन स्थित अंबिकापुरम के पास बाइक व स्कूटी की टक्कर हो गई। इसके बाद गुस्साई युवतियों ने बाइक सवार दो युवकों को पीट दिया। घटना का वीडियो किसी ने बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। पुलिस ने युवतियों की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रात करीब दस बजे मगरवारा से दो युवतियां स्कूटी पर सवार होकर शुक्लागंज की ओर आ रही थीं। तभी पीछे से आ रहे बाइक सवार युवकों ने स्कूटी में टक्कर मार दी, जिससे दोनों वाहन गिर गए। टक्कर के बाद हुई नोकझोंक में युवतियों ने दोनों युवकों को थप्पड़ जड़ दिए। राहगीरों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। वायरल वीडियो की पुष्टि 'आपका अमृत विचार अखबार' नहीं करता है। पुलिस ने बाइक के नंबर के आधार पर युवकों की तलाश शुरू कर दी है।

कार की टक्कर से युवक की गई जान

नवाबगंज, उन्नाव, अमृत विचार। शहर से मजदूरी कर लौट रहे युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई। हादसे की खबर मिलते ही परिजनों में चीखपुकार मच गई।

अजगैन कोतवाली क्षेत्र के मकूर गांव निवासी मीनू (35) पुत्र स्व. रामऔतार मजदूरी करता था। बुधवार रात वह उन्नाव से काम कर लौट रहा था। तभी गांव से 1 किमी पहले अजगैन-मोहान मार्ग पर तेज रफ्तार कार ने उसकी साइकिल में टक्कर मार दी। सड़क पर गिरने से वह कार के पहिए के नीचे आ गया और उसकी साइकिल भी चकनाचूर हो गई। राहगीरों की सूचना पर परिजन उसे सीएचसी लाए जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसकी खबर मिलते ही मां शिव देवी बेहाल हो गई। भाई लाखन ने बताया कि मीनू 5 भाइयों सूघड़, लाखन, बद्री व साहबलाल में छोटा था। इसमें साहबलाल की भी बाराबंकी में सड़क हादसे में जान चली गई थी। भाई ने बताया कि मीनू की शादी हुई थी। लेकिन 7 साल पहले उसकी पत्नी बेटी गुड़िया को ससुराल में छोड़कर मायके चली गई थी। बाद में आपसी रजामंदी से दोनों ने संबंध विच्छेद किए थे। पिता की मौत से बेटी भी बेहाल है। एसएचओ सुरेश सिंह ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंपा गया है। तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मीनू (फाइल फोटो)

एक्सप्रेस-वे से नीचे पलटी बस, 20 यात्री घायल

हसनगंज। बुधवार देररात आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर बड़ा सड़क हादसा हो गया। यात्रियों से भरी एक डबल डेकर बस गोभी लदे लोडर से टकराकर अनियंत्रित होकर डिवाइडर तोड़ते हुए एक्सप्रेस-वे के नीचे पलट गई। हादसे में 20 यात्री गंभीर घायल हो गए।

दिल्ली से बनारस जा रही डबल डेकर स्लीपर बस तेज रफ्तार में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे से जा रही थी। तभी सामने चल रही एक गोभी लदी लोडर अचानक धीमी हो गई। रफ्तार तेज होने से बस चालक वाहन को नियंत्रित नहीं कर सका और पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर तोड़ते हुए नीचे जा गिरी। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, यूपीडा कर्मी व एंबुलेंस टीम मौके पर पहुंची और खिड़कियां तोड़कर यात्रियों को बस से बाहर निकाला और घायलों को तत्काल सीएचसी औरास भेजा गया। जहां से गंभीर घायल यात्रियों को लखनऊ के लोकबंधु अस्पताल रेफर किया गया। बस यात्री लखनऊ, सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, अंबेडकरनगर व जौनपुर के बताए जा रहे हैं। घायल यात्रियों में कई महिलाएं व बच्चे भी हैं। यात्रियों ने बताया कि हादसे से ठीक पहले चालक मोबाइल पर बात कर रहा था और वाहन की रफ्तार काफी तेज थी। घटना की सूचना पर सीओ हसनगंज अरविंद चौरसिया व थाना पुलिस मौके पर पहुंची। उन्होंने राहत-बचाव कार्य कर ट्रैफिक को सुचारु कराया।

तीनों भाइयों की एक साथ उठी अर्थी

उन्नाव-लालगंज हाईवे पर हुआ था हादसा

संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार Follow UP

अमृत विचार। बिहार थानाक्षेत्र में मंगलवार रात सड़क हादसे में जान गंवाने वाले 3 सगे भाइयों का गांव के बाहर अंतिम संस्कार किया गया। इस हृदय विदारक घटना से पूरे गांव में मातम का माहौल रहा। क्षेत्रीय विधायक सहित अन्य दलों के नेताओं ने दुखी परिजनों से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाया।

बता दें कि मौरावां थानाक्षेत्र के अकोहरी गांव के मजरा बखतखेड़ा निवासी तीन सगे भाई अरुण, सचिन व छोटू बीती मंगलवार रात गंगा स्नान के लिए एक बाइक से निकले थे। तभी देररात बिहार-मौरावां मार्ग से उन्नाव-लालगंज हाईवे के मोड़ पर लोडर की टक्कर से तीनों की मौत हो गई थी। बुधवार को पोस्टमार्टम के बाद शव घर पहुंचने में शाम होने से गुरुवार को एक साथ तीनों भाइयों की अर्थी उठीं तो परिजनों में चीखपुकार मच गई। मां गंगावती, अरुण की पत्नी क्षमा बार-बार बेहोश होती रहीं। पुरवा विधायक अनिल सिंह ने अपनी ओर से परिजनों की एक लाख की मदद की और परिजनों को दो बीघा जमीन दिलाने की भी बात कही। इसके साथ ही अधिकारियों से बात कर दुर्घटना बीमा की धनराशि जल्द दिलाने का आश्वासन दिया।

सांसद साक्षी महाराज के प्रतिनिधि अमितेष सिंह नंदू ने भी 10 हजार की मदद की। समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव गिरधारी लाल लोधी, पूर्व विधायक उदयराज यादव, उत्तम चंद्र लोधी आदि ने भी परिजनों को ढांढस बंधाया। एसओ मौरावां कुंवर बहादुर सिंह ने बताया कि तीनों शवों का अंतिम संस्कार गांव के बाहर खेतों में कराया गया है।

प्रतियोगिता में उत्कृष्ट स्थान पाने वाले छात्र सम्मानित

सम्मानित छात्रों के साथ संगठन के पदाधिकारी। अमृत विचार

उन्नाव, अमृत विचार। विकासखंड सफीपुर की न्याय पंचायत स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता व गणित ओलंपियाड प्रतियोगिता के विजेता बच्चों को उच्च प्राथमिक विद्यालय करीमाबाद व कम्पोजिट विद्यालय रनियामऊ में कार्यक्रम आयोजित कर को सम्मानित किया गया।

प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षित स्नातक संगठन के बैनर तले आयोजित कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष संजीव संखवार ने कहा कि कड़ी मेहनत व लगन ने बच्चों को यह मुकाम दिलाया है। मुझे इन बच्चों पर गर्व है और आशा है कि यह जीत भविष्य में और भी ऊंचाइयों पर ले जाएगी। जिला कोषाध्यक्ष अमित तिवारी ने कहा कि यह जीत टीम वर्क, कड़ी मेहनत व दृढ़ संकल्प का नतीजा है। यह जीत बच्चों के शारीरिक व मानसिक कौशल को और निखारेगी और उन्हें भविष्य के लिए प्रेरित करेगी। बीईओ अनीता साह ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। न्याय पंचायत स्तरीय प्रतियोगिता में कबड्डी में रनियामऊ, खो-खो प्रतियोगिता में करीमाबाद ने प्रथम स्थान प्राप्त किया और उच्च प्राथमिक विद्यालय करीमाबाद के कक्षा-8 के छात्र जिगर ने गणित ओलंपियाड प्रतियोगिता में सफ़ीपुर ब्लाक में शीर्ष-10 में स्थान बनाया। कार्यक्रम में ज्ञानेंद्र कुशवाहा, देवेन्द्र त्रिपाठी, सुधीर कुशवाहा, संतोषी देवी, अनूप साहू, राहुल आदि उपस्थित रहे।

सिटी डायरी

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ का प्रतिनिधिमंडल बीएसए से मिला

बीएसए को ज्ञापन देते संघ के पदाधिकारी।

उन्नाव। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिलाध्यक्ष भरत चित्रांशी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल बीएसए अमिता सिंह से मिला। इसमें शिक्षकों व शिक्षामित्रों की विभिन्न समस्याओं को रखते हुए मांग की कि उन्हें हल किया जाए। जिन शिक्षकों को बीएलओ ड्यूटी में लगाया गया है उन्हें विद्यालयीय कार्यों से मुक्त रखने के लिये जिलाधिकारी से अनुरोध किया जाय। शिक्षामित्रों, अनुदेशकों व रसोइयों को समय से मानदेय भुगतान किया जाए। मानव संपदा पोर्टल में संशोधन हेतु महानिदेशक स्कूल शिक्षा द्वारा दिए निर्देशों के क्रम में विद्यालय व ब्लॉक स्तर पर शिविर आयोजित कर संशोधन कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए जाएं। प्रतिनिधि मंडल में जिला उपाध्यक्ष धर्मेश श्रीवास्तव, गणेश शंकर गुप्ता, अजय प्रताप सिंह, जिला महामंत्री संकल्प मिश्रा, सोनू बाजपेई, अंबिका प्रसाद चौरसिया, सुधाकर तिवारी, गंगा बख्श गौतम, यशपाल सिंह, इरफान व गंगा बख्श गौतम आदि मौजूद रहे।

बैठक को संबोधित करतीं संयुक्त सचिव अदिति सिंह।

उन्नाव महोत्सव में आल्हा प्रस्तुत करतीं नैना गौतम।

नवीन तकनीक से किसानों को किया जाए जागरूक : अदिति सिंह

उन्नाव। भारत सरकार की संयुक्त सचिव अदिति सिंह ने विकास भवन सभागार में प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना की बैठक कर योजना की प्रगति के लिए बेहतर प्लान बनाकर सुधार के सुझाव संबंधित अधिकारियों को दिए। बैठक में संयुक्त सचिव ने कृषि धन-धान्य योजना से जुड़े अफसरों को निर्देशित किया कि राष्ट्रीय अजीवका मिशन की ड्रोन सखी व कृषि सखी की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है उनकी भूमिका तय करते हुए उनकी ट्रेनिंग कराई जाए। कहा कि किसान गुणवत्तापूर्ण उत्पादन कर आत्मनिर्भर बने ऐसी कृषि पद्धतियां नवीन तकनीकी से किसानों को जागरूक करें।

उन्नाव महोत्सव में जादू, रैप व आल्हा का संगम

उन्नाव। शहर के जीआईसी मैदान में चल रहे 13 दिवसीय उन्नाव महोत्सव के छठे दिन कई कार्यक्रम आयोजित हुए। इसमें जादूगर वी कुमार ने अपने मुंह से सैकड़ों ब्लेड निकालने और बार-बार खाली मटके से पानी निकालने के अलावा कई कारनामे दिखाकर लोगों का मनोरंजन किया। राठौर अकादमी बांगरमऊ के बैनर तले मोहित राठौर ने स्वरचित रैप सांग गाकर सबका दिल जीता और वेस्टर्न डांस भी किया। रैप गायक राहुल गॉड पॉप व सरदार पाजी ने भी अपनी प्रस्तुति से सबको लुभाया। सत्यकाम सेवा फाउंडेशन कानपुर के बच्चों ने देश भक्ति प्रस्तुति दी।

हर्षोल्लास

5100 दीपों से जगमग हुआ घाट

आनंद घाट पर मनाई गई देव दीपावली

संवाददाता, शुक्लागंज

अमृत विचार। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी कार्तिक पूर्णिमा के दूसरे दिन आनंद घाट पर खिचड़ी भोज का आयोजन किया गया। जहां लोगों ने गरमा गरम खिचड़ी का आनंद उठाया। वहीं शाम के समय 5100 दीपों का दान कर मां गंगा की महाआरती का आयोजन कर प्रसाद बांटा गया।

बालूघाट स्थित आनंद घाट पर कार्तिक पूर्णिमा के दूसरे दिन नित्य गंगा आरती सेवा समिति की ओर से गंगा तट पर दोपहर के समय खिचड़ी भोज का आयोजन कराया गया। जिसके बाद घाट

देव दीपावली के दौरान होती मां गंगा की महाआरती। अमृत विचार

पर एक से बढ़ कर एक रंगोली सजाई गई। शाम के समय मां गंगा की महाआरती की गई। आरती के दौरान शंख, घंटा घडियाल की आवाज से पूरा घाट गूंजायमान हो गया। इसके साथ ही मां गंगा को 5100 दीपों का दान किया गया। गंगा की लहरों के साथ बहते जा रहे दीप अपनी छटा बिखेर रहे थे और गंगा की धारा दीपों से टिमटिमाने लगी। इस मौके पर शिल्पी राकेश दीक्षित ने बताया कि उनके पति हर साल कार्तिक पूर्णिमा के दूसरे दिन खिचड़ी भोज का आयोजन कराते थे। उसी को देखते हुये उनके निधन के बाद अब वह प्रत्येक वर्ष कार्तिक पूर्णिमा के बाद दूसरे दिन खिचड़ी भोज कराती है। इस मौके पर पालिकाध्यक्ष कौमुदी पांडे, ध्रुव दीक्षित, पप्पू तिवारी, हरीओम गुप्ता, अमित बाजपेई, अशोक दुबे, विपिन मिश्रा समेत तमाम गंगा प्रेमी मौजूद रहे।

कार्तिक पूर्णिमा के दूसरे दिन गंगा स्नान को उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़। अमृत विचार

गंगा रेती में लोगों ने पकाई खिचड़ी

शुक्लागंज। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर गुरुवार को गंगाघाट समेत कई स्थानों पर हजारों की संख्या में लोगों ने रेती मे खिचड़ी पकाने के लिए परिवार के साथ पहुंच गए। इसके साथ ही श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान भी किया। जिसके बाद परिवार के साथ गंगा तट पर खिचड़ी पकाकर पिकनिक मनाई। यह सिलसिला देर शाम तक चलता रहा। जिसके बाद गंगा तट आये लोगों ने परिवार के साथ मेले का आनंद लिया।

अमृत विचार

शुक्रवार, 7 नवंबर 2025

यदि हम प्रश्न नहीं करेंगे, तो हम यांत्रिक जीवन जीएंगे।

–जे कृष्णामूर्ति, दार्शनिक

ममदानी की मुश्किलें

प्रख्यात फिल्म निर्देशक मीरा नायर के पुत्र और भारतीय मूल के युवा नेता ज़ोहरान ममदानी ने जब न्यूयॉर्क के मेयर पद के लिए अपनी उम्मीदवारी पेश की थी, तब से ही यह नाम न केवल अमेरिका बल्कि समूचे विश्व में चर्चा का विषय तो बना हुआ था, मगर जीत की संभावना महज एक फीसदी थी। प्रत्याशित तौर पर अरबपतियों के इस शहर में मध्यमवर्ग और वंचितों के अधिकारों की बात करने वाला यह सोशल डेमोक्रेट जीत गया। ज़ोहरान ममदानी पिछले सौ वर्षों में न्यूयॉर्क के सबसे युवा मेयर बने हैं। वे इस पद पर आसीन होने वाले पहले भारतवंशी और पहले मुस्लिम भी हैं। उन्हें 10 लाख से अधिक मत प्राप्त हुए,पिछले सात दशकों में किसी भी उम्मीदवार से अधिक। उन्होंने ट्रंप समर्थक रिपब्लिकन उम्मीदवार को 44 प्रतिशत के बड़े अंतर से हराते हुए तीसरे स्थान पर धकेल दिया। इस जीत ने न केवल अमेरिकी राजनीति में एक नई हवा भरी है, बल्कि प्रवासी समुदायों में आत्मविश्वास भरते हुए कहा, "यह शहर अप्रवासियों ने बनाया, अप्रवासियों ने चलाया और अब एक अप्रवासी के नेतृत्व में बढ़ेगा।"

उनकी पहचान एक प्रगतिशील डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट के रूप में है। उन्होंने मुफ्त बस सेवा, सार्वभौमिक चाइल्ड केयर और 2030 तक न्यूनतम मजदूरी 30 डॉलर प्रति घंटा करने जैसे महत्वाकांक्षी वादे किए हैं, लेकिन इन योजनाओं पर अरबों डॉलर का खर्च आएगा और इसके लिए उन्होंने अमीरों पर कर बढ़ाने का प्रस्ताव रखा है, जिस पर विरोध के स्वर मुखर हैं, जिससे उनके सामने प्रशासनिक और राजनीतिक चुनौतियों का एक कठिन दौर शुरू होना तय है। इसी बीच पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उन्हें 'कम्युनिस्ट' करार देते हुए शहर की संघीय सहायता में कटौती और नेशनल गार्ड भेजने की धमकी दी है। यह खतरा इसलिए बड़ा है, क्योंकि न्यूयॉर्क का बजट काफी हद तक संघीय फंडिंग पर निर्भर करता है। यदि यह सहायता कम होती है, तो ममदानी की विकास योजनाएं गंभीर संकट में पड़ सकती हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी स्वयं इस समय दो हिस्सों में बंटी दिख रही है, जहां बर्नी सैंडर्स और अलेक्जेंड्रिया ओकासियो-कोर्टेज जैसे प्रगतिशील नेता ममदानी के समर्थन में हैं, वहीं कई उदारवादी नेता चिंतित हैं कि उनकी समाजवादी नीतियां पार्टी की पारंपरिक राजनीति को कमजोर कर सकती हैं।

इसके बावजूद, ममदानी की यह विजय केवल एक चुनावी जीत नहीं है, यह उस सोच की जीत है जो सामाजिक न्याय, समान अवसर और नागरिक कल्याण को राजनीति का केंद्र बनाना चाहती है। उन्होंने यह दिखा दिया है कि जनआकांक्षाओं से जुड़ी नीतियां, यदि सच्चे इरादों से प्रस्तुत की जाएं, तो बड़े से बड़ा सत्तातंत्र भी झुका सकता है। ट्रंप के लिए ममदानी ने भविष्य के लिए किंचित कठिनाइयां पैदा तो की हैं, पर सही बात तो यह है कि ममदानी की परीक्षा अभी से शुरू हो गई है। ममदानी को न केवल अपने वादों को पूरा करना होगा, बल्कि एक विभाजित और असमानताओं से भरे शहर को एकजुट भी करना होगा। यदि वे यह कर पाते हैं, तो यह जीत न सिर्फ न्यूयॉर्क की, बल्कि उस वैकल्पिक राजनीति की भी होगी जो आज के अशांत विश्व को नई दिशा दे सकती है।

प्रसंगवश

क्रांतिगीत वंदेमातरम् को भी चाहिए न्याय

वंदेमातरम् की रचना के 150 वर्ष पूर्ण गए। देशभक्ति का स्फूरण है, उत्साह है। रोम-रोम देशभक्ति की भावना से पुलकित है। वंदेमारतरम् दरअसल सिर्फ गीत नहीं है, यह देशभक्ति का प्रेरणापुंज है, यह मंत्र है। इसके शब्द, 'बीज मंत्रों' से आच्छादित हैं। जब यह अवतरित हुआ तब से आज तक भारत की एकता, विविधता और सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक बना है। गीत ने राजनीतिक दूरियां मिटा दी थीं, उत्तर से दक्षिण तक पूर्व से पश्चिम तक राष्ट्रीय एकता का संदेश और क्रांति की प्रेरणा दी। गुलामी की बेड़ियों में जकड़ी 'भारत मां' को मुक्त कराने के लिए क्रांति कर दी थी। लाखों युवाओं को क्रांति की मशाल हाथ में थमा दी थी, और वे स्वतंत्रतता का लक्ष्य लेकर निकल पड़े थे। आज उसी वंदेमातरम् को न्याय की आवश्यकता है। उसके मूल स्वरूप में स्वीकारोक्ति की आवश्यकता है।

सर्वेश कुमार सिंह

वरिष्ठ पत्रकार

अंग्रेजों के क्रूर शासन में जब भारत की सांस्कृतिक और सामाजिक एकता खंडित की जा रही थी। बंगाल के सरकारी अधिकारी बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के हृदय में अंग्रेज सरकार के एक फैसले से क्षोभ उत्पन्न हो गया। उन्होंने 'भारत माता' की स्तुति में एक गीत लिखने का निश्चय किया। चट्टोपाध्याय ने सात नवंबर 1875 को वंदेमातरम् की रचना कर दी। वंदेमारम् को कांग्रेस के अधिवेशन में प्रथम बार कलकत्ता में 1896 में गुरुदेव रवीन्द्र नाथ टैगोर ने गाया।

कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में 28 अक्टूबर 1937 को प्रस्तुत एक रिपोर्ट के बाद इसे खंडित कर दिया गया। कांग्रेस ने उस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया, जिसमें इसके कई महत्वपूर्ण अंशों को काट दिया गया और केवल आरंभ के दो छंद ही स्वीकार किए गए। यह सब कांग्रेस की तुष्टिकरण की नीति के कारण हुआ। दरअसल रामपुर के अली बंधुओं का कांग्रेस में काफी दबदबा था। कांग्रेस उन्हें देश के प्रमुख मुस्लिम नेताओं के रूप में मान्यता देती थी। इन अली बंधुओं के अनुरोध पर ही कांग्रेस ने खिलाफत आंदोलन में भाग लेने का फैसला किया था। अली बंधुओं में छोटे भाई मौलाना मोहम्मद अली जौहर कांग्रेस के अध्यक्ष रहे। उनकी अध्यक्षता में आंध्र प्रदेश के काकानाडा में 28 दिसंबर 1923 से एक जनवरी 1924 तक अधिवेशन हुआ था।

अधिवेशन में परंपरागत रूप से 'वंदेमातरम्' गायन होना निश्चित था। इसके लिए प्रख्यात संगीतज्ञ, गायक पंडित विष्णु दिगंबर पुलस्कर उपस्थित हुए थे। उन्होंने जैसे ही गायन आरंभ किया तो अधिवेशन की अध्यक्षता कर रहे मौलाना मोहम्मद अली जौहर ने विरोध कर दिया। उन्होंने गायन रोकने को कहा, किंतु वे नहीं रुके और पूरा वंदेमातरम् गायन किया। क्षुब्ध होकर मौलाना जौहर मंच छोड़कर चले गए। इस विरोध पर कांग्रेस के तत्कालीन नेताओं ने स्वतंत्रता संग्राम में धार्मिक एकता बनाए रखने के लिए मौलाना जौहर की मांग पर समिति बना दी। समिति की रिपोर्ट पर वंदेमातरम् को खंडित किया गया। इसके साथ ही इसे अनिवार्य गायन से भी मुक्त कर दिया गया। यही खंडित वंदेमातरम् 24 जनवरी 1950 को संविधान सभा ने राष्ट्रगीत के रूप में स्वीकार किया।

अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वंदेमातरम् के खंडित होने के भारत के दर्द को उजागर किया है। प्रधानमंत्री ने 31 अक्टूबर को एकता नगर (केवडिया) में सरदार पटेल की 150वीं जन्मजयंती पर कार्यक्रम में 'वंदेमातरम्' के भी 150 वर्ष पूरे होने का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने वंदेमातरम् के साथ वह किया जो अंग्रेज भी नहीं कर सके। यानी कि वंदेमातरम् जैसे क्रांतिगीत और अनन्य राष्ट्रभक्ति की प्रेरक प्रार्थना को खंडित कर दिया।

उत्तराखंड: थोड़ा है और बहुत की जरूरत है

अमित शर्मा

हल्द्वानी

उत्तराखंड के विकास के 25 साल के रोडमैप पर विधानसभा में सुझाव और तर्क दिए गए। पहाड़ों पर शिक्षा और स्वास्थ्य, ये दो मुद्दे आज भी पहाड़ की तरह खड़े हैं।

एक गीत के बोल हैं- थोड़ा है थोड़े की जरूरत है, लेकिन इस छोटे से पर्वतीय राज्य उत्तराखंड के लिए अभी विकास बहुत थोड़ा है और आगे अभी बहुत-बहुत-बहुत की जरूरत है। मूलभूत सुविधाओं और संसाधनों को बढ़ाने के सतत् प्रयास करने होंगे, तो राज्य में स्थायी रोजगार देने के अवसरों के साथ ही, चाहे वह निम्न या मध्यम वर्गीय नागरिक हों, आर्थिक समानता के लिए हर एक को उसकी दैनिक जरूरतों को पूरा करने की बेहतर स्थिति में लाना होगा। राज्य के विकास का 25 साल का रोडमैप कैसा होना चाहिए, उत्तराखंड विधानसभा में इस महत्वपूर्ण विषय पर सत्ता और विपक्ष के सदस्यों (विधायकों) द्वारा अपने-अपने सुझाव और तर्क भी दिए गए।

विधानसभा के इस विशेष सत्र की खूबी यह रही कि विधायकों ने अपनी बात को बिना किसी लाग-लपेट के रखा और परंपरा से हटकर सार्थक बहस की। चाहे वह शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार का मामला हो या भ्रष्टाचार का, सभी ने अपने-अपने हिसाब से विकास के रोडमैप की परिभाषा बताई। एक वरिष्ठ विधायक का यह दर्द भी सामने आया कि उत्तर प्रदेश से विभाजित होने के बाद भी उत्तराखंड की अभी तक अपना वर्क कल्चर विकसित नहीं हो पाया है।

एक विधायक ने कहा कि हमें उत्तर प्रदेश के बजाय हिमाचल प्रदेश की नीतियों का अनुसरण करना चाहिए, क्योंकि उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश की भौगोलिक स्थितियां और चुनौतियां लगभग एक जैसी ही रहती हैं। एक विधायक का दर्द इस तरह भी छलका कि अभी तक इस राज्य में यह तय नहीं हो पाया है कि आखिर उत्तराखंडी होने की परिभाषा क्या है।

एक वरिष्ठ विधायक को तो यह कहते भी सुना गया कि चर्चा के दौरान मैं अपने उत्तराखंडी होने का प्रमाण भी दे दूंगा। एक तरह से देखा जाए तो उत्तराखंड कई मामलों में उत्तर प्रदेश के रोड मैप पर ही चल रहा है। पहाड़-मैदान का मुद्दा अभी भी मुखर है। विडंबना यह कि उत्तराखंड की विधानसभा में ही, पहाड़-मैदान जैसे संवेदनशील मामले में, जहां मौका लगता है, सदस्य एक-दूसरे पर तीखी टिप्पणी करने से चूकते नहीं। गढ़वाल मंडल में हरिद्वार और कुमाऊं में ऊधमसिंह नगर भले ही भौगोलिक तौर पर मैदानी एरिया हैं, लेकिन मानसिक तौर पर अभी भी इन्हें मैदानी इलाका ही माना जाता है। इस सोच को निश्चित तौर पर बदलना होगा।

अब विकास की बात करें, तो पहाड़ों पर शिक्षा और स्वास्थ्य, ये दो मुद्दे आज भी पहाड़ की तरह खड़े हैं। निःसंदेह सरकार इन दोनों मुद्दों पर बहुत कुछ कर चुकने और भविष्य की योजनाओं का खाका खींचने का दावा भी कर रही है, लेकिन यह आम बात हो चली है कि पहाड़ पर अधिकांश स्वास्थ्य केंद्र रेफरल सेंटर बन चुके हैं। सरकार को इस मिथक को तोड़ना होगा और पहाड़ों पर स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर करना ही होगा। शिक्षा की भी हालत सही नहीं कही जा सकती। चाहे वह मानसून का महीना हो या फिर शीतकाल, भौगोलिक और मौसमी परिस्थितियां ऐसी हैं कि उन्हें जान हथेली पर रखकर शिक्षा के मंदिर तक जाना होता है।

पहाड़ की महिलाओं का दर्द भी कम नहीं है। जीविका चलाने के लिए उन्हें कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। यहां तक कि जंगल में खतरनाक वन्यजीवों से भी सामना करना पड़ता है और दुर्भाग्य यह है कि अक्सर खबर आती है कि अमुक जिले के जंगल में बाघ या भालू ने महिला को मार डाला। जंगली जानवरों के फसलों को उजाड़ने के मामले तो अब आम बात हो गई है।

उत्तराखंड को विश्व का श्रेष्ठ राज्य बनाने के लिए अभी भगीरथ प्रयास करने की जरूरत है। दरअसल, विकसित उत्तराखंड के लिए आगामी 25 साल के लिए कई महत्वपूर्ण विकास योजनाएं और मुद्दे हैं, जिन पर अहम तौर पर काम करने की आवश्यकता है। इसमें सतत् विकास कार्यों के साथ प्रदेश की आर्थिकी की निरंतरता के लिए कृषि, पर्यटन और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में नवाचार करने होंगे।

जंगलों की आग इस राज्य की बेशकीमती वन संपदा को समूल नष्ट करने पर तुली है। अतिवृष्टि, बादल फटना, भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाएं बिन बुलाए मेहमान की तरह हर साल उत्तराखंड के दर्द को बढ़ाने के लिए आतुर रहती हैं। विकास की दौड़ में वनों और पहाड़ों का सीना चीरने से कई नई चुनौतियां जन्म ले रही हैं। उच्च हिमालय को छोड़ दें, तो पहाड़ों पर हिमपात होना अब सपना हो गया है।

जलवायु परिवर्तन का ऐसा असर हो चुका है कि पता ही नहीं चल रहा है कि मौसम सर्दी का है या गर्मी का। मानव वन्यजीवों के प्राकृतिक बसेरे में घुसपैठ कर रहा है, तो बढ़ते असंतुलन से वन्यजीव शिकार की तलाश में आबादी में पहुंच रहे हैं। राज्य गठन से लेकर अभी तक एक बहुत बड़ी समस्या मूल निवास की भी सामने है, जिसका हल भी निकालना है।

यह सुखद है कि उत्तराखंड सरकार, इन चुनौतियों का सामना करते हुए देवभूमि के स्वर्णिम स्वरूप को संरक्षित रखने के लिए हर जतन कर रही है। सतत् विकास के कार्य भी हो रहे हैं और विकसित उत्तराखंड की दिशा में गंभीरता से प्रयास चल रहे हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का उत्तराखंड विधानसभा में ऐतिहासिक अभिभाषण विधायिका को एक नई दिशा दे गया। दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सामूहिक प्रयासों से ही हम उत्तराखंड को देश का श्रेष्ठ राज्य बनाने की दिशा में प्रयास कर सकते हैं। चुनौतियां अभी कम नहीं हैं, इसलिए उपलब्धियों को जारी रखने के लिए सतत् विकास की मंजिल की ओर हमें सामूहिक कदमों के साथ बढ़ना होगा।

आमने

वोटरों के नाम काटने की कोशिश करने वाले भाजपा नेताओं को पेड़ से बांधकर लटका दिया जाना चाहिए। अगर कोई सचमुच वोटरों का नाम काटता है, तो फिर उसे छोड़ा नहीं जाना चाहिए।

–असीमा पात्र

तृणमूल कांग्रेस की विधायक

सामने

अगर कोई विधायक खुलेआम बीजेपी कार्यकर्ताओं को पेड़ से बांधने की धमकी देती हैं, तो क्या पश्चिम बंगाल में अब तालिबानी शासन चल रहा है? राज्य का लोकतंत्र क्या तृणमूल कांग्रेस ने चुरा लिया है?

–स्वपन पाल

बंगाल भाजपा के नेता

क्रिकेट: छोटे शहर की बेटियों का बड़ा कारनामा

विवेक शुक्ला

पूर्व सूचना अधिकारी यूएई एंबेसी

भारतीय महिला क्रिकेट की विजयी टीम की अधिकांश खिलाड़ी छोटे शहरों या ग्रामीण इलाकों से हैं। उन्होंने बहुत संघर्ष के बाद अपना मुकाम बनाया है।

बीते दो नवंबर का वह ऐतिहासिक पल, जब नवी मुंबई के दर्शकों से खचाखच भरे डीवाई पाटिल स्टेडियम में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने दक्षिण अफ्रीका को 52 रनों से हराकर पहली बार महिला विश्वकप पर कब्जा जमाया। गौर करें कि इस विजयी टीम की अधिकांश खिलाड़ी छोटे शहरों या ग्रामीण इलाकों से आ रही हैं। रोहतक की शेफाली वर्मा, आगरा की दीप्ति शर्मा, धर्मशाला की रेणुका सिंह, उमा चेत्री असम के, क्रांति गौड़ मध्य प्रदेश के तथा श्री चरनी आंध्र प्रदेश के ग्रामीण इलाकों से संबंध रखती हैं। क्या यह संकेत है कि अब छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों से भारत को बड़े खिलाड़ी मिलेंगे? जवाब है हां!

अगर भारतीय क्रिकेट के गुजरे दौर के पन्नों को खंगाले तो पता चलेगा कि हमारे देश की क्रिकेट का इतिहास हमेशा से बड़े महानगरों जैसे मुंबई, दिल्ली, बैंगलूरु, कोलकाता, चेन्नई के इर्द-गिर्द घूमता रहा है। छोटे शहरों से आने वाले खिलाड़ी अपवाद थे। महिला क्रिकेट में भी यही सिलसिला चला। 1980-90 के दशक में मिताली राज (हैदराबाद) या झूलन गोस्वामी (कोलकाता के उपनगर) जैसी दिग्गजों ने रास्ता दिखाया, लेकिन टीम का कोर हमेशा बड़े शहरों से ही रहा, लेकिन 2025 विश्व कप की भारतीय टीम में परिवर्तन स्पष्ट है। 15 सदस्यीय स्क्वॉड में कम से कम 10 खिलाड़ी छोटे शहरों या ग्रामीण पृष्ठभूमि से हैं।

उदाहरण के लिए, शेफाली वर्मा का संबंध रोहतक से है, जहां क्रिकेट अकादमियां सीमित हैं। शेफाली ने स्थानीय क्लब से शुरुआत की और 16 साल की उम्र में अंतर्राष्ट्रीय डेब्यू किया। इसी तरह, दीप्ति शर्मा आगरा से हैं, जहां क्रिकेट का सपना देखना आसान नहीं था। दीप्ति ने घर पर ही नेट प्रैक्टिस की शुरुआत की और आज वे विश्व कप की हीरो हैं।

नई पीढ़ी की ये लड़कियां और भी प्रेरणादायक हैं। उमा चेत्री, असम के सिलचर जिले के एक छोटे से गांव से, जहां बाढ़ और गरीबी आम हैं, ने विकेटकीपिंग में अपनी छाप छोड़ी। उनकी कहानी फिल्मी लगती है। स्कूल के मैदान पर गेंद पकड़ते हुए सपने बुनना, फिर राज्य स्तर पर चयन और विश्व कप फाइनल में योगदान। मध्य प्रदेश के छतरपुर से आती हैं क्रांति गौड़, जिन्होंने खेतों के बीच गेंदबाजी सीखी। वे स्पिनर हैं और विश्व कप में अपनी किफायती गेंदबाजी से दक्षिण अफ्रीका को परेशान किया।

श्रीचरनी आंध्र प्रदेश के एक पिछड़े क्षेत्र से संबंध रखती हैं, जहां क्रिकेट इंफ्रास्ट्रक्चर न के बराबर है। ये नाम न सिर्फ टीम की ताकत हैं, बल्कि छोटे शहरों की प्रतिभाओं का प्रमाण है। ESPN क्रिकइंफो के अनुसार, भारतीय महिला टीम के 2025 स्क्वॉड में 70 प्रतिशत खिलाड़ी गैर-महानगरीय पृष्ठभूमि से हैं, जो 2017 विश्व कप स्क्वॉड (जिसमें 40 फीसदी थे) से दोगुना है।

यह बदलाव रातों-रात नहीं हुआ। कई कारक जिम्मेदार हैं। सबसे पहले, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की महिला क्रिकेट पर बढ़ती फोकस। 2013 के बाद से, बीसीसीआई ने घरेलू टूर्नामेंट्स जैसे सीनियर महिला ट्रॉफी और सुपर लीग में छोटे राज्यों को अधिक मौके दिए। इससे झारखंड, असम, तेलंगाना जैसे राज्यों से प्रतिभाएं उभरीं। दूसरा, डिजिटल क्रांति का योगदान। यूट्यूब, इंस्टाग्राम और टिकटॉक पर कोचिंग वीडियो उपलब्ध होने से छोटे शहरों की लड़कियां घर बैठे सीख रही हैं।

उदाहरणस्वरूप, रेणुका सिंह (हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा से) ने ऑनलाइन ट्यूटोरियल्स से स्विंग बॉलिंग सीखी। तीसरा, सरकारी योजनाएं। 'खेलो इंडिया' और 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' जैसी पहलों ने ग्रामीण क्षेत्रों में स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाया। असम सरकार ने उमा चेत्री जैसे खिलाड़ियों के लिए विशेष छात्रवृत्ति दी। चौथा, महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) का प्रभाव। 2023 से शुरू हुई डब्ल्यूपीएल ने छोटे शहरों की लड़कियों को प्लेटफॉर्म दिया, जहां वे बड़े कोचों से सीख सकें। छोटे शहरों में सुविधाओं की कमी, जैसे अच्छे ग्राउंड, कोचिंग सेंटर या यहां तक कि सुरक्षित यात्रा अभी भी बाधा हैं। क्रांति गौड़ ने एक इंटरव्यू में कहा, "उन्हें वारंगल से हैदराबाद ट्रेन से जाना पड़ता था, लेकिन मेरे परिवार का समर्थन ही मेरी ताकत था।"

लैंगिक पूर्वाग्रह भी एक मुद्दा है। कई परिवारों में लड़कियों को क्रिकेट खेलने की अनुमति देना ही बड़ी जीत होती है। फिर भी, ये बेटियां साबित कर रही हैं कि सपने शहर की सीमा नहीं मानते। विश्व कप जीत के बाद, रोहतक में शेफाली के सम्मान समारोह में हजारों लड़कियां मैदान पर उतरीं, जो भविष्य की प्रतिभाओं का संकेत है। यह ट्रेंड सिर्फ महिला क्रिकेट तक ही सीमित नहीं है। पुरुष क्रिकेट में भी छोटे शहरों से खिलाड़ी आ रहे हैं, लेकिन महिलाओं में यह ज्यादा तेजी से हो रहा है, क्योंकि क्रिकेट अब लैंगिक बाधाओं को तोड़ रहा है।

इस जीत का सामाजिक प्रभाव गहरा है। छोटे शहरों की लड़कियां अब देख रही हैं कि क्रिकेट न सिर्फ खेल है, बल्कि आर्थिक सशक्तिकरण का साधन भी। विश्व कप विजेताओं को मिलने वाले इनाम और एंडोर्समेंट डील्स से परिवारों की जिंदगी बदल रही है। उमा चेत्री की मां, जो एक स्कूल टीचर हैं, अब कहती हैं, "मेरी बेटी ने गांव का नाम रोशन किया।" यह प्रेरणा लाखों लड़कियों को क्रिकेट के मैदान की ओर धकेल रही है।

सोशल फोरम

दुनिया भर में हो रही बुजुर्ग पेड़ों की मौत

पिछले दिनों 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' में एक बहुत ही ख़ूबसूरत लेख छपा। लेख बूढ़े, उम्रदराज़ दरख़्तों के बारे में था। वैसे बूढ़े, उम्रदराज़ दरख़्त- जो बहुत कद्दावर भी हों। साइंस की ज़ुबान में इन्हें एल्डरफ्लोरा और मेगाफ्लोरा कहेंगे। लेखक जेरेड फार्मर बतला रहे थे कि दुनिया में हजारों साल पुराने दरख्त मौजूद हैं, लेकिन वो धीरे-धीरे नष्ट हो रहे हैं। हमें उन्हें बचाना चाहिए। क्यों? केवल इसलिए नहीं कि वो बहुत पुराने हैं और गुजरे वक्त की एक शानदार यादगार हैं, बल्कि इसलिए भी कि उनके भीतर वैसी जेनेटिक सूचनाएं संकलित हैं, जो बेशकीमती हैं।

सुशोभित

ब्लॉगर

वे पेड़ अतीत में ऐसे अवसर पर पनपे थे, जब उनके लिए परिवेश अनुकूल था। वैसी परिस्थितियां शायद सदियों तक फिर न दोहराई जा सकें। वे अतीत और भविष्य के बीच एक पुल की तरह हैं और सबसे बड़ी बात यह कि वे अपने आसपास के इकोलॉजिकल सिस्टम को सपोर्ट करते हैं। पर्यावरणविद् मेग लोमैन ने अकारण ही वृक्षों के माध्यम से संचालित होने वाले पारिस्थितिकी-तंत्र को आठवें महाद्वीप की संज्ञा नहीं दी थी।

पेड़ बहुत मिलनसार होते हैं। यारबाश होते हैं। वे समूह में रहना पसंद करते हैं, जिन्हें हम जंगल कहते हैं, वे दरख्तों की बस्तियां हैं। कवियों और शायरों को लगता है कि पेड़ अपने पत्तों की खड़खड़ाहट से आपस में गुफ़्तगू करते हैं। हकीकत यह है कि पेड़ पत्तों नहीं जड़ों के जरिये बात करते हैं और यह सच है। पीतर वोल्लेबेन ने इसी को वुड-वाइड-वेब कहा था। जितना पुराना पेड़ होगा, उतना ही उसका कम्युनिकेशन सिस्टम पुख्ता होगा और वो अपने आसपास के नौजवान दरख्तों की बढ़त में मददगार होगा। जेरेड फार्मर इन्हें मदर-ट्री कहते हैं। ये अपने आसपास के सब्जे को पालते-पोसते हैं। आपने साल के किसी वृक्ष को अकेला नहीं देखा होगा, वो समूह में ही पनपते हैं। तनहाई में वो मर जाते हैं।

जेरेड फार्मर ने चिंता जतलाई कि बूढ़े दरख्त एक-एक कर के मर रहे हैं और किसी को फिक्र नहीं है। हाल के दिनों में दुनिया में ऐसे पूरे-पूरे जंगल जलकर खाक हो गए, जिनमें तीन हजार साल पुराने तक पेड़ थे। इनमें आग-प्रतिरोधक सेकोइआस भी शामिल थे, जो दुनिया के सबसे भीमकाय पेड़ माने जाते हैं। अकाल के दौर में फलने-फूलने वाले ग्रेट बेसिन के ब्रिस्टलकोन पाइन पेड़ भी नष्ट हो गए हैं। ये पेड़ पांच हजार साल तक जीवित रह सकते हैं।

सामयिकी

बच्चों में बढ़ रहे हैं अवसाद व खुदकुशी के मामले

हाल ही में जयपुर के एक पांच सितारा स्कूल की छठी कक्षा की छात्रा ने स्कूल की चौथी मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई आत्महत्या कई सवाल खड़े करती है। उसकी मौत इतनी दर्दनाक और रोंगटे खड़े कर देने वाली है, जिसकी कल्पना नहीं की जा सकती। घटना के बाद छात्रा की मां स्कूल आईं। उस मां ने चीत्कार के साथ कहा कि आई किल्ड माई डॉटर। आप अंदाजा लगाने की कोशिश कीजिए कि उस मां पर क्या बीत रही होगी! वह आजीवन इस आत्म ग्लानि से कैसे उबर पाएगी। वह अपनी बेटी के मन में पनपती उस पीड़ा को भी नहीं समझ पाई, जिसका अंजाम इतना दर्दनाक निकला।

अमित बैजनाथ गर्ग

वरिष्ठ पत्रकार

असल में यह घटना कई सवालों पर सोचने के लिए मजबूर करती है। सबसे पहला सवाल तो यह है कि आखिर इतने छोटे बच्चे आत्महत्या जैसा बड़ा कदम क्यों उठा रहे हैं? दूसरा हम अपने बच्चों को कैसी शिक्षा व्यवस्था में ढाल रहे हैं। तीसरा सबसे बड़ा सवाल है कि आखिर बच्चे मानसिक रूप से इतने कमजोर क्यों हो रहे हैं? ये सवाल आपस में एक-दूसरे से गहरे तक जुड़े हुए हैं। असल में आत्महत्या का प्रयास करने वाले अधिकांश बच्चे मानसिक स्वास्थ्य विकार और अवसाद से ग्रस्त हो रहे हैं।

छोटे बच्चों में आत्महत्या के प्रयास अक्सर आवेगपूर्ण होते हैं। ये प्रयास उदासी, भ्रम, क्रोध या ध्यान और अति सक्रियता संबंधी समस्याओं से जुड़े हो सकते हैं। वहीं उन पर पढ़ाई और सबसे आगे रहने का दबाव भी बना हुआ है। हमारी शिक्षा प्रणाली उन पर इतना दबाव बना देती है कि वे मानसिक अवसाद में आ जाते हैं और पढ़ाई का बोझ सहन नहीं कर पाते। यह रट्टा मार शिक्षा व्यवस्था हमारे नौनिहालों के जीवन पर भारी पड़ रही है। असल में बच्चों से लेकर युवाओं तक में आत्महत्या एक गंभीर समस्या बनी हुई है। एक अनुमान के अनुसार, 15 से 24 वर्ष की आयु के बच्चों, किशोरों और युवा वयस्कों में आत्महत्या मृत्यु का दूसरा प्रमुख कारण है।

किशोरों में आत्महत्या के प्रयास तनाव, आत्म-संदेह, सफलता का दबाव, वित्तीय अनिश्चितता, निराशा और नुकसान की भावनाओं से जुड़ी हो सकती है। वहीं कुछ किशोरों के लिए आत्महत्या उनकी समस्याओं का समाधान लग सकती है। आत्महत्या के विचार और प्रयास अक्सर अवसाद से जुड़े होते हैं। अवसाद के अलावा अन्य जोखिम कारक भी हैं, जैसे आत्महत्या के प्रयासों का पारिवारिक इतिहास, हिंसा के संपर्क में आना, आवेगशीलता, आक्रामक या विघटनकारी व्यवहार, हथियारों तक पहुंच, निराशा या लाचारी की भावनाएं और तीव्र हानि या अस्वीकृति।

अगर बच्चों और किशोरों की बात की जाए तो आत्महत्या के बारे में सोच रहे बच्चे और किशोर खुलेआम आत्मघाती बयान या टिप्पणियां कर सकते हैं, जैसे काश मैं मर जाता या मैं अब ज्यादा समय तक तुम्हारे लिए समस्या नहीं रहूंगा आदि। आत्महत्या से जुड़े अन्य चेतावनी संकेतों में खाने या सोने की आदतों में बदलाव। बार-बार उदासी। दोस्तों, परिवार और नियमित गतिविधियों से दूरी। शारीरिक लक्षणों के बारे में अक्सर शिकायतें होती हैं, जो अक्सर भावनाओं से संबंधित होती हैं, जैसे पेट दर्द, सिर दर्द, थकान आदि। स्कूल के काम की गुणवत्ता में गिरावट। मौत होने को लेकर चिंता आदि। आत्महत्या के बारे में सोचने वाले युवा भविष्य की योजना बनाना या उसके बारे में बात करना भी बंद कर सकते हैं। असल में अवसाद और आत्महत्या की भावनाएं मानसिक विकार हैं, जिनका इलाज संभव है। बच्चे या किशोर की बीमारी की पहचान कर उचित उपचार किया जा सकता है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह***

0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

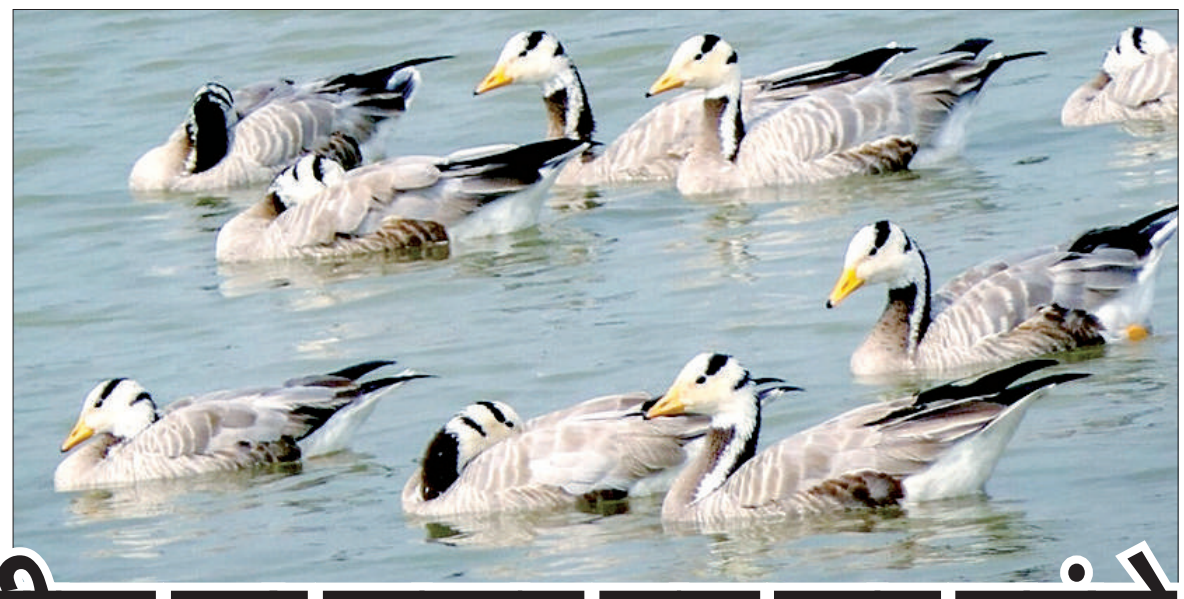

हजारों मील का सफर तय कर पहुंचे
सर्दियों के मेहमान

पीलीभीत टाइगर रिजर्व के हसीन जंगल सिर्फ विदेशी पर्यटकों को ही आकर्षित नहीं कर रहें, बल्कि प्रवासी पक्षी भी अब यहां की आबो-हवा के दीवाने हो चुके हैं। हजारों मील का लंबा सफर तय कर साइबेरिया, मध्य एशिया और यूरोप में ठंड बढ़ने के साथ यह रंग-बिरंगे मेहमान (शरदकालीन प्रवासी पक्षी) तराई की गोद में बसे पीलीभीत टाइगर रिजर्व समेत आसपास की झीलों, नदियों और दलदली क्षेत्रों में नए बसेरे की तलाश में दस्तक दे चुके हैं। इन प्रवासी पक्षियों में कई ऐसे हैं, जिनकी खासियत हर किसी को हैरान कर देने वाली है। फिलहाल इन सभी ने अपना ठिकाना बनाने के बाद अब पानी में अठखेलियां और हवा में कलाबाजी कर लोगों में रोमांचित करना शुरू भी कर दिया है।

-सुनील यादव, पीलीभीत

ज्वेल ऑफ तराई कहे जाने वाले पीलीभीत टाइगर रिजर्व अपनी विशिष्ट जैव विविधिता के दम पर देश-दुनिया में टूरिज्म आइकॉन बनता जा रहा है। यहां के भारी-भरकम बाघों के बीच कई अन्य दुर्लभ स्तनधारी वन्यजीव भी हैं, जो शेड्यूल वन की श्रेणी में आते हैं। इन सबके बीच पिछले कुछ सालों से मेहमान परिंदों को भी पीलीभीत टाइगर रिजर्व की आबो-हवा रास आने लगी है। टाइगर रिजर्व के आंकड़ों के मुताबिक यहां पक्षियों की 350 से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं। पक्षियों के इस अद्भुत संसार में अब दूर-दराज देशों एवं समेत देश के अन्य राज्यों से भी बड़ी संख्या में मेहमान परिंदें भी प्रवास को आने लगे हैं। वन्यजीव विशेषज्ञों के मुताबिक इन प्रवासी पक्षियों की प्रजातियों में धीरे-धीरे इजाफा भी हो रहा है।

प्रवासी पक्षियों पर लंबे समय से स्टडी करने वाली टरक्वाइज वाइल्ड लाइफ कंजर्वेशन सोसायटी के मुताबिक पीलीभीत टाइगर रिजर्व समेत आसपास क्षेत्र में सात समंदर पार समेत देश के विभिन्न राज्यों से 100 के अधिक प्रवासी पक्षियों की प्रजातियां प्रवास को आती हैं। यह प्रवासी पक्षी साल भर में दो बार अपनी आमद दर्ज कराते हैं। प्रवासी पक्षियों की यह आमद मानसून से पहले और मानसून के बाद होती है। पिछले माह ग्रीष्मकालीन प्रवासी पक्षियों की विदाई के साथ शरदकाल में रूस, साइबेरिया, अलास्का, सेंट्रल एशिया, लद्दाख आदि से शरदकालीन प्रवासी पक्षियों के झुंड दस्तक दे चुके हैं। तकरीबन चार से पांच माह के प्रवास के बाद यह फरवरी के अंतिम दिनों में वतन वापसी शुरू कर देते हैं। इसमें बड़ी संख्या में विदेशी पक्षी शामिल हैं, जो सात समंदर पार कर यहां टाइगर रिजर्व से सटे शारदा सागर डैम समेत अन्य झील-पोखरों में प्रवास कर रहे हैं। जंगल से सटे इलाके में 22 किमी लंबे शारदा सागर डैम में इनकी संख्या हजारों में होती है। पीलीभीत टाइगर रिजर्व में मुख्य रूप से बार हेडेड गूज, ग्रे लेग गूज, रेड क्रेस्टेड पोचार्ड, कामन पोचार्ड, टफटेड डक, लैपविंग, चैट, फ्लाईकेचर, कॉमन सैंडपाइपर, मालार्ड, नार्दन पिनटेल आदि प्रमुख शरदकालीन प्रवासी हैं। इसमें वल्चर, ईगल व चैट आदि कुछ दुर्लभ प्रजाति के प्रवासी पक्षी भी शामिल हैं। सोसायटी अध्यक्ष अख्तर मियां खान के मुताबिक शरदकालीन प्रवासी पक्षी संबंधित देशों में बर्फवारी और जलजमाव के चलते यहां अनुकूलन के लिए आते हैं। यहां इनको बेहतर हैवीवेट और खासा भोजन भी मिल जाता है। इन प्रवासी पक्षियों के अवैध शिकार पर रोकथाम समेत इनकी सुरक्षा को लेकर टाइगर रिजर्व प्रशासन ने शारदा सागर डैम समेत झीलों और अन्य जलाशयों की निगरानी बढ़ा दी है। सोसायटी के मुताबिक ग्रीष्मकालीन प्रवासी पक्षियों के मुकाबले सर्दी में आने वाले प्रवासी पक्षियों की संख्या पीलीभीत टाइगर रिजर्व में ज्यादा होती है। इनमें कुछ प्रवासी पक्षी ऐसे होते हैं, जिनकी खासियत को जानकर एक बारगी हर कोई हैरान रह जाएगा।

प्रवासी चिड़ियों की खासियत

- **बार हेडेड गूज-** यह प्रजाति रूस, कजाकिस्तान, मंगोलिया आदि जगहों से एक लंबा सफर तय करके हिमालय की 27 से 29 हजार फीट तक ऊंची चोटियों के ऊपर से उड़कर भारत में आते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक ये दुनिया के सबसे अधिक ऊंचाई पर उड़ने वाले पक्षी हैं। प्रवास से पहले हेडेड गूज काफी अधिक भोजन करके अपने शरीर में काफी वसा जमा कर लेते हैं, जो इन्हें लंबा सफर तय करने में खासी मदद करता है।
- **ग्रे लेग गूज-** यह प्रवासी पक्षी हिमालय पर तेज बर्फवारी के बाद पीलीभीत टाइगर रिजर्व से सटे शारदा सागर डैम समेत बड़े जलाशयों में देखी जा रही है। विशेषज्ञों के मुताबिक ग्रे लेग गूज घंटों बिना रुके आसमान में उड़ने की महारथ रखती है। धब्बेदार भूरे व सफेद पंखों, नारंगी चोंच और गुलाबी पैरों वाला यह प्रवासी पक्षी तापमान बढ़ने के साथ ही अपने पारंपरिक प्रवास के रास्ते से वतन वापसी करता है।
- **कॉमन पोचार्ड-** यूरोपीय देशों की स्थाई निवासी कॉमन पोचार्ड के झुंड यहां की झीलों और दलदली क्षेत्रों में बसेरा बना चुके हैं। अपने प्रवास के दौरान ये एक बड़े समूह में उड़कर आते हैं। प्रवास के दौरान जब इन्हें कोई डर महसूस होता है, तो ये तेजी से पानी पर दौड़कर उड़ान भरते हैं। भोजन की तलाश में यह पानी के अंदर दो मीटर गहराई तक चले जाते हैं।
- **फ्लाई कैचर-** शरीर से लंबी पूंछ और बेहद आर्कषक सा दिखने वाले पैराडाइज फ्लाई कैचर सर्दियों में श्रीलंका, तुर्किस्तान, मलेशिया आदि से यहां आते हैं। टाइगर रिजर्व के घने जंगलों में दस्तक देने वाले फ्लाई कैचर के शिकार का अंदाज भी कुछ खास है। ये हवा में नीचे की ओर उड़कर छोटे-छोटे कीट पतंगे, मक्खियों, तितलियां आदि कीड़ों का शिकार करते हैं। फ्लाई कैचर की सुंदरता पक्षी प्रेमियों को खासा आकर्षिक करती हैं।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व में अभिलेखित पक्षी प्रजातियों में करीब 100 के आसपास प्रवासी पक्षी प्रजातियां हैं। यह संख्या हमें याद दिलाती है कि यह क्षेत्र न केवल बाघों का घर है, बल्कि हमारे पंखों वाले मेहमानों के लिए भी एक अहम ठिकाना है। हमें मिलकर सुनिश्चित करना चाहिए कि ये प्रवासी पक्षी जो दूर-दूर से आते हैं, उन्हें सुरक्षित आवास और शांति मिल सके। ताकि उनकी वार्षिक यात्राएं सदा चलती रहें।

- अख्तर मियां खान, अध्यक्ष, टरक्वाइज वाइल्डलाइफ कंजर्वेशन सोसायटी

पीटीआर में वन एवं वन्यजीव संरक्षण की दिशा में बेहतर प्रयास किए जाने से सकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहे हैं। वन्यजीवों के साथ पक्षी प्रजातियों में भी बढ़ोतरी हुई हैं। इनमें माइग्रेटरी वर्डस भी शामिल हैं, जो हर साल ही बड़ी तादाद में यहां पहुंचती हैं। वन्यजीवों के साथ-साथ इनकी सुरक्षा के भी व्यापक इंतजाम किए गए हैं। माइग्रेटरी वर्डस की मौजूदगी पीटीआर और पर्यावरण दोनों के लिहाज से शुभ संकेत है।

- मनीष सिंह, डिप्टी डायरेक्टर, पीलीभीत टाइगर रिजर्व

अत्यधिक चुंबकीय क्षेत्र वाला आश्चर्यजनक ग्रह

एक ऐसा ग्रह है, जो सूर्य के आवेशित उच्च ऊर्जावान कण यानी हाई चार्ज पार्टिकल में घिरा रहता है। अत्यधिक चुंबकीय क्षेत्र वाला यह ग्रह हमारे सौर मंडल के बाहर है, जो किसी भी तारे के गुरुत्वाकर्षण में बंधा हुआ नहीं है। वैज्ञानिकों ने हाल ही में इस ग्रह की जानकारियों का खुलासा किया है। पृथ्वी के सिर्फ ध्रुवों पर अक्सर सूर्य के आवेशित कणों से रंग-बिरंगी रोशनी से आसमान नहाया हुआ नजर आता है, मगर खोजे गए नए इस ग्रह के चारों ओर रंग-बिरंगे ऑरोरा नजर आते हैं। इस ग्रह का नाम सिम्प -0136 रखा गया है।

यह हमारे सौर मंडल के ग्रह बृहस्पति से भी बड़ा है। जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप से आश्चर्यजनक कर देने वाले अनोखे ग्रह की खोज हुई। आयरलैंड के ट्रिनिटी कॉलेज डबलिन के वैज्ञानिकों ने इसे खोजा। यह ग्रह हमसे 20 प्रकाश वर्ष दूर है। इसके व्यवहार को देख वैज्ञानिकों ने इस ग्रह को दुष्ट प्रकृति का ग्रह माना है। खगोलविदों ने पहली बार वर्ष 2018 में सिंप- 0136 को देखा था। गहन अध्ययन के बाद इसके ग्रह होने की पुष्टि हुई है, क्योंकि इसका किसी तारे से संबंध नहीं होने के कारण इसकी पहचान नहीं हो पा रही थी, मगर जेम्स वेब टेलीस्कोप के जरिए इसकी पुष्टि संभव हो सकी है। यह दुष्ट ग्रह बृहस्पति की तुलना में लगभग 13 गुणा अधिक विशाल है। यह बहुत गर्म ग्रह है, जिसका तापमान 1500 डिग्री सेल्सियस है। इस ग्रह के खोज का श्रेय डॉ. एवर्ट को जाता है, जिनका कहना है कि यह ग्रह प्रकाश की विभिन्न तरंग दैर्ध्य विभिन्न वायुमंडलीय विशेषताओं वाला है। इस ग्रह पर भारी मात्रा में चुंबकीय क्षेत्र फैला हुआ है, जिस कारण इसमें ऑरोरा बनते रहते हैं। यह अजूबा ग्रह है। इस तरह के ग्रह का पहली बार पता चला है। ब्रह्मांड में इस तरह के और ग्रह भी हो सकते हैं। इसकी वास्तविकता का पता चलने के बाद अधिक चुंबकीय घेरे वाले अन्य ग्रहों की खोज कर पाना आसान हो जाएगा।

बबलू चंद्रा
नैनीताल

हैरान कर देने वाला है ग्रह

आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) नैनीताल के वरिष्ठ खगोल वैज्ञानिक डॉ. शशिभूषण पांडे कहते हैं कि वास्तव में यह हैरान करने वाली खोज है। अत्यधिक चुंबकीय क्षेत्र वाला भी कोई ग्रह हो सकता है, इसका पहले कभी किसी को कोई अहसास नहीं था। इस तरह के कुछ और ग्रह भी हो सकते हैं। अब अत्यधिक चुंबकीय क्षेत्र वाले अन्य ग्रहों की खोज भी होने लगेगी।

रोचक किस्सा

जोस डेलगाडो

मैड्रिड विश्वविद्यालय के स्नातक जोस डेलगाडो को येल विश्वविद्यालय में भले ही एक प्रतिष्ठित प्रोफेसर का पद मिला हो, लेकिन इस प्रतिष्ठित संस्थान के शरीर विज्ञान विभाग में उनका शोध बेहद अजीब था, क्योंकि यह कुल मिलाकर मन पर नियंत्रण से संबंधित था। 1950 और 60 के दशक में येल में रहते हुए, डेलगाडो ने प्राइमेट्स के मस्तिष्क में इलेक्ट्रोड इम्प्लांट लगाए और एक रिमोट कंट्रोल का इस्तेमाल करके रेडियो फ्रीक्वेंसी जारी की, जिससे जानवर जटिल गतिविधियां कर पाए। बाद में, उन्होंने एक बैल के मस्तिष्क में एक इम्प्लांट लगाया और उस जानवर के साथ रिंग में उतरे और अपने ट्रांसमीटर का इस्तेमाल करके, उसे चार्ज होने से पहले ही रोक दिया। शायद सबसे ज्यादा चिंताजनक बात यह थी कि डेलगाडो ने कम से कम 25 लोगों को तार से जोड़ा था। व्यवहारिक रूप से उनके उपकरण का असर सिर्फ लोगों की आक्रामकता पर था, लेकिन वे मन पर नियंत्रण पाने के लिए लगातार प्रयास करते रहे थे। एक बार उन्होंने डरावने अंदाज में कहा था, "हमें मस्तिष्क को इलेक्ट्रॉनिक रूप से नियंत्रित करना होगा। किसी दिन सेनाओं और जनरलों को मस्तिष्क के विद्युतीय उत्तेजना से नियंत्रित किया जाएगा।"

प्राकृतिक अग्निरोधी है डीएनए

वैज्ञानिक फैक्ट

डीएनए को आमतौर पर जीवों में आनुवंशिक जानकारी के वाहक के रूप में जाना जाता है, लेकिन हाल के एक शोध ने इसकी एक बेहद दिलचस्प क्षमता का पता लगाया है। वैज्ञानिकों के अनुसार डीएनए में अग्निरोधी गुण पाए जाते हैं। जब सूती कपड़ों पर डीएनए की कोटिंग की जाती है, तो वे तेजी से आग पकड़ने के बजाय आग को रोकने का काम करते हैं।

आग रोधी होने का मुख्य कारण डीएनए की रासायनिक संरचना है। इसमें मौजूद फॉस्फेट गर्म होने पर फॉस्फोरिक अम्ल बनाता है, जो कपड़े की सतह पर एक सुरक्षात्मक परत तैयार कर देता है। यह परत आग और ऑक्सीजन के संपर्क को कम कर देती है, जिससे कपड़ा जलने से बच जाता है। वहीं नाइट्रोजन तत्व गर्म होकर अमोनिया गैस बनाता है, जो दहन प्रक्रिया को बाधित करता है और लौ को फैलने नहीं देता। चूंकि डीएनए प्राकृतिक रूप से प्राप्त होने वाला और पर्यावरण के लिए सुरक्षित पदार्थ है, इसलिए इसे एक इकोफ्रेंडली अग्निरोधक विकल्प माना जा रहा है। भविष्य में इस तकनीक का उपयोग कपड़ों, सुरक्षा उपकरणों और घरेलू वस्तुओं को अधिक सुरक्षित बनाने में किया जा सकता है।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	83,311.01	25,509.70
गिरावट	148.14	87.95
प्रतिशत में	0.18	0.34

सोना 1,24,700
प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,53,300
प्रति किलो

अमृत विचार

कानपुर, शुक्रवार, 7 नवंबर 2025
www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

गोदरेज का लाभ 21% बढ़कर 403 करोड़

नई दिल्ली। रियल एस्टेट क्षेत्र की कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज का चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 21% बढ़कर 402.99 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने गुरुवार को शेयर बाजार को बताया कि गोदरेज प्रॉपर्टीज ने 2024-25 की सितंबर तिमाही में 333.79 करोड़ का शुद्ध लाभ कमाया था। 2025-26 की सितंबर तिमाही के दौरान उसकी कुल आय बढ़कर 1,950.05 करोड़ रुपये हो गई, जो गत वर्ष 1,346.54 करोड़ रुपये थी। गोदरेज प्रॉपर्टीज देश की प्रमुख रियल एस्टेट कंपनियों में से है। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में गोदरेज प्रॉपर्टीज की बिक्री बुकिंग सालाना आधार पर 64% बढ़कर 8,505 करोड़ रुपये हो गई।

आर्सेलरमित्तल का लाभ 31% बढ़ा

नई दिल्ली। इस्पात एवं खनन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी आर्सेलरमित्तल का चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में शुद्ध लाभ 31.35% बढ़कर 37.7 करोड़ डॉलर हो गया। कंपनी ने पिछले साल की समान तिमाही में 28.7 करोड़ डॉलर का लाभ कमाया था। कंपनी जनवरी-दिसंबर वित्त वर्ष का अनुसरण करती है। सितंबर तिमाही में कंपनी की बिक्री 3% बढ़कर 1,565.7 करोड़ डॉलर हो गई, जो गत वित्त वर्ष की तिमाही में 1519.6 करोड़ डॉलर थी। आर्सेलरमित्तल के सीईओ आदित्य मित्तल ने कहा, बाजार की परिस्थितियां चुनौतीपूर्ण हैं और शुल्क से जुड़ी बाधाएं अभी भी बनी हुई हैं, लेकिन हमें स्थिरता के संकेत दिखाई दे रहे हैं।

टेनेको क्लीन का आईपीओ 12 को

नई दिल्ली। अमेरिका स्थित टेनेको समूह की कंपनी टेनेको क्लीन एयर इंडिया लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) अभिदान के लिए 12 नवंबर को खुलेगा। कंपनी का लक्ष्य 3,600 करोड़ जुटाने का है। दस्तावेजों के अनुसार, यह पूरी तरह प्रवर्तक टेनेको मॉरीशस होल्डिंग्स लिमिटेड की बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर है। इसमें कोई नए शेयर जारी नहीं किए जाएंगे। इसलिए कंपनी को आईपीओ से कोई आय प्राप्त नहीं होगी तथा जुटाई गई सारी धनराशि सीधे विक्रयकर्ता शेयरधारक को जाएगी। इस आईपीओ का मकसद केवल सूचीबद्ध होने से मिलने वाले लाभ हासिल करना है।

देश को वैश्विक स्तर के बैंकों की जरूरत : वित्तमंत्री

सीतारमण ने वित्तीय संस्थानों से उद्योग जगत के लिए कर्ज प्रवाह को बढ़ाने और व्यापक बनाने का किया आग्रह

- **12वें एसबीआई बैंकिंग एंड इकॉनमिक्स सम्मेलन को केंद्रीय मंत्री ने किया संबोधित**

मुंबई, एजेंसी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को कहा कि देश को बड़े और वैश्विक स्तर के बैंकों की जरूरत है और इस संबंध में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और बैंकों के साथ बातचीत जारी है। सीतारमण ने 12वें 'एसबीआई बैंकिंग एंड इकॉनमिक्स' सम्मेलन में वित्तीय संस्थानों से उद्योग जगत के लिए कर्ज प्रवाह को बढ़ाने और व्यापक बनाने का आग्रह किया।

उन्होंने भरोसा जताया कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में कटौती से मांग बढ़ेगी और इससे कुल मिलाकर निवेश बढ़ेगा। उन्होंने कहा, देश को कई बड़े और विश्वस्तरीय बैंकों की जरूरत है...। सरकार इस पर विचार कर रही है और काम शुरू हो चुका है। हम आरबीआई और बैंकों के साथ इस पर चर्चा कर रहे है। सरकार का मुख्य जोर बुनियादी ढांचे के निर्माण पर है और पिछले दशक में पूंजीगत व्यय में पांच गुना वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार ने 2014 से व्यापार को सुगम बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुधारों को आगे बढ़ाया है।

12वें एसबीआई बैंकिंग और इकोनॉमिक्स कॉन्क्लेव 2025 में शामिल केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और एसबीआई अध्यक्ष चल्ला श्रीनिवासुलु शेट्टी।

सीतारमण ने कहा कि सरकार ने प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से चार लाख करोड़ रुपये से अधिक की बचत की और पिछले दशक में 25 करोड़ लोगों को बहुआयामी गरीबी से बाहर निकाला गया। उन्होंने कहा कि सरकार प्रौद्योगिकी की अगुवाई में वृद्धि पर जोर दे रही है। डेटा (इंटरनेट) की लागत आज कम होकर 10 रुपये प्रति जीबी पर आ गयी है जो 2014 में 300 रुपये प्रति जीबी थी।

शाखा कर्मचारी जानें स्थानीय भाषा

मुंबई। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बैंकों से आग्रह किया कि वे ग्राहकों से जुड़ाव बढ़ाने को शाखा कर्मचारियों के लिए स्थानीय भाषा की जानकारी सुनिश्चित करें। ग्राहकों से जुड़ाव कम होने से क्रेडिट सूचना कंपनियों पर निर्भरता बढ़ गई है। ये कंपनियां आंकड़े अद्यतन करने में लंबा समय लेती हैं, जिससे ग्राहकों को कर्ज देने से मना कर दिया जाता है। स्थानीय भाषा न बोलने पर बैंक अधिकारियों के राजनीतिक दलों के गुस्से का सामना करने की कई घटनाओं के बाद उन्होंने यह बात कही है। मंत्री ने नियुक्ति और मानव संसाधन नीतियों में बदलाव की भी वकालत की ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि स्थानीय भाषा बोलने वाले लोगों की भर्ती की जाए और उनका बेहतर मूल्यांकन भी हो। सीतारमण ने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए भर्ती करें कि शाखा में तैनात प्रत्येक कर्मचारी अपने ग्राहक को समझे और स्थानीय भाषा बोले। अगर शीर्ष प्रबंधन नहीं बोलता है, तो शाखा स्तर के अधिकारी को बोलना चाहिए। मैं स्थानीय भाषा में उनकी दक्षता के आधार पर उनके प्रदर्शन का मूल्यांकन करने पर जोर दूंगी। सीतारमण ने कहा कि जिस एकमात्र आलोचना का वह बचाव नहीं कर सकतीं, वह है विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न मातृभाषाओं के लोगों को नियुक्त न करने की नीति। उन्होंने यह याद दिलाया कि किसी बैंक के लिए अपना व्यवसाय चलाने के लिए स्थानीय ग्राहक आवश्यक है।

प्रतिस्पर्धा, भारी बारिश से सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर पांच माह के निचले स्तर पर

नई दिल्ली, एजेंसी

- **अक्टूबर में घटकर 58.9 पर आया जो मई के बाद से विस्तार की सबसे धीमी गति को दर्शाता है**

देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर प्रतिस्पर्धी दबाव और भारी बारिश से अक्टूबर में पांच महीने के निचले स्तर पर आ गई। गुरुवार को जारी मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई।

मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक सितंबर के 60.9 से अक्टूबर में 58.9 पर आ गया। यह मई के बाद से विस्तार की सबसे धीमी गति को दर्शाता है। इस नरमी के बावजूद, अक्टूबर माह का सेवा पीएमआई सूचकांक 50 के तटस्थ स्तर तथा 54.3 के अपने दीर्घकालिक औसत से काफी ऊपर रहा। क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक गतिविधियों में विस्तार और 50 से कम का आशय संकुचन से है। एचएसबीसी के मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर अक्टूबर में घटकर 58.9 पर आ गई जो मई के बाद से विस्तार की सबसे धीमी गति को दर्शाता है। एसएंडपी ग्लोबल द्वारा 400 कंपनियों की समिति से संकलित एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई के अनुसार, मांग में तेजी तथा जीएसटी राहत जैसे कारकों से परिचालन स्थितियों में सुधार हुआ।

जल्द लाएंगे टिकाऊ विमानन ईंधन नीतिः नायडू

नई दिल्ली, एजेंसी

- **नागर विमानन मंत्री बोले- कच्चे तेल के आयात को कम करने और हरित रोजगार सृजित में मिलेगी मदद**

नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने गुरुवार को कहा कि सरकार बहुत जल्द ही सतत विमानन ईंधन (एसएएफ) पर एक नीति लेकर आएगी। इससे कच्चे तेल के आयात को कम करने, किसानों की आय बढ़ाने और अधिक हरित रोजगार सृजित करने में मदद मिलेगी।

दिल्ली में नागर विमानन मंत्रालय और उद्योग मंडल फिक्की द्वारा आयोजित 'भारत सतत विमानन ईंधन शिखर सम्मेलन' 2025 में मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि एसएएफ (सतत विमानन ईंधन) को अपनाने के लिए अधिक नवाचार, निवेश एवं सामूहिक अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की जरूरत है। भारत का लक्ष्य 2027 तक विमान ईंधन में एसएएफ का 1%, 2028 तक 2% तथा 2030 तक 5% मिश्रण करना है। एसएएफ का उपयोग विमानन टरबाइन ईंधन (एटीएफ) में 'ड्रॉप-इन' ईंधन के रूप में किया जा सकता है। मंत्री ने कहा कि तेल कंपनियों के अलावा निजी कंपनियों को भी एसएएफ उत्पादन में शामिल होना चाहिए। वैश्विक स्तर पर 2040 तक एसएएफ की जरुरत 18.3 करोड़ टन होने का अनुमान है।

नायडू ने कहा कि कच्चे माल से लेकर ईंधन तक, किसानों से लेकर विमान चालकों तक तथा तलने से लेकर उड़ान भरने तक... वास्तव में किसने सोचा होगा कि समोसे तलने वाले भी इस वैश्विक विमानन आंदोलन में हिस्सा ले सकते हैं। भारत में 75 करोड़ टन से अधिक बायोमास उपलब्ध है और 21.3 करोड़ टन अधिशेष कृषि अवशेष है।

नायडू ने कहा कि सरकार बहुत जल्द एसएएफ नीति लेकर आएगी। कार्बन उत्सर्जन को कम करने के अलावा, एसएएफ किसानों की आय में 10-15% की वृद्धि करके उन्हें सशक्त बना सकता है। एसएएफ उत्पादन हमारे कच्चे तेल के आयात को हर साल पांच से सात अरब डॉलर तक कम करने के साथ मूल्य श्रृंखला में 10 लाख से अधिक हरित रोजगार सृजित करने में भी मदद कर सकता है। वैश्विक एसएएफ वर्तमान में बहुत कम है।

मंत्री ने कहा कि भारत सबसे तेजी से बढ़ते नागर विमानन बाजारों में से एक है। घरेलू विमान कंपनियों ने 1,700 से अधिक विमानों के ऑर्डर दिए हैं।

सेबी मूल्यांकन संबंधी चिंताओं पर हस्तक्षेप नहीं करेगा : पांडेय

मुंबई, एजेंसी

सेबी प्रमुख बोले- बाजार अवसरों के आधार पर मूल्य तय करने को स्वतंत्र

आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) में ऊंचे मूल्यांकन को लेकर उत्पन्न चिंताओं के बीच भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने स्पष्ट किया कि पूंजी बाजार नियामक इस पहलू में हस्तक्षेप नहीं करेगा।

पांडेय ने गुरुवार को कहा, हम मूल्यांकन का निर्धारण नहीं करते। यह निवेशक के आकलन पर निर्भर करता है। लेंसकार्ट के 7,200 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की कीमत बहुत अधिक रखे जाने पर चिंता जताने के कुछ दिन बाद पांडेय ने स्पष्ट किया कि सेबी इस पहलू में हस्तक्षेप नहीं कर सकता। बाजार अवसरों के आधार पर मूल्य निर्धारण करने के लिए स्वतंत्र है। अतीत में भी, कई हितधारकों द्वारा मूल्यांकन संबंधी चिंताएं उठाई गई हैं। खासकर से नए युग या डिजिटल कंपनियों जैसे नाइका या पेटीएम के आईपीओ के मामले में। इस बीच, एक्सीलेंस इनेबलर्स द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पांडेय ने कंपनियों से कहा कि उन्हें पर्यावरण, सामाजिक एवं प्रबंधन (ईएसजी) प्रतिबद्धताओं के प्रति अधिक प्रामाणिक होना चाहिए। उन्होंने कहा, ईएसजी प्रामाणिक होना चाहिए, न कि ब्रांडिंग अभ्यास। पांडेय ने कहा कि इसे मापने योग्य परिणामों से जोड़ा जाना चाहिए, स्वतंत्र आश्वासन के अधीन होना चाहिए और वास्तविक बोर्ड निरीक्षण में निहित होना चाहिए। यह स्पष्ट करते हुए कि ईएसजी अब वैकल्पिक नहीं है, पांडेय ने कहा कि व्यवसाय को विनियमों को लाभ में बदलना होगा न कि एक दायित्व में, जिसका अनुपालन किया जाना आवश्यक है। पांडेय ने यह भी कहा कि कंपनियों के निदेशकों एवं वरिष्ठ प्रबंधन को साइबर जोखिम, व्यवहार विज्ञान, डेटा नैतिकता और स्थिरता जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अपनी क्षमता को मजबूत करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज के बाजार की जटिलता औपचारिक निरीक्षण की नहीं, बल्कि सूचित निर्णय की मांग करती है।

आईपीओ में भागीदारी बढ़ाने को उठाया कदम

नई दिल्ली। बाजार नियामक सेबी ने आईपीओ में एंकर निवेशकों के लिए शेयर-आवंटन ढांचे में सुधार करते हुए नियमों में संशोधन किया है। इसका उद्देश्य म्यूचुअल फंड, बीमा कंपनियों और पेंशन कोष जैसे घरेलू निवेशकों की भागीदारी को व्यापक बनाना है। नियामक ने एंकर हिस्से में आरक्षित कोटा को बढ़ाकर 40% कर दिया है, जो 33 था। इसमें म्यूचुअल फंड के लिए 33और बीमा कंपनियों तथा पेंशन कोष के लिए शेष 7% है। सेबी ने 31 अक्टूबर की अधिसूचना में कहा कि यदि बीमा कंपनियों और पेंशन कोष के लिए आरक्षित 7% हिस्से को अभिदान नहीं मिलता है, तो उसे म्यूचुअल फंड को आवंटित कर दिया जाएगा।

राष्ट्रीय

लालू एंड कंपनी सत्ता में आई तो बनाएगी घुसपैठिए घुसाओ बोर्ड : गृहमंत्री

अमित शाह बोले- यह विधानसभा चुनाव घुसपैठियों से राज्य को मुक्त करने का है

बेतिया/मोतिहारी (बिहार), एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठिए देश की नौकरियां छीनते और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हैं। शाह ने कहा कि यह चुनाव राज्य को घुसपैठियों से मुक्त कराने का है।

बिहार संग्राम

प. चंपारण और मोतिहारी जिले में चुनावी सभाओं में शाह ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के शासनकाल में नरसंहार और दुष्कर्म की घटनाएं आम थीं, जबकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार में बाहुबली के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मखाना बोर्ड की स्थापना की, लेकिन अगर लालू एंड कंपनी सत्ता में आई तो 'घुसपैठिए घुसाओ बोर्ड' बना दिया जाएगा।

शाह ने दावा किया कि केवल नरेन्द्र मोदी और नीतीश कुमार की जोड़ी ही बिहार में जंगलराज को लौटने से रोक सकती है। उन्होंने आरोप लगाया कि लालू प्रसाद और राहुल गांधी बिहार में घुसपैठियों का रास्ता साफ करने की कोशिश कर रहे हैं। महागठबंधन पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि अगर ठगबंधन सत्ता में आया तो चंपारण मिनी चंबल में बदल जाएगा। शाह ने कहा कि बिहार ने कभी इंदिरा गांधी के भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी और आपातकाल का विरोध किया था, लेकिन अब कांग्रेस राजद के साथ मिलकर राज्य में शासन करने की कोशिश कर रही है।

उन्होंने कहा कि राजग सरकार के बरकरार रहने पर चंपारण में एक नया हवाई अड्डा बनाया जाएगा, क्षेत्र की सभी बंद चीनी मिलों को सहकारिता मॉडल के तहत फिर से चालू किया जाएगा और थारू समुदाय के लिए विशेष योजनाएं शुरू की जाएंगी। शाह ने यह भी घोषणा की कि मोतिहारी में एक नया मेडिकल कॉलेज स्थापित किया जाएगा और अरेराज स्थित बाबा सोमेश्वरनाथ मंदिर का 100 करोड़ रुपये की लागत से जीर्णोद्धार कराया जाएगा।

भाजपा कर रही चुनाव चोरी की कोशिश : राहुल

पूर्णिया/अररिया। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भाजपा पर बिहार चुनाव चोरी करने के प्रयास का आरोप लगाया और कहा कि प्रदेश के युवाओं और 'जेन जेड' को इसे रोकने के लिए मुस्तैद रहना होगा। उन्होंने पूर्णिया और अररिया में चुनावी सभाओं में प्रधानमंत्री मोदी पर नफरत बांटने का आरोप लगाया और दावा किया कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री अमित शाह ने देश में जंगल राज लागू कर रखा है। कांग्रेस नेता ने पूर्णिया की सभा में कहा, हमने ऐसा सबूत दिया कि भाजपा और निर्वाचन आयोग उसका कोई जवाब नहीं दे पा रहे हैं। उन्होंने दावा किया, भाजपा ने हरियाणा, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ का चुनाव चोरी किया, लोकसभा का चुनाव चोरी किया। अब ये बिहार का चुनाव चोरी करने की कोशिश कर रहे हैं, इन लोगों ने महागठबंधन के मतदाताओं के नाम काटे हैं और फर्जी लोगों के नाम जोड़े हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, बिहार के युवाओं और जेन जेड की जिम्मेदारी है कि संविधान को बचाएं।

मोदी निष्पक्ष चुनाव कराएं, देखते हैं कि कौन जीतता : प्रियंका गांधी

मोतिहारी/सीतामढ़ी/मधुबनी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने गुरुवार को आरोप लगाया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) हरियाणा की तरह बिहार में भी चुनाव चोरी करने की तैयारी में है। उन्होंने पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी और मधुबनी जिलों में चुनावी सभाओं में दावा किया कि निर्वाचन आयोग संविधान और लोकतांत्रिक अधिकारों को कमजोर करने के लिए सरकार के साथ काम कर रहा है। प्रियंका ने राहुल गांधी के हरियाणा में कथित वोट चोरी का हवाला देते हुए कहा, जिस तरह राजग ने हरियाणा में पूरा चुनाव चुरा लिया, उसी बिहार में भी 65 लाख वोटों को नामावली से हटाकर ऐसा ही करने की तैयारी में हैं। प्रियंका ने जनता का आह्वान किया, आप बिहार में एक ऐसी सरकार बनाइए, जो महिलाओं, युवाओं, किसानों, गरीबों के लिए काम करे- वोट चोरी न करे। उन्होंने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दो निर्वाचन आयुक्तों एसएस सिंधू और विवेक जोशी का उल्लेख करते हुए दावा किया, ये तीन लोग आपके अधिकार छीन रहे हैं। इनको पद और आयोग के पीछे छिपने मत दीजिए। कांग्रेस महासचिव ने कहा, जो लोग देश के साथ विश्वासघात कर रहे हैं, उन्हें देश भूलेगा नहीं। मोदी को मैं चुनौती देती हूं कि वो निष्पक्ष चुनाव कराएं। देखते हैं कि कौन जीतता है?

रोटी को पलटना जरूरी, वरना जल जाएगी : लालू यादव

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद ने गुरुवार को बिहार के लोगों से सरकार बदलने की अपील करते हुए कहा कि जैसे तवे पर रोटी को पलटते रहना जरूरी होता है, वरना वह जल जाती है, ठीक उसी तरह शासन में भी परिवर्तन आवश्यक है। राजद प्रमुख ने अपनी पत्नी और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी तथा पुत्र और महागठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव के साथ मतदान किया। मतदान के बाद लालू प्रसाद ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा कि रोटी को तवे पर पलटना जरूरी होता है, नहीं तो वह जल जाती है। 20 साल बहुत हो गए! अब नए बिहार के निर्माण के लिए तेजस्वी की सरकार जरूरी है। लालू प्रसाद का यह वक्तव्य बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान के दिन आया, जिसमें उन्होंने जनता से नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार को बदलने की अपील की।

देश में वायु प्रदूषण रोकने को न्यायिक हस्तक्षेप जरूरी

- **देश में वायु प्रदूषण रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका**
- **दिल्ली में 22 लाख बच्चों के फेफड़े खराब होने का दावा**

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में वायु प्रदूषण के स्तर को कम करने के अनुरोध के साथ स्वास्थ्य विशेषज्ञ की ओर से उच्चतम न्यायालय में जनहित याचिका दायर की गई है। याचिका में दिल्ली में 22 लाख बच्चों के फेफड़े खराब होने का दावा किया गया है।

याचिका में बढ़ते वायु प्रदूषण के स्तर से निपटने के लिए निरंतर और प्रणालीगत विफलता को दूर करने के लिए तत्काल न्यायिक हस्तक्षेप का अनुरोध किया गया है। याचिका समग्र स्वास्थ्य विशेषज्ञ ल्यूक क्रिस्टोफर कोटिन्हो की ओर से दायर की गई है। याचिका में केंद्र सरकार, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी), वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम), कई केंद्रीय मंत्रालयों, नीति आयोग के साथ दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार और महाराष्ट्र की राज्य सरकारों को पक्षकार बनाया गया है।

याचिका में कहा गया कि मौजूदा वायु प्रदूषण संकट जन स्वास्थ्य आपात स्थिति के स्तर पर पहुंच गया है जो संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत नागरिकों के जीवन और स्वास्थ्य के मौलिक अधिकार का उल्लंघन करता है। याचिका में वायु प्रदूषण को राष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थिति घोषित करने और समयबद्ध राष्ट्रीय कार्य योजना तैयार करने का अनुरोध किया गया है। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) को 2019 में 2024 तक पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) में 20-30% की कमी के लक्ष्य के साथ शुरू हुआ था जिसे 2026 तक 40% बढ़ाया गया, पर यह अपने सामान्य उद्देश्यों को पूरा नहीं कर पाया है।

फर्जी दस्तावेज मामले में पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम की याचिका खारिज

सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के पूर्व विधायक मोहम्मद अब्दुल्ला आजम खान की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने अपने खिलाफ चल रहे उस मामले को रद्द करने की मांग की थी, जो पासपोर्ट बनवाने के लिए नकली दस्तावेज़ों के इस्तेमाल से जुड़ा है। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के 23 जुलाई के आदेश में हस्तक्षेप करने से इन्कार कर दिया। हाईकोर्ट ने रामपुर में दर्ज मामले की कार्यवाही रद्द करने का अनुरोध करने वाली खान की अर्जी खारिज कर दी थी और निचली अदालत को कानून के अनुसार मुकदमा चलाने का निर्देश दिया था। उत्तर प्रदेश का पक्ष रखने के लिए पीठ के समक्ष पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के एम नटराज ने शीर्ष अदालत को सूचित किया कि मामले की पड़ताल पूरी हो चुकी है और अब दलीलें सुनने की तारीख तय की गई हैं। पीठ ने खान का पक्ष रखने के लिए पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल से कहा, निचली अदालत को इसपर फैसला करने दीजिए। सुनवाई अदालत पर भरोसा रखें। उसको ही इसका फैसला करने दीजिए। इस चरण में हमें इसमें हस्तक्षेप क्यों करना चाहिए। पीठ ने कहा कि सुनवाई अदालत उच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश से प्रभावित हुए बिना सभी मुद्दों पर निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र होगी।

दिल्ली दंगा : आरोपी ने न्यायालय से कहा- प्रदर्शन करना, उनमें भाग लेना आपराधिक मामला नहीं

दिल्ली में फरवरी 2020 में हुए दंगों से जुड़े यूएपीए मामले में आरोपी शादाब अहमद ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट से कहा कि विरोध प्रदर्शन करना और उनमें भाग लेना कोई आपराधिक कृत्य नहीं है। अहमद के अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा ने भी न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और एनवी अंजारिया की पीठ के समक्ष अहमद की ओर से देरी के अभियोजन पक्ष के दावे का खंडन किया। लूथरा ने कहा कि वह 27 साल का है और 2016 से एनडीएस एंटरप्राइजेज जगतपुरी में सुपरवाइजर है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई 11 नवंबर के लिए तय कर दी, जब दिल्ली पुलिस दलीलें शुरू करेगी।

फिल्म 'हक' पर रोक से इन्कार, शाह बानो की बेटी की याचिका रद्द

इंदौर। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने इंदौर की शाह बानो बेगम की बेटी की उस याचिका को रद्द कर दिया, जिसमें फिल्म 'हक' पर रोक लगाने का अनुरोध किया गया है।

हाईकोर्ट ने कहा कि याचिका में कोई ठोस आधार नहीं है और किसी की निजता या प्रतिष्ठा का अधिकार उसके जीवनकाल के बाद समाप्त हो जाता है। अदालत के इस फैसले के साथ ही 7 नवंबर (शुक्रवार) को फिल्म के प्रदर्शित होने का रास्ता साफ हो गया है। फिल्म 'हक' में यामी गौतम धर और इमरान हाशमी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

सतपाल व राजिंदर ने राज्यसभा के सदस्यों के रूप में ली शपथ

नई दिल्ली, एजेंसी

सतपाल शर्मा

राजिंदर गुप्ता

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने गुरुवार को राज्यसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों राजिंदर गुप्ता और सतपाल शर्मा को शपथ दिलाई। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता गुप्ता पंजाब से निर्वाचित हुए हैं। भाजपा नेता शर्मा जम्मू-कश्मीर से चुने गए हैं।

गुप्ता ने संसद भवन में आयोजित समारोह में पंजाबी में जबकि शर्मा ने हिंदी में शपथ ली। उद्योगपति गुप्ता पंजाब में सत्तारूढ़ 'आप' के टिकट पर जीते हैं। शर्मा भाजपा की जम्मू-कश्मीर इकाई के अध्यक्ष हैं। वह पेशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं और इससे पहले जम्मू-कश्मीर सरकार में कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। शर्मा 2014 में जम्मू पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र से विधानसभा सदस्य चुने गए थे। शपथ ग्रहण पर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह आदि मौजूद थे। दोनों सांसदों के परिवार भी उपस्थित थे।

अनिल अंबानी को ईडी ने 14 को पूछताछ के लिए बुलाया

नई दिल्ली। ईडी ने रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन अनिल अंबानी को बैंक धोखाधड़ी से जुड़े धनशोधन मामले में अगले सप्ताह फिर पूछताछ के लिए बुलाया है। 66 वर्षीय उद्योगपति को 14 नवंबर को बयान दर्ज कराने के लिए कहा गया है।

मामला रिलायंस कम्युनिकेशन लिमिटेड (आरकॉम) द्वारा एसबीआई से 2,929 करोड़ की ऋण धोखाधड़ी से संबंधित है। ईडी ने अगस्त में अंबानी से 10 घंटे पूछताछ की थी। यह जांच सीबीआई की 21 अगस्त को दर्ज प्राथमिकी पर आधारित है।

वर्ल्ड ब्रीफ

अमेरिका के डिकिंसन कॉलेज को पूर्व छात्र ने दो करोड़ डॉलर दान किया

हैरिसबर्ग। अमेरिका में पेंसिल्वेनिया के कार्लिस्ले स्थित डिकिंसन कॉलेज को उसके पूर्व छात्र सैमुअल जी. रोज़ ने क्षेत्र के मूलनिवासियों के इतिहास और संस्कृति पर केंद्रित एक कला एवं शिक्षा केंद्र विकसित करने के लिए 2 करोड़ डॉलर दान किया है। डिकिन्सन कॉलेज के 242 साल के इतिहास में यह सबसे बड़ा दान है। इसके साथ ही रोज की ओर से दिया गया अब कुल दान 10 करोड़ डॉलर हो गया है। इस दान से निवासियों के भविष्य के लिए जिम थॉर्प केंद्र का निर्माण किया जाएगा। शिक्षा एवं कला केंद्र में रोज के नाम से एक गैलरी होगी, जिसमें आदिवासी संस्कृति और कला का प्रदर्शन होगा। यह गैलरी कॉलेज के कला संग्रह को और समृद्ध करेगी तथा उसके शैक्षणिक कार्यक्रमों को बेहतर बनाएगी।

दक्षिण अफ्रीका में जी-20 शिखर सम्मेलन में शामिल नहीं होंगे ट्रंप

न्यूयॉर्क। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह इस महीने के अंत में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में शामिल नहीं होंगे। ट्रंप ने बुधवार को मियामी में 'अमेरिका बिजनेस फोरम' में कहा, मैं नहीं जा रहा हूं। दक्षिण अफ्रीका में जी-20 की बैठक है। दक्षिण अफ्रीका को जी-20 में ही नहीं होना चाहिए क्योंकि वहां जो हुआ है वह बहुत बुरा है। मैंने उन्हें बता दिया है कि मैं नहीं आ रहा हूं। मैं वहां अपने देश का प्रतिनिधित्व नहीं करने वाला। दक्षिण अफ्रीका ने एक दिसंबर 2024 को एक साल के लिए जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण की थी और वह 22 और 23 नवंबर को जोहानिसबर्ग में समूह के नेताओं की शिखर बैठक की मेज़बानी करेगा। यह पहली बार है जब जी-20 शिखर सम्मेलन अफ्रीकी धरती पर आयोजित किया जाएगा।

बांग्लादेशी कलाकारों ने 18 साल बाद पाकिस्तान के कराची में प्रस्तुति दी

कराची। बांग्लादेशी कलाकारों की 18 साल बाद पाकिस्तान में प्रस्तुति ने दोनों देशों के सांस्कृतिक संबंधों में एक नया अध्याय जोड़ दिया है। ये कलाकार कराची कला परिषद में आयोजित विश्व सांस्कृतिक महोत्सव में भाग ले रहे हैं। बांग्लादेशी दल में कई कलाकार हैं, जिनमें कुछ हिंदू कलाकार भी हैं। बुधवार रात शिरीन जवाद की मनमोहक प्रस्तुति ने दर्शकों का दिल जीत लिया। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व 'बांग्लादेश आर्ट वीक' की संस्थापक निहारिका मुमताज कर रही हैं। उन्होंने कहा, लगभग 18 साल बाद पाकिस्तान में बांग्लादेशी कलाकारों के लिए यह अवसर हमारी सांस्कृतिक विविधता को यहां के लोगों के सामने प्रस्तुत करने का शानदार मौका है।

दक्षिण कोरिया को विदेशी दुल्हनें पसंद 71% पुरुषों ने की दूसरे देशों में शादी

सियोल। दक्षिण कोरिया में बहुसांस्कृतिक विवाहों की संख्या लगातार तीसरे वर्ष बढ़ी है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से दक्षिण कोरियाई पुरुषों और विदेशी दुल्हनों के बीच होने वाले विवाहों की वजह से दर्ज की गई है।

आंकड़ों के अनुसार 2024 में दक्षिण कोरिया और विदेशी नागरिकों के बीच 21,450 विवाह हुए। यह संख्या 2023 की तुलना में पांच फीसदी अधिक है। दक्षिण कोरियाई पुरुषों का विदेशी महिलाओं से शादी करने का प्रतिशत 71.2 रहा, जबकि विदेशी पुरुषों से दक्षिण कोरियाई महिलाओं के बीच हुए विवाह का प्रतिशत 18.2 प्रतिशत रहा। इसके अलावा, 10.6 प्रतिशत विवाह ऐसे थे, जिनमें जीवनसाथी पहले किसी दूसरे देश के नागरिक थे, लेकिन अब दक्षिण कोरिया की नागरिकता ले चुके हैं।

- **हर साल बढ़ रहा है आंकड़ा, 18% महिलाओं ने भी तलाशे विदेशी पति**

इन अंतर्राष्ट्रीय विवाहों में दूल्हे की औसत उम्र 37 वर्ष और दुल्हन की 30 साल की रही है। विदेशी दुल्हनों में वियतनामी महिलाओं की हिस्सेदारी सबसे अधिक 26.8 प्रतिशत रही। चीन से आई दुल्हनों का प्रतिशत 15.9 रहा जो इस मामले में दूसरा स्थान है। थाई दुल्हनें 10 प्रतिशत के साथ तीसरे स्थान पर हैं। दक्षिण कोरियाई महिलाओं से विवाह करने वाले विदेशी पुरुषों में अमेरिकी 7.0 प्रतिशत, चीनी 6.0 प्रतिशत और वियतनामी 3.6 प्रतिशत रहे।

भारत समेत कई देशों की चुनौती

हिंद-प्रशांत क्षेत्र विवाद

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में हिंद महासागर और पश्चिम तथा मध्य प्रशांत महासागर शामिल हैं जो अफ्रीका के पूर्वी तट से अमेरिका के पश्चिमी तट तक फैला है। इस क्षेत्र में मेडागास्कर से ओशिनिया तक का समुद्री विस्तार शामिल है। जलडमरूमध्य और तटीय जल भी शामिल हैं जो दोनों महासागरों को जोड़ते हैं। हिंद-प्रशांत विवाद चीन के बढ़ते आधिपत्य और दक्षिण चीन सागर पर उसके दावों से जुड़ा है, जो इसे दुनिया का सबसे संघर्षपूर्ण क्षेत्र बनाता है। चीन सैन्य शक्ति बढ़ा रहा है, जो इस क्षेत्र से जुड़े कई देशों के लिए बड़ी चुनौती है, क्योंकि इससे समुद्री व्यापार मार्गों के लिए खतरा पैदा होता है। इस चुनौती का मुकाबला करने के लिए अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों ने क्वाड जैसे गठबंधन बनाया है। भारत सागर और एक्ट ईस्ट नीतियों के माध्यम से अपनी भूमिका मजबूत कर रहा है।

महत्व और विवाद की पृष्ठभूमि

- हिंद-प्रशांत क्षेत्र वैश्विक व्यापार का एक बड़ा हिस्सा संभालता है, जिसमें दुनिया का 40% से अधिक व्यापार और भारत का लगभग 80% व्यापार इसी क्षेत्र से होता है।
- चीन ने दक्षिण चीन सागर पर प्रभुत्व जमाने के लिए सैन्य बल का इस्तेमाल किया है और वियतनाम, फिलीपींस जैसे देशों के विवादित द्वीपों पर कब्जा भी किया है।
- चीन का दक्षिण चीन सागर में बढ़ता सैन्यीकरण और आक्रामक विदेश नीति अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए खतरा है, इससे अमेरिका और सहयोगी देश चिंतित हैं।

चीन की चुनौतीपूर्ण गतिविधियां

- चीन अपनी नौसैनिक शक्ति बढ़ाने के साथ अपनी उपस्थिति को हिंद महासागर तक फैला रहा है, जो उसकी रणनीतिक और आर्थिक पहुंच मजबूत करता है।
- चीन के क्षेत्रीय दावे जैसे कि दक्षिण चीन सागर में नाइन-डैश लाइन बाकी सभी देशों के लिए चुनौती हैं और समुद्री व्यापार मार्गों पर नियंत्रण का एक प्रयास हैं।
- चीन क्षेत्र के अन्य देशों को प्रभावित करने के लिए आर्थिक ताकत के इस्तेमाल के साथ अमेरिका के सहयोगियों के प्रति अपनी स्थिति को मजबूत कर रहा है।

चीन को रोकने के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्रयास

- क्वाड भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका का शक्तिशाली गठबंधन है जो चीन का मुकाबला करने और सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए है।
- ऑकस ऑस्ट्रेलिया, यूके और यूएस का गठबंधन है, यह सुरक्षा साझेदारी भी चीन के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए प्रयास कर रही है।
- इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क भी चीन की हिंद-प्रशांत में प्रभुत्व जमाने के लिए खिलाफ वैकल्पिक आर्थिक ढांचा प्रदान करता है।

इनके लिए खतरा : चीन के सैन्य दबाव के कारण ताइवान बड़े खतरे में, फिलीपींस, वियतनाम और आसियान देशों को समुद्री व्यापार मार्गों और संप्रभुता का डर। चीन के साथ पहले से सीमा विवाद में उलझे भारत के लिए सामरिक और आर्थिक चुनौती।

भारत की ओर से उठाए गए कदम

- सागर नीति के तहत हिंद-प्रशांत में भारत की सुरक्षा और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने की पहल की गई है।
- एक्ट ईस्ट नीति भारत को पूर्वी और दक्षिण-पूर्व एशिया के साथ अपने संबंध मजबूत करने में मदद करती है।
- भारत क्वाड का एक सक्रिय सदस्य है, यह गठबंधन भी क्षेत्र में क्षेत्रीय सुरक्षा और सहयोग के लिए महत्वपूर्ण है।
- इंडो-पैसिफिक में भारत अपनी भूमिका मजबूत कर रहा है, हिंद महासागर क्षेत्र के बाहर भी उपस्थिति बढ़ाई है।

हमने अपनी संप्रभुता का एक हिस्सा खो दिया... ममदानी की जीत पर ट्रंप

डेमोक्रेट नेता का उड़ाया मजाक, बोले- न्यूयॉर्क में कुछ हो सकता है भयानक

न्यूयॉर्क, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने न्यूयॉर्क सिटी के नवनिर्वाचित मेयर जोहरान ममदानी का मजाक उड़ाते हुए उनका नाम ही नहीं लिया, इसके बजाय कहा कि 'जो भी उनका नाम है'। ट्रंप ने दावा किया कि अब अमेरिकी जनता को वामपंथ और कॉमन सेंस के बीच में से एक को चुनना होगा।

फ्लोरिडा के मियामी में बुधवार को 'अमेरिका बिजनेस फोरम' को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा कि जब वह पिछले साल पांच नवंबर को दूसरी बार राष्ट्रपति चुने गए तब अमेरिकी जनता ने अपनी संप्रभुता बहाल की थी लेकिन मंगलवार को मेयर चुनाव के साथ उसका कुछ हिस्सा खो दिया है। यह बयान उस समय आया जब एक दिन पहले भारतीय मूल के डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट जोहरान ममदानी को न्यूयॉर्क सिटी के पहले मुस्लिम और दक्षिण एशियाई मेयर के रूप में चुना गया।

ट्रंप ने चेतावनी दी, आप देखना, न्यूयॉर्क में क्या होता है, भयानक... मैं उम्मीद करता हूं कि ऐसा न हो, लेकिन आप देखोगे। उन्होंने कहा, '...और वह ममदानी या जो भी उनका नाम है, सोचते हैं कि पुरुषों का महिलाओं के खेलों में खेलना बहुत शानदार है। ट्रंप ने पहले भी चेतावनी दी थी कि ममदानी की जीत न्यूयॉर्क सिटी के लिए पूरी तरह आर्थिक और सामाजिक तबाही लेकर आएगी। उन्होंने कहा, मंगलवार के नतीजों के बाद, अब अमेरिकी जनता के सामने चुनाव बहुत साफ है हमारे पास दो विकल्प हैं : वामपंथ या कॉमन सेंस। उन्होंने दोहराया कि उनके नेतृत्व में अमेरिका किसी भी रूप में साम्यवादी देश नहीं बनेगा।

जोहरान ममदानी ने टीम के साथ यूनिस्फीयर के सामने लोगों को संबोधित किया।

अगर कोई डोनाल्ड ट्रंप की ओर से देश को धोखा देने के जवाब में उन्हें हराने का तरीका दिखा सकता है तो वह न्यूयॉर्क है जिसने मुझे शिखर पर पहुंचाया। अगर किसी तानाशाह को डराने का कोई तरीका है तो वह उन्हीं परिस्थितियों को खत्म करना है जिन्होंने ट्रंप को सत्ता हासिल करने में मदद की। - **जोहरान ममदानी, अपने विजयी भाषण में**

ट्रंप बोले- मुझ पर गुस्सा दिखाएंगे तो सफल नहीं होंगे

ट्रंप ने बुधवार को ही मियामी में दिए एक साक्षात्कार में ममदानी के विजयी भाषण को 'बहुत गुस्से से भरा' बताया और कहा कि ममदानी ने अपनी शुरुआत ही गलत तरीके से की है और अगर वह वाशिंगटन के प्रति सम्मान नहीं रखेंगे तो उनके सफल होने की कोई संभावना नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, हां, मुझे लगा कि यह बहुत गुस्से वाला भाषण था, निश्चित रूप से मेरे खिलाफ गुस्सा झलक रहा था। मेरा मानना है कि उन्हें मेरे प्रति अच्छा व्यवहार करना चाहिए। आप जानते हैं, बहुत सी चीजें जो उनके पास आती हैं, उन्हें मंजूरी देने वाला मैं ही हूं। तो उन्होंने शुरुआत ही गलत दिशा में की है।

भारतीय अमेरिकियों ने कहा- यह जीत प्रवासियों के उज्ज्वल भविष्य की आशा

न्यूयॉर्क। भारतीय-अमेरिकी समुदाय के सदस्यों ने ममदानी की ऐतिहासिक जीत को इस बात का संकेत बताया कि प्रवासी समुदाय अमेरिका में नई पहचान बना रहा है। न्यूयॉर्क स्थित शैक्षिक एवं सांस्कृतिक संस्था 'द कल्चर ट्री' की सीईओ अनु सहगल ने कहा, पिछली रात एक नए युग की शुरुआत जैसी थी। न्यूयॉर्क को भारतीय मूल का पहला मेयर मिलने के बाद हम इस शहर की पहचान, अपनापन और सत्ता को देखने के नजरिए में बदलाव देख रहे हैं। सहगल ने कहा कि ममदानी के विजय भाषण में नेहरू का जिक्र और धूम फिल्म के गीत के साथ समापन, हमारे समुदाय के लिए खास मायने रखता है। दक्षिण एशियाई समुदाय के नेता दिलीप चौहान ने कहा कि उन्हें यह देखकर खुशी हुई कि एक दक्षिण एशियाई-अमेरिकी सार्वजनिक सेवा के प्रति समर्पित होकर शहर के विकास का वादा कर रहा है। उन्होंने एक उज्ज्वल भविष्य की आशा जगाई है। 'इंडियन अमेरिकन इम्पैक्ट फंड' नामक सामुदायिक संगठन ने कहा कि मंगलवार के चुनाव परिणामों ने यह साबित किया है कि चाहे वह सिटी काउंसिल हो, मेयर का पद या कोई राज्य स्तरीय पद, दक्षिण एशियाई-अमेरिकी अब इस देश के राजनीतिक भविष्य का हिस्सा हैं।

भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान गिराए गए थे 8 विमान : ट्रंप

न्यूयॉर्क। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि मई में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए युद्ध के दौरान आठ विमान मार गिराए गए थे। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि ये विमान किस देश के थे।

ट्रंप ने बुधवार को फ्लोरिडा के मियामी में 'अमेरिका बिजनेस फोरम' को संबोधित करते हुए भारत और पाकिस्तान के बीच हुए सैन्य संघर्ष के दौरान मार गिराए गए विमानों की संख्या सात के बजाय आठ बताई। अब तक वह कहते रहे हैं कि संघर्ष के दौरान सात विमान मार गिराए गए थे। ट्रंप ने कहा कि आठ महीनों में उन्होंने कोसोवो और सर्बिया तथा कांगो और रवांडा सहित आठ युद्धों को समाप्त कर दिया, जो लंबे समय से जारी थे। ट्रंप ने 10 मई को सोशल मीडिया पर घोषणा की थी कि भारत और पाकिस्तान वाशिंगटन की मध्यस्थता में देर रात तक चली बातचीत के बाद पूर्ण और तत्काल संघर्षविराम पर सहमत हो गए हैं। इसके बाद से वह 60 से अधिक बार यह दावा दोहरा चुके हैं।

फिलीपींस में तूफान से 241 की मौत, देश में आपातकाल

लिलोन में पति, तीन बच्चों और माता-पिता के लापता होने के बाद बिलखती एक महिला।

मनीला, एजेंसी

- **अचानक आई बाढ़ में डूबने से हुईं ज्यादातर मौत, 127 लोग लापता**

फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने तूफान कालमेगी के कारण देश के मध्य प्रांतों में 241 से ज्यादा लोगों की मौत होने और कई के लापता होने के बाद बृहस्पतिवार को आपातकाल की घोषणा कर दी। फिलीपींस में इस साल आई यह सबसे भीषण प्राकृतिक आपदा है।

तूफान कालमेगी के कारण ज्यादातर लोगों की मौत अचानक आई बाढ़ में डूबने से हुई, जबकि 127 लोग लापता बताए गए हैं। इनमें से अधिकतर मध्य प्रांत सेबू के निवासी हैं। यही प्रांत सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। यह उष्णकटिबंधीय चक्रवात बुधवार को द्वीपसमूह से गुजरने के बाद दक्षिण चीन सागर की ओर बढ़ गया। तूफान के प्रकोप से लगभग 20 लाख लोग प्रभावित हुए, जबकि 5.6 लाख से अधिक ग्रामीण विस्थापित हो गए, इनमें से लगभग 4.5 लाख लोगों को आपातकालीन आश्रयों में शरण लेनी पड़ी।

यूक्रेन ने रूस की प्रमुख रिफाइनरी पर किया ड्रोन हमला

कीव। यूक्रेन के जनरल स्टाफ ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि उसने लंबी दूरी तक मार करने में सक्षम ड्रोन से रूस के वोल्गोग्राद क्षेत्र स्थित प्रमुख तेल शोधन संयंत्र (रिफाइनरी) को निशाना बनाया है।

यूक्रेन के मुताबिक, तीन महीने में इस तेल शोधन संयंत्र पर यह उसका दूसरा हमला है। रूस ने हमले की पुष्टि नहीं की है। हालांकि, स्थानीय गवर्नर ने कहा कि ड्रोन हमले से क्षेत्र में एक औद्योगिक संयंत्र में आग लग गई। यूक्रेन के अफसरों ने कहा कि हमला बुधवार को किया गया था। यह तेल शोधन कारखाना रूस के दक्षिणी संघीय जिले में ईंधन और लुब्रिकेंट का सबसे बड़ा उत्पादक है। कारखाने से सालाना 1.5 करोड़ टन कच्चे तेल का प्रसंस्करण होता है, जो रूस की कुल शोधन क्षमता का लगभग 5.6 प्रतिशत है।

बांग्लादेश: जबरन गायब करने के दोषियों को मिलेगी मौत की सजा

ढाका, एजेंसी

- **अपदस्थ प्रधानमंत्री हसीना पर शिकंजा और कसने की मंशा**

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने बृहस्पतिवार को एक मसौदा अध्यादेश को मंजूरी दी, जिसमें 'जबरन गायब किए जाने' जैसे अपराध के दोषियों को मौत की सजा का प्रावधान किया गया है। अध्यादेश ऐसे समय आया है जब अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और 15 सेवारत सैन्य अधिकारियों के खिलाफ मानवता के खिलाफ अपराधों को लेकर मुकदमा चल रहा है।

अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार यूनुस के प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने मसौदे को मंजूरी दिए जाने के बाद एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, यह कानून 'तथाकथित अयनाघर' जैसे गुप्त निरुद्ध केंद्रों की स्थापना को अपराध बनाता है और अदालतों को आरोप दायर होने के 120 दिनों के भीतर मुकदमा चलाने के लिए बाध्य करता है। राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन की स्वीकृति के बाद यह अध्यादेश संभवतः 15 सैन्य अफसरों, हसीना और अपदस्थ सरकार में उनके कई सहयोगियों पर लागू किया जाएगा, इनमें पूर्व पुलिस प्रमुख भी शामिल हैं।

हाफिज के संगठन के कार्यालय पहुंचे पाकिस्तान के मंत्री

लाहौर। पाकिस्तान के एक मंत्री ने बृहस्पतिवार को पंजाब में हाफिज सईद के प्रतिबंधित संगठन जमात-उद-दावा के राजनीतिक चेहरे पाकिस्तान मरकजी मुस्लिम लीग के कार्यालय का दौरा किया और उसके नेताओं से मुलाकात की।

राज्य मंत्री सीनेटर तलाल चौधरी लाहौर से 130 किमी दूर फैसलाबाद स्थित लीग हाउस गए, जहां लीग के नेताओं ने उनका स्वागत किया। उनके दौरे को सईद के राजनीतिक संगठन को शहबाज सरकार द्वारा आधिकारिक संरक्षण के रूप में देखा जा रहा है।

अमेरिकी टैरिफ से संकट में भारतीय समुद्री खाद्य उद्योग

कोच्चि, एजेंसी

अमेरिका के नए टैरिफ के बाद भारत का समुद्री खाद्य (सीफूड) निर्यात क्षेत्र गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। इस झटके ने उद्योग जगत और नीति-निर्माताओं को मूल्य संवर्धन, तकनीकी नवाचार और बाजार विविधीकरण की दिशा में प्रयास करने के लिए प्रेरित किया है ताकि देश की निर्यात आय को बचाया जा सके।

ये मुद्दे कोच्चि स्थित सेंट्रल मरीन फिशरीज रिसर्च इंस्टीट्यूट में आयोजित चौथे 'इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन मरीन इकोसिस्टम्स' नाम से हुई संगोष्ठी में प्रमुख रूप से उभरे। इसमें 'मरीन प्रोडक्ट्स एक्सपोर्ट डेवलपमेंट अथॉरिटी' के चेयरमैन डॉ. राम मोहन ने बताया कि अप्रैल से सितंबर 2025 के बीच अमेरिका को भारत का सीफूड निर्यात लगभग छह फीसदी कम हुआ है। लेकिन चीन, वियतनाम और थाईलैंड जैसे एशियाई बाजारों में निर्यात में तेज़ वृद्धि देखी गई है। यह इस बात का संकेत है कि भारतीय निर्यातक नए बाजारों की ओर रुख कर रहे हैं।

- **टैरिफ लगने के बाद छह फीसदी कम हुआ कारोबार भारतीय निर्यातकों ने किया नए बाजारों का रुख**

वैश्विक बाजार में जगह बनाएं

विशेष एक्वाकल्चर जोन घोषित करने और मुक्त व्यापार समझौता तेजी से आगे बढ़ाने की मांग की गई ताकि वैश्विक बाजार में भारत की स्थिति सुधारी जा सके। सीफूड एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के प्रतिनिधि एजे थरकन ने कहा कि अमेरिका अब तक भारतीय झींगा का सबसे बड़ा बाजार रहा है लेकिन नए टैरिफ ने व्यापार को प्रभावित किया है।

तकनीक आधारित स्टार्ट अप और नवाचार को बढ़ावा दे भारत

सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ फिशरीज टेक्नोलॉजी के निदेशक डॉ. जॉर्ज निनन ने कहा कि समय आ गया है कि भारत सीफूड सेक्टर में तकनीक आधारित स्टार्टअप्स और नवाचार को बढ़ावा दे। उन्होंने शोधकर्ताओं, उद्योग और नीति निर्माताओं के बीच बेहतर समन्वय की जरूरत पर बल दिया ताकि वैश्विक प्रतिस्पर्धा में टिके रह सकें। इस पर भी जोर दिया गया कि भारत को अब सिर्फ कच्चा समुद्री माल भेजने की बजाय रीप्रोसेसिंग और वैल्यू-एडेड प्रोडक्ट्स जैसे ब्रेडेड स्क्विड रिंग्स (ब्रेड से बनने वाले फिश पकौड़े), सुरिमी आइटम्स (फिश केक, फिश बॉल्स जैसी चीजें), रेडी-टू-ईट फिश फिलेट्स पर ध्यान देना चाहिए। वर्तमान में भारत का वैल्यू-एडेड सीफूड निर्यात 74.2 करोड़ डॉलर का है। यह चीन, वियतनाम, थाईलैंड, इक्वाडोर और इंडोनेशिया जैसे देशों की तुलना में बहुत कम है।

कैमरून : 92 वर्षीय पॉल बिया ने राष्ट्रपति पद की शपथ ली

याओंडे। कैमरून के नेता 92 वर्षीय पॉल बिया ने पिछले महीने हुए राष्ट्रपति चुनाव में जीत के बाद बृहस्पतिवार को सात साल के नए कार्यकाल के लिए फिर से शपथ ली।

इस चुनाव को उनके विपक्षी प्रतिद्वंद्वी ने संवैधानिक तख्तापलट बताया है। संसद में विश्व के सबसे बुजुर्ग राष्ट्रपति ने कैमरूनवासियों के विश्वास के प्रति वफादार रहने का वादा किया तथा एक एकजुट, स्थिर और समृद्ध देश के लिए कार्य करने की शपथ ली। कैमरून की शीर्ष अदालत ने 27 अक्टूबर को बिया को 53.66 प्रतिशत मतों के साथ चुनाव में विजेता घोषित किया था।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 7 नवंबर, शुक्रवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, द्वितीया 11.05 तक तत्पश्चात तृतीया।

आज का पंचांग

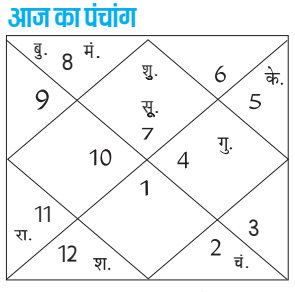

दिशाशूल- पश्चिम, ऋतु- हेमंत।
चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- रोहिणी 8 नवंबर 00.23 तक तत्पश्चात मृगशिरा।

मेष आज दोपहर के बाद स्थितियों में सुधार आएगा, किंतु बिना पढ़े व गंभीर विश्लेषण के किसी डील पर निर्णय न लें। नौकरीपेशा लोगों को अतिरिक्त काम करना पड़ सकता है। विद्यार्थी पढ़ाई को लेकर कुछ लापरवाह हो सकते हैं।

वृष आज का दिन काफी अच्छा रहेगा। अपने किसी शौक को करियर के रूप में चुन सकते हैं। बड़े आर्थिक निवेश के लिए समय अनुकूल है। वैवाहिक जीवन अत्यंत सुखद रहेगा। विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं।

मिथुन आज व्यापार में स्थितियां उलझती हुई प्रतीत होंगी। परिवार में धन को लेकर समस्या हो सकती है। घर के किसी सदस्य की अस्वस्थता आपको परेशान कर सकती है। समय के अनुसार अपने व्यवहार में परिवर्तन लाने का प्रयास करें।

कर्क आज अधिक आदर्शवादी होने से भी नुकसान होने की संभावना है। किसी के भी सामने अपनी प्रशंसा स्वयं अपने मुख से न करें। आपकी व्यवहार कुशलता की सर्वत्र प्रशंसा होगी। एक साथ दो मामलों को निपटाना पड़ सकता है।

सिंह आज होटल कारोबारियों को कुछ तकनीकी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। उधार दिया हुआ धन वापस मिल सकता है। करियर को लेकर अत्यंत गंभीर रहेंगे। सहकर्मी आपकी अत्यधिक सहायता करेंगे।

कन्या आज आपके व्यवहार में आए परिवर्तन के कारण लोग अचरज में आ सकते हैं। स्फूर्ति और सकारात्मक ऊर्जा के लिए व्यायाम अवश्य करें। आपके काम धीमी गति से पूरे होंगे। अपनी गलती का ठीकरा दूसरों पर न फोड़ें।

तुला आज नए कार्यों में धन निवेश की योजना बनाएंगे। कारोबारी यात्राओं के लिए दिन शुभ नहीं है। घर में बिजली के उपकरण खराब हो सकते हैं। ऐसे मुद्दों से दूर रहें, जिनके विषय में आपके पास कम जानकारी है।

वृश्चिक आज दिन शांतिपूर्वक और बिना तनाव के रहने वाला है। मीडिया से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। आपके सभी कार्य समय पर हो जाएंगे। विवाहित जोड़े किसी रोमांटिक टूर के लिए जा सकते हैं। व्यवसाय में नए अनुबंध हो सकते हैं।

धनु आज व्यापारिक गतिविधियों में तेजी आएगी। परिवार में किसी उत्सव को लेकर असमंजस हो सकती है। अविवाहितों को विवाह के उत्तम प्रस्ताव मिल सकते हैं। दैनिक वेतनभोगियों की अटकी हुई पेमेंट वापस मिल सकती है।

मकर आज आपको हाल में ही शुरू किए गए कार्यों में सफलता मिलेगी। प्रेम संबंध रोमांटिक रहेंगे। समय का सदुपयोग करें। घर का वातावरण काफी अच्छा रहेगा। किसी भी काम को कल पर न टालें। संतान के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें।

कुंभ आज व्यापारियों को नकदी की कमी का सामना करना पड़ सकता है। दिखावे में धन खर्च होगा। कानूनी मामलों को लेकर सावधान रहें। कारोबारियों की आय में कमी होने की संभावना है। आप दूसरों के झगड़ों को सुलझाने में सफल रहेंगे।

मीन आज कार्यक्षेत्र में उच्चाधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता आने के योग बन रहे हैं। लोग आपसे अत्यंत प्रसन्न रहेंगे। समाज में आपकी लोकप्रियता बढ़ने वाली है। मन में नए और क्रिएटिव विचार उत्पन्न हो सकते हैं।

सुडोकू - 153

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1				2				
		4	5					6
2			8					
	1			6			2	
	9						1	
	5			3				
5					2	8		
3					1	9		
6			3					4

सुडोकू - 152 का हल

6	7	1	4	8	5	2	3	9
8	2	4	9	1	3	6	5	7
9	5	3	2	6	7	8	1	4
5	4	6	3	7	8	1	9	2
7	1	9	5	2	6	3	4	8
3	8	2	1	9	4	5	7	6
2	9	7	8	5	1	4	6	3
1	3	8	6	4	9	7	2	5
4	6	5	7	3	2	9	8	1

मुझे खुद से ज्यादा हनुमान जी पर विश्वास है। जब भी मैं किसी मुश्किल स्थिति में होती हूं तो मैं उनका नाम लेती हूं और मुझे लगता है कि मैं उससे उबर सकती हूं। मुझे उन पर बहुत भरोसा है। मैंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर जय श्री राम लिखा है।

-दीप्ति शर्मा

स्टेडियम

अमृत विचार

www.amritvichar.com

कानपुर नगर, शुक्रवार 7 नवंबर 2025

हाईलाइट

एफआईएच पुरुष जूनियर विश्व कप ट्रॉफी दौरा आज से

नई दिल्ली। प्रतिष्ठित पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप ट्रॉफी शुक्रवार से शुरू होने वाले देशव्यापी दौरे के दौरान भारत के 20 शहरों का दौरा करेगी। यह दौरा शुक्रवार को हॉकी इंडिया शताब्दी समारोह के दौरान खेल मंत्री मनसुख मांडविया, तमिलनाडु के उप मुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन, एफआईएच अध्यक्ष दातो तैयब इकराम, हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की, महासचिव भोला नाथ सिंह और कोषाध्यक्ष सेकर जे मनोहरन की उपस्थिति में आधिकारिक तौर पर शुरू होगा। इन 20 शहरों में चंडीगढ़, अमृतसर, लखनऊ, जम्मू, पुणे और हैदराबाद भी शामिल हैं।

आरसीबी ने रंगराजन को महिला टीम का कोच नियुक्त किया

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने गुरुवार को तमिलनाडु के पूर्व स्पिनर मालोलन रंगराजन को अगले साल होने वाले महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के चौथे सत्र से पहले अपनी महिला टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया। रंगराजन ल्यूक विलियम्स की जगह लेंगे, जिन्हें 2024 में मुख्य कोच नियुक्त किया गया था। आरसीबी ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर पोस्ट किया पिछले छह वर्षों से विभिन्न भूमिकाओं में आरसीबी के सहयोगी स्टाफ के प्रमुख सदस्य रहे मालोलन रंगराजन को अब आगामी डब्ल्यूपीएल के लिए मुख्य कोच नियुक्त किया गया है।

इंटर मिलान का विजय अभियान जारी बार्सिलोना ने ड्रॉ खेला

मिलान। इंटर मिलान ने कजाकिस्तान के क्लब कैराट को 2-1 से हराकर चैंपियंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट में अपना विजय अभियान जारी रखा, लेकिन बार्सिलोना को क्लब ब्रुग ने ड्रॉ पर रोक दिया। जबकि एर्लिंग हालैंड ने गोल करने का क्रम जारी रखा जिससे मैनचेस्टर सिटी ने बोरूसिया डॉर्टमुंड पर 4-1 से जीत हासिल की। पिछले वर्ष की उपविजेता इंटर के लिए लुटारो मार्टिनेज और कार्लोस ऑगस्टो ने प्रत्येक हाफ में एक गोल किया, जिससे वह इस प्रतिोगिता में बायर्न म्यूनिख और आर्सेनल के साथ चार मैचों में चार जीत हासिल करने वाली तीसरी टीम बन गई है। बार्सिलोना ने क्लब ब्रुग के खिलाफ 3-3 से ड्रॉ रहे मैच में तीन बार पिछड़ने के बाद वापसी की। बेल्जियम में खेले गए इस मैच में बार्सिलोना को वापसी दिलाने में लामिन यामल का अहम योगदान रहा।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू व कप्तान हरमनप्रीत कौर विश्व कप ट्रॉफी के साथ। एजेंसी

आप से युवा पीढ़ी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होगी : राष्ट्रपति

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को यहां राष्ट्रपति भवन में आईसीसी महिला वनडे विश्व कप जीतने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम से मुलाकात की। जिसमें कप्तान हरमनप्रीत कौर ने उन्हें सभी खिलाड़ियों के हस्ताक्षर वाली टीम जर्सी भेंट की।

राष्ट्रपति मुर्मू ने टीम को उनकी ऐतिहासिक उपलब्धि पर बधाई दी और कहा कि खिलाड़ियों ने सिर्फ इतिहास ही नहीं रचा है बल्कि वे युवा पीढ़ी के लिए आदर्श भी बन गई हैं। राष्ट्रपति के कार्यालय से जारी एक बयान में उनके हवाले से कहा गया कि युवा पीढ़ी विशेषकर लड़कियां इस उपलब्धि से जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होंगी। मुर्मू ने भविष्य में भी इस टीम के भारतीय क्रिकेट को शीर्ष पर रखने का भरोसा जताया और खिलाड़ियों के क्रिकेट सफर में आई मुश्किलों पर कहा कभी-कभी तो खिलाड़ियों को नींद भी नहीं आई होगी। लेकिन उन्होंने सभी चुनौतियों का सामना किया। उन्होंने कहा कि न्यूजीलैंड पर जीत के बाद लोगों को पूरा भरोसा था कि मैच में उतार-चढ़ाव के बावजूद हमारी बेटियां ही जीतेंगी।मुर्मू ने कहा कि इन खिलाड़ियों की सफलता में उनकी कड़ी मेहनत, कौशल, पक्के इरादे और उनके परिवारों के अलावा क्रिकेट प्रेमियों के प्यार और आशीर्वाद का हाथ रहा। राष्ट्रपति ने टीम की हर सदस्य को बधाई दी। उन्होंने कहा देश और विदेश में लाखों भारतीय इस जीत का जश्न मना रहे हैं। संयोजन में भी भारत की छवि दिखी क्योंकि सभी खिलाड़ी अलग इलाकों और अलग पृष्ठभूमि से आती है। खिलाड़ी अलग-अलग इलाकों, अलग-अलग सामाजिक पृष्ठभूमि और अलग-अलग परिस्थितियों का प्रतिनिधित्व करती हैं। पर वे एक टीम हैं 'इंडिया'। यह टीम भारत को सबसे अच्छी तरह प्रदर्शित करती है। उन्होंने कहा कि सात बार की विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलियाई टीम को हराकर भारतीय टीम ने देशवासियों का अपनी काबिलियत पर भरोसा और मजबूत किया।

राष्ट्रपति भवन में मौजूद विश्व कप विजेता महिला क्रिकेट टीम व अन्य स्टाफ। एजेंसी

- भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने राष्ट्रपति से मुलाकात कर अपने हस्ताक्षर वाली जर्सी भेंट की

भारत को टी-20 सीरीज में 2-1 से बढ़त

अक्षर, शिवम व वाशिंगटन ने की शानदार गेंदबाजी, चौथे मैच में ऑस्ट्रेलिया 48 रनों से परास्त

कैरारा (गोल्ड कोस्ट), एजेंसी

- भारत के 168 रनों का पीछा करते हुए आस्ट्रेलियाई टीम 119 रनों पर सिमटी

अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर की उम्दा गेंदबाजी से भारत ने बृहस्पतिवार को यहां चौथे टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में ऑस्ट्रेलिया को 48 रनों से हराकर पांच मैच की श्रृंखला में 2-1 की बढ़त बनाई। भारत के 168 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया की टीम वाशिंगटन सुंदर (तीन रन पर तीन विकेट), अक्षर पटेल (20 रन पर दो विकेट) और शिवम दुबे (20 रन पर दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने 18.2 ओवर में 119 रन पर सिमट गई।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से कप्तान मिचेल मार्श (30) ही 30 रन के आंकड़े को छू पाए। नाथन एलिस (21 रन पर तीन विकेट) और एडम जंपा (45 रन पर तीन विकेट) ने इससे पहले अंतिम ओवरों में भारत को लगातार झटके दिए जिससे एक समय दो विकेट पर 121 रन बनाकर अच्छी स्थिति में दिख रही मेहमान टीम आठ विकेट पर 167 रन ही बना सकी। भारत की तरफ से सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल 39 गेंद में चार चौकों और एक छक्के से 46 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। अभिषेक शर्मा (28), शिवम दुबे (22) और कप्तान सूर्यकुमार यादव (20) अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में बदलने में नाकाम रहे। अक्षर ने अंत में 11 गेंद में नाबाद 21 रन बनाकर भारत का स्कोर 160 रन के पार पहुंचाया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों को भारतीय गेंदबाजों ने लगातार दबाव में रखा। मैथ्यू शॉर्ट (25) ने अर्शदीप सिंह (22 रन पर एक विकेट) पर चौके के साथ खाता खोला और फिर इस तेज गेंदबाज के अगले ओवर में भी छक्का और चौका मार। मार्श ने भी जसप्रीत बुमराह (27 रन पर एक विकेट) और अर्शदीप पर चौके मारे। अक्षर ने शॉर्ट को पगबाधा करके इस साझेदारी को तोड़ा।

मैदानी अंपायर ने उन्हें आउट नहीं दिया था लेकिन डीआरएस लेने पर उन्हें अपना फैसला बदलना पड़ा क्योंकि गेंद विकेटों से टकरा रही थी। जोश इंग्लिस (12) ने आते ही बुमराह पर दो चौके मारे जिससे ऑस्ट्रेलिया ने पावर प्ले में एक विकेट पर 48 रन बनाए। मार्श 21 रन के स्कोर पर भाग्यशाली रहे जब वरुण चक्रवर्ती (26 रन पर एक विकेट) की गेंद पर लांग ऑफ पर अभिषेक ने उनका मुश्किल कैच टपका दिया। अक्षर ने इंग्लिस को बोल्ड किया जबकि मार्श भी दुबे की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में अर्शदीप को कैच दे बैठे जिससे ऑस्ट्रेलिया का स्कोर तीन विकेट पर 70 रन हो गया। पिछले मैच में अर्धशतक जड़ने वाले टिम डेविड (14) ने दुबे पर लंबा छक्का जड़ा लेकिन अगली गेंद को हवा में लहराकर मिड ऑफ पर सूर्यकुमार के हाथों लपके गए। अर्शदीप ने जोश फिलिप (10) को शॉर्ट मिडविकेट पर चक्रवर्ती के हाथों कैच कराके ऑस्ट्रेलिया को पांचवां झटका दिया। ग्लेन मैक्सवेल (02) ने एक रन के साथ 15वें ओवर में ऑस्ट्रेलिया के रनों का शतक पूरा किया लेकिन अंतिम गेंद पर बोल्ड हो गए। ऑस्ट्रेलिया को अंतिम पांच ओवर में जीत के लिए 65 रन की दरकार थी। सूर्यकुमार ने 17वें ओवर में श्रृंखला में पहली बार गेंद वाशिंगटन को थमाई और उन्होंने लगातार गेंदों पर मार्कस स्टोइनिस (17) और जेवियर बार्टलेट (00) को आउट करने के बाद अपने अगले ओवर में जंपा (00) को गिल के हाथों कैच कराके भारत की जीत सुनिश्चित की।

वाशिंगटन सुंदर को बधाई देते कप्तान सूर्यकुमार यादव। एजेंसी

हालात के अनुकूल ढलना जीत की कुंजी : सूर्यकुमार

कैरारा : भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने आस्ट्रेलिया पर चौथे टी20 मैच में 48 रन से मिली जीत के लिये बल्ले और गेंद से अपने खिलाड़ियों के चतुराई भरे खेल को श्रेय दिया। भारत ने 167 रन बनाने के बावजूद जीत दर्ज करके पांच मैचों की श्रृंखला में 2.1 से बढत बना ली है। सूर्यकुमार ने जीत के बाद कहा मुझे लगता है कि बल्लेबाजों को इसका श्रेय जाना चाहिए। शुभमन और अभिषेक ने जिस तरह से शुरुआत की, उन्हें पता था कि यह 200 या 220 रन वाला विकेट नहीं है। उन्होंने चतुराई से खेला। बल्लेबाजों की तरफ से यह पूरा टीम प्रयास था।

भारत विश्व स्तरीय टीम है : मार्श

आस्ट्रेलियाई कप्तान मिचेल मार्श ने कहा 167 का स्कोर बुरा नहीं था। हम फिनिश लाइन तक नहीं जा सके। भारतीय टीम को इसका पूरा श्रेय जाता है जो विश्व स्तरीय टीम है। एशेज श्रृंखला को देखते हुए आस्ट्रेलिया ने टीम में काफी बदलाव किए थे। प्रमुख खिलाड़ी टी20 श्रृंखला के आखिरी दो मैच छोड़कर इंग्लैंड के खिलाफ एशेज की तैयारी में लग गए।

भारत

167/8 (20 ओवर)

अभिषेक शर्मा का डेविड बो जंपा	28
शुभमन गिल बो एलिस	46
शिवम दुबे बो एलिस	22
सूर्यकुमार का डेविड बो बार्टलेट	20
तिलक वर्मा का इंग्लिस बो जंपा	05
जितेश शर्मा पगबाधा बो जंपा	03
वाशिंगटन का कुनहेमन बो एलिस	12
अक्षर पटेल नाबाद	21
अर्शदीप का फिलिप बो स्टोइनिस	00
वरुण चक्रवर्ती नाबाद	01

गेंदबाजी : ड्वारशुइस 4-0-31-0, बार्टलेट 4-0-26-1, एलिस 4-0-21-3, स्टोइनिस 4-0-41-1, जंपा 4-0-45-3

ऑस्ट्रेलिया

119/10 (18.2 ओवर)

मिचेल मार्श का अर्शदीप बो दुबे	30
मैथ्यू शॉर्ट पगबाधा बो अक्षर	25
जोश इंग्लिस बो अक्षर	12
टिम डेविड का सूर्यकुमार बो दुबे	14
फिलिप का चक्रवर्ती बो अर्शदीप	10
स्टोइनिस पगबाधा बो वाशिंगटन	17
ग्लेन मैक्सवेल बो चक्रवर्ती	02
बेन ड्वारशुइस बो बुमराह	05
बार्टलेट का एवं बो वाशिंगटन	00
नाथन एलिस नाबाद	02
एडम जंपा का गिल बो वाशिंगटन	00

गेंदबाजी : अर्शदीप 3-0-22-1, बुमराह 4-0-27-1, चक्रवर्ती 4-0-26-1, अक्षर 4-0-20-2, दुबे 2-0-20-2, वाशिंगटन 1.2-0-3-3

टी-20 विश्व कप का फाइनल होगा अहमदाबाद में

नई दिल्ली : भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप के आयोजन स्थलों की सूची में अहमदाबाद, दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई और मुंबई को जगह दी है। फाइनल अहमदाबाद में खेला जाएगा। एकदिवसीय विश्व कप 2023 का भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच फाइनल भी अहमदाबाद में खेला गया था जो एक लाख से अधिक दर्शकों की क्षमता के साथ दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम है। विश्व कप 2023 भारत में 10 स्थलों पर खेला गया था। बेंगलुरु का नाम अंतिम रूप से चयनित स्थलों की सूची में नहीं है।

आईसीसी फरवरी-मार्च में होने वाली इस प्रतियोगिता का पूर्ण कार्यक्रम अगले हफ्ते घोषित करेगा। टूर्नामेंट के सात फरवरी को शुरू होने की संभावना है जबकि फाइनल आठ मार्च को हो सकता है। टी20 विश्व कप का श्रीलंका सह मेजबान होगा जो भारत के साथ इंतजाम के तहत पाकिस्तान के लिए तटस्थ स्थल होगा। श्रीलंका में कैंडी और कोलंबो सहित तीन स्थलों पर मुकाबलों का आयोजन होगा। भारत स्वदेश में होने वाले विश्व कप में गत चैंपियन के रूप में उतरेगा। टीम ने पिछले साल जून में बारबडोस में पिछले टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। पाकिस्तान अगर फाइनल में पहुंचता है तो खिताबी मुकाबला श्रीलंका में होगा।

जुरेल के शतक से भारत ए ने बनाए 255 रन

शतक लगाने के बाद जश्न मनाते ध्रुव जुरेल। एजेंसी

बेंगलुरु, एजेंसी

- दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ चार दिवसीय मैच का पहला दिन

ध्रुव जुरेल के शानदार शतक की मदद से भारत ए ने शीर्षक्रम की नाकामी से उबरते हुए दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ चार दिवसीय मैच के पहले दिन बृहस्पतिवार को 255 रन बनाए।

पहले बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने पर भारत ए ने सात विकेट 126 रन पर गंवा दिए थे, लेकिन जुरेल (नाबाद 132) और कुलदीप यादव (20) ने आठवें विकेट के लिए 79 रन की साझेदारी की। जुरेल ने 175 गेंदों में 12 चौकों और चार छक्कों की मदद से 126 रन की पारी खेली जबकि कुलदीप ने अपनी पारी में 87 गेंदों का सामना किया। जुरेल ने आफ स्पिनर प्रेनेलान सुब्रायेन को लांग आन पर शानदार छक्का जड़ा। इसके बाद इसी गेंदबाज को स्लॉग स्वीप पर छक्का लगाया। उन्होंने वान वूरेन की गेंद पर एक रन लेकर प्रथम श्रेणी क्रिकेट में चौथा शतक पूरा किया। पिछली सात पारियों में यह उनका तीसरा शतक है। उन्होंने आस्ट्रेलिया ए के खिलाफ लखनऊ में और वेस्टइंडीज के खिलाफ अहमदाबाद में शतक बनाया था।

27वीं अखिल भारतीय कुमार सुरेंद्र सिंह इंटर स्कूल शूटिंग चैंपियनशिप-2025 में स्वर्ण पदक विजेता उत्तर प्रदेश की महिला यूथ खिलाड़ी।

उप्र ने इंटर स्कूल शूटिंग चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण

बरेली : नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) की ओर से चेन्नई में आयोजित 27वीं अखिल भारतीय कुमार सुरेंद्र सिंह इंटर स्कूल शूटिंग चैंपियनशिप-2025 में उत्तर प्रदेश की महिला यूथ टीम ने स्वर्ण पदक जीत लिया। प्रतियोगिता का आयोजन 27 अक्टूबर से 4 नवंबर तक किया गया था। इसमें देशभर के युवा निशानेबाजों ने हिस्सा लिया।

उत्तर प्रदेश राज्य राइफल संघ लखनऊ ने इस जीत को राज्य में निशानेबाजी के बढ़ते स्तर और युवा एथलीटों के समर्पण को बताया है। ये जानकारी टीम मैनेजर विशाल विश्वकर्मा ने दी।

प्रमुख उपलब्धियां

(एस006.177 पीप साइट एयर राइफल (एनआर) यूथ वीमेन) : उत्तर प्रदेश की टीम ने कुल 1166.0-0x के प्रभावशाली स्कोर के साथ पहला स्थान प्राप्त किया। टीम के व्यक्तिगत स्कोर इस प्रकार रहे : वृंदा महाजन : 393.0-0x, देवीना गर्ग : 387.0-0x, ईशानवी केसरवानी : 386.0-0x

फिडे शतरंज विश्व कप में विदित तीसरे दौर में, निहाल सरीन बाहर

पणजी (गोवा), एजेंसी

ग्रैंडमास्टर विदित गुजराती ने बृहस्पतिवार को यहां फिडे शतरंज विश्व कप के दूसरे दौर में अर्जेंटीना के 12 वर्षीय ओरो फॉस्टिनो पर जीत दर्ज की जबकि निहाल सरीन यूनान के ग्रैंडमास्टर कौरकोलोस-आर्डिटिस स्टेमैटिस से हारकर बाहर हो गए।

केरल के ग्रैंडमास्टर निहाल को इस टूर्नामेंट में अपनी छाप छोड़ने की उम्मीद थी, लेकिन स्टेमैटिस ने लगातार उन पर दबाव बनाया जिससे इस भारतीय ने कई मौके मिलने के बावजूद बाजी गंवा दी।

भारत को दिन में दूसरा सबसे बड़ा झटका अरविंद चितम्बरम के हारने से मिला जो हमवतन के वेंकटरमनन से पराजित हो गए।

ग्रैंडमास्टर गुजराती ने कुछ मुश्किलों के बाद अंतिम 64 चरण में जगह बनाई। उन्होंने काले मोहरों से खेलते हुए फॉस्टिनो के खिलाफ पहला गेम ड्रॉ कराया जबकि दूसरे में जीत दर्ज की।

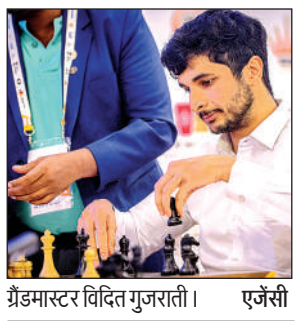

ग्रैंडमास्टर विदित गुजराती। एजेंसी

नाराज नेपोमनियाच्ची ने होटल से चेकआउट किया

पणजी (गोवा) : रूस के ग्रैंडमास्टर इयान नेपोमनियाच्ची ने बृहस्पतिवार को फिडे विश्व कप से बाहर होने के तुरंत बाद अपने होटल से चेकआउट किया और यहां टूर्नामेंट की परिस्थितियों पर असंतोष व्यक्त करके विवाद खड़ा कर दिया। भारतीय ग्रैंडमास्टर दिप्तायन घोष से 0.5-1.5 से हारकर इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता से बाहर होने के तुरंत बाद दो बार के विश्व चैंपियनशिप चैलेंजर नेपोमनियाच्ची ने हार के एक घंटे के भीतर ही अपने होटल से चेकआउट कर दिया। यह पांच वर्षों में पहली बार है जब मौजूदा विश्व ब्लिट्ज़ चैंपियन नेपोमनियाच्ची कैंडिडेट्स टूर्नामेंट से बाहर होंगे।

गर्व की बात | पहले लड़कों की टीम में खेलती थीं, छतरपुर जिला क्रिकेट एसोसिएशन के तत्कालीन सचिव ने बदल दी जिंदगी

जो लोग ताना कसते थे, वही आज प्रशंसा कर रहे : क्रांति

नई दिल्ली, एजेंसी

लड़कों की टीम में एक खिलाड़ी कम पड़ गया और ऐसे में उनके पास कोई विकल्प नहीं था और उन्होंने आखिर उसे अपनी टीम में शामिल कर दिया। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ का क्रिकेट में यह पहला कदम था। इससे पहले वह मध्य प्रदेश के अपने गांव धुवारा में दूर से ही लड़कों को खेलते हुए देखती थी और कभी कभार जब गेंद उनके दरवाजे पर पहुंच जाती तो उसे वापस लड़कों के पास फेंक देती थी।

गौड़ ने गुरुवार को यहां राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात से ठीक पहले पीटीआई वीडियो से कहा मुझे तो यह भी नहीं पता था कि महिला क्रिकेट टीम भी है। यहीं से क्रिकेट में मेरा सफर शुरू हुआ था। इस 22 वर्षीय खिलाड़ी ने हाल में समाप्त हुए महिला वनडे विश्व कप में में 18.55 की औसत से नौ विकेट लिए जिसमें पाकिस्तान के खिलाफ मैच में तीन विकेट लेना भी शामिल था।

उन्होंने कहा मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है क्योंकि यह मेरा पहला विश्व कप था और अब हम विश्व चैंपियन हैं। यह मेरे, मेरे परिवार और पूरे देश के लिए गर्व की बात है। क्रांति की कहानी स्टेडियम की दूधिया रोशनी और कैमरों से कहीं दूर शुरू हुई। वह ज्यादातर दूर से ही कुछ लड़कों को खेलते हुए देखती थी और जब भी गेंद उसके दरवाजे पर आती, तो वह उसे वापस फेंक देती थी। एक दिन अचानक उन्हें तब अंतिम एकादश में जगह मिल गई, जब लड़कों को एक खिलाड़ी की जरूरत थी। क्रांति ने कहा मेरे घर के आगे एक मैदान था जिस पर लड़के खेला करते थे और मैं दूर से ही उन्हें खेलते हुए देखती थी। जब मैंने उनके साथ खेलना शुरू किया, तो वे मुझे सिर्फ एक क्षेत्ररक्षक के तौर पर खिलाते थे, लेकिन धीरे-धीरे मैंने भी खेलना सीख लिया।

उन्होंने राजीव बिल्थरे का जिक्र करते हुए कहा तब मैंने एक लेदर बॉल टूर्नामेंट खेला और राजीव सर से मिली। राजीव बिल्थरे छतरपुर जिला क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव भी थे और उन्हें क्रांति की गेंद की रफ्तार काफी प्रभावशाली लगी थी। उन्होंने कहा उन्होंने मुझसे पूछा कि क्या मैं अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट भी खेलना चाहती हूं। मुझे नहीं पता था कि लड़कियों की अंतर्राष्ट्रीय टीम भी है और फिर वह मुझे अपनी अकादमी में ले गए।

मेरे छोटे से गांव में लड़कियों को खेलने की नहीं थी इजाजत

क्रांति ने कहा मैं एक छोटे से गांव से हूं, इसलिए वहां लड़कियों को खेलने की इजाजत नहीं थी। मेरे परिवार से कहा जाता था कि तुम उसे लड़कों के साथ क्यों खेलने देते हो। तब मैंने सोचा कि एक दिन मैं अपने प्रदर्शन पर सबको तालियां बजाने पर मजबूर कर दूंगी। उन्होंने कहा और जो लोग मुझे और मेरे परिवार को ताना मारते थे, वे अब हमारी सराहना कर रहे हैं। अब महिला टीम भी बेहतर हो रही है और विश्व कप जीतने के बाद यह बहुत आगे जाएगी।